राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 प्रधानमंत्री मोदी ग्लोबल पीस अवार्ड से समानित.....

राष्ट्रपति बनते ही पहले आदेश में एलजीबीटीयू समुदाय को झटका दे सकते हैं ट्रंप.... 12

वर्ष : 12 | अंक : 221 | पटना, मंगलवार, 26 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

आस्ट्रेलिया में भारत की बड़ी जीत, कंगारूओं को 295 रन से हराया

जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा भारत

प्रात : किरण

पर्थ /एजेंसी। भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया है। आस्ट्रेलिया में भारत की यह सबसे बड़ी जीत है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में 295 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को भी जिंदा रखा है। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अब तीन मुकाबले और जीतने होंगे।

शीर्ष पर पहुंचा भारत

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को

हराकर भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उनका अंक प्रतिशत भी 58.33 से सुधरकर 61.11 का हो गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 13 मैचों में चौथी शिकस्त के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गया। उनका अंक प्रतिशत 57.69 का हो गया। बता दें कि, इस मैच से पहले भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए 4-0 से सीरीज जीतनी थी। पहला मैच जीतने के बाद अब टीम को तीन और मुकाबले अपने नाम करने होंगे। यह भारत की 15 मैचों में नौवीं जीत है। अब उनके खाते में 110 अंक हो गए। तीसरे स्थान पर 55.56 अंक प्रतिशत के साथ श्रीलंका है, जबकि चौथे और पांचवें पायदान पर क्रमशः न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका है

जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच

बता दें कि यशस्वी जयसवाल और विराट कोहली की शतकीय पारियों और जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच में 295 रनों से हरा दिया है। जसप्रीत बुमराह को उनके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह कल के 12 रन पर तीन विकेट से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को 17 के स्कोर पर चौथा झटका दिया। 25वें ओवर में सिराज ने स्टीव स्मिथ को पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। बुमराह ने ट्रेविस हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने मिचेल मार्श को बोल्ड कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। मिचेल स्टॉक को को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। नेथन लॉयन को भी सुंदर ने बोल्ड आउट किया। हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 58.4 ओवर में 238 पर सिमट गई और रिकार्ड 295 रनों से मुकाबला हार गई। रन की हासिल की थी।

बिहार विधानमंडल शीतकालीन सत्र शुरू, विपक्ष का हंगामा

सदन में 32506करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

- उपचुनाव में निर्वाचितविस सदस्यों ने ली शपथ
- सत्र के पहले दिन विधानमंडल परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

प्रात : किरण

पटना। पटना। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हुआ। सत्र की कार्यवाही पहले दिन दोनों सदनों में हंगामेदार रही। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सदण की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों से अनुरोध किया कि वाद-विवाद को बेहतर ढंग से करें। सत्र संचालन में पूर्ण सहयोग करें। वहीं, बिहार विधानसभा उपचुनाव में चार सीटों के आए परिणाम में विजेता रहे रामगढ़ से भाजपा के अशोक सिंह, इमामगंज से हम की दीपा मांझी और बेलागंज से जदयू की मनोरमा देवी

को शपथ दिलाई गई। वहीं तरारी से निर्वाचित भाजपा के विशाल प्रशांत एक दिन बाद शपथ लेंगे। वहीं सत्र शुरू होने के पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानमंडल पहुंचकर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव से मुलाकात की और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया। वहीं विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह से भी उनके कक्ष में जाकर मुलाकात की और पुष्प गुच्छ भेंट किया। सत्र के पहले दिन विधानमंडल आने पर जनता दल यूनाइटेड के कई नेताओं ने नीतीश कुमार का स्वागत किया। विजय चौधरी, अशोक चौधरी और श्रवण बिहार विधानसभा में मौजूद थे उन्होंने सीएम नीतीश का स्वागत किया।

सदन मंगलवार तक के लिए स्थगित

विधान सभा में नये विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 32506.90 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। इसके बाद हंगामे के बीच शोक संदेश पढ़े गए और फिर सदन की कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वहीं, विधान परिषद की कार्यवाही भी महज 16 मिनट 12 सैकेंड चली। 32506.90 करोड़ का अनुपूरक बजट रखने के बाद परिषद की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

इधर, कार्यवाही शुरू होने से पहले माले के विधायक हंगामा करने लगे। वह एनडीए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे। माले विधायकों ने वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर प्रदर्शन किया। सत्र के पहले दिन नेता विपक्ष तेजस्वी यादव भी सदन पहुचे, जिनका राजद के नेताओं ने स्वागत किया। इससे पहले मानसून सत्र में तेजस्वी सदन नहीं पहुंचे थे, ऐसे में इस बार भी इनके आगमन को लेकर सत्तारूढ़ दल के तरफ से काफी सवाल उठाए जा रहे थे, लेकिन नेता सदन पहुंचे।

सूबे में 2473 पदों पर जल्द होगी फार्मासिस्ट की बहाली : मंत्री

बिहार तकनीकी सेवा करेगी बहाली प्रक्रिया पूर्ण

- राज्य में हो रहा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

प्रात : किरण

पटना। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में राज्य सरकार फार्मासिस्ट की बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करने जा रही है। बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग के 2 हजार 473 पद पर बहाली के लिए बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बिहार तकनीकी सेवा आयोग को अधियाचना भेज दी है। जल्द ही बहाली प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा गया है। राज्य में स्वास्थ्य विभाग मानव बल की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाएं उन्नत प्रदान करने की दिशा में लगातार प्रयत्नशील है। श्री पांडेय ने कहा कि फार्मासिस्ट, दवाओं और उनके इस्तेमाल के विशेषज्ञ होते हैं। वे स्वास्थ्य देखभाल

में पेशेवर होते हैं और दवाओं से जुड़े कई काम करते हैं। इन बहालियों से स्वास्थ्य विभाग को और अतिरिक्त ताकत मिलेगी। फार्मासिस्ट दवाओं का भंडारण, संभालना, तैयार करना और वितरण करने का मुख्य कार्य करते हैं। मरीजों को दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी इस्तेमाल के बारे में सलाह देना, मरीजों को दवाओं की सही खुराक बताना, मरीजों को दवाओं से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों और अंतःक्रियाओं के बारे में बताना का भी कार्य करते हैं। वहीं डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ मिलकर मरीजों के लिए सबसे अच्छी दवा की सिफारिश करना उनके प्रमुख कार्य होते हैं। श्री पांडेय ने का कि राज्य में फार्मासिस्ट की बहाली से युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की सरकारी अस्पतालों में मरीजों की उचित देखभाल में भी सहायता मिलेगी। राज्य में लगातार बहाली प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में भी विभिन्न पदों पर बहाली से युवाओ में उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार युवाओं को रोजगार देने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अव्वल हैं। हम सभी उनके मार्गदर्शन में बहाली प्रक्रिया को पूर्ण करने की दिशा में उचित प्रयास कर रहे हैं। बिहार की जनता ने भी हमारे कार्यों की प्रशंसा उपचुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत दिलाकर की है।

अडानी मुद्दे पर संसद में चर्चा जरूरी : खरगे

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि संसद के आज से शुरू हुए सत्र में उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे आरोपों को लेकर चर्चा आवश्यक है ताकि विदेशों में भारत की छवि रक्षा की जा सके। श्री खरगे ने कहा संसद सत्र शुरू होने के साथ ही सरकार को सबसे पहले अडानी प्रकरण पर विस्तृत चर्चा करनी चाहिए। यह मुद्दा वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को धूमिल कर सकता है। इंडिया गठबंधन की पार्टियाँ यही माँग कर रही हैं, क्योंकि करोड़ों खुदरा निवेशकों की मेहनत की कमाई दांव पर लगी है। उन्होंने कहा, हमें देश को चलाने के लिए एकाधिकार और कार्टेल की जरूरत नहीं है। निजी क्षेत्र में स्वस्थ बाजार प्रतिस्पर्धा संचालित करने की जरूरत है ताकि समान अवसर, रोजगार और धन के समान वितरण की सुविधा प्रदान हो और भारत के लोगों में निहित उद्यमशीलता की भावना को पूरी हो।

खरगे की अध्यक्षता में हुई गठबंधन नेताओं की बैठक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले आज संसद भवन परिसर में इंडिया गठबंधन के सदन के नेताओं की बैठक राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गठबंधन की लगभग सभी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया और संसद के दोनों सदनों में गठबंधन की रणनीति को लेकर चर्चा की। बैठक में जालंधर मुद्दों पर सरकार से चर्चा करने की मांग पर बल दिया गया। श्री खड़गे के संसद भवन स्थित कार्यालय में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में लोकसभा में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के टी एस बालू, आरएसपी के प्रेमचंद्रन कांग्रेस के कैसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी सहित कई नेता मौजूद थे। बैठक में द्रमुक के त्रुची शिवा, कनिमोझी, सौगात राय तृणमूल, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास भी मौजूद थे।

संविधान से धर्मनिरपेक्ष-समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं खारिज

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ह्यइस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। सीजेआई ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

इंदिरा गांधी सरकार में जोड़े गए थे ये शब्द

बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने संशोधन का किया था बचाव

इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए।

प्रियंका ने भी संभल मामले में सुप्रीम कोर्ट से की हस्तक्षेप की मांग

लखनऊ/एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद पर सर्वे को लेकर हुये बवाल को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस घटना के लिये प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुये उच्चतम न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है। इससे पहले समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भी संभल की घटना पर चिंता जताते हुये उच्चतम न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। सुश्री वाड्रा ने सोमवार को एक्स पर लिखा संभल, उत्तर प्रदेश में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा। उन्होने कहा, सत्ता में बैठकर भेदभाव, अत्याचार और फूट फैलाने का प्रयास करना न जनता के हित में है, न देश के हित में। सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेकर न्याय करना चाहिए।

शीतकालीन सत्र : प्रधानमंत्री ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं को किया संबोधित

मतदाता, संविधान, विश्व समुदाय की आशा पर खरे उतरें सांसद : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले विपक्ष से जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा विश्व समुदाय की आशाओं पर खरा उतरने का आह्वान करते हुए अपील की कि उनके व्यवहार से मतदाता, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संविधान के प्रति उनका समर्पण और संसदीय प्रक्रियाओं में उनके विश्वास की सार्थक अनुगूंज बाहर जानी चाहिए। श्री मोदी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। 2024 का यह अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संसदीय सत्र कई मायनों में खास है, जिसमें सबसे अहम पहलू हमारे संविधान की 75वीं वर्षगांठ है। यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक गौरवशाली मील का पत्थर है। कल संविधान सदन में सब मिलकर संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा, संविधान निमाताओं ने संविधान का निर्माण करते समय एक एक बिंदु पर बहुत विस्तार से बहस की है और तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई हैं-संसद और हमारे सांसद। संसद में स्वस्थ बहस होनी चाहिए और चचाओं में अधिकतम और उचित भागीदारी होनी चाहिए। लेकिन,दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को भी मुट्ठीभर लोगों की हुड़दंगबाजी से संसद को कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनकी रणनीति अंततः विफल हो जाती है, जनता उनके व्यवहार पर बारीकी से नजर रखती है और समय आने पर सजा भी देती है। उन्होंने कहा कि समस्या नये सांसदों के लिये हो रही है उनके अधिकारों को कुछ लोग दबोच लेते हैं। लोकतंत्र में हमारा कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ियों को तैयार करें। लेकिन 80 से 90 बार जनता द्वारा नकार दिये गये लोग जनता की आकांक्षाओं पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं बार-बार विपक्ष के साथियों से आग्रह करता रहा हूं और कुछ विपक्षी साथी भी चाहते हैं कि सदन में सुचारू रूप से काम हो।

पीएम ने वैश्विक सहकारी सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन का वैश्विक सम्मेलन पहली बार भारत में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें भारत की भावी सहकारिता यात्रा के बारे में जानकारी मिलेगी। साथ ही, भारत के अनुभवों के माध्यम से वैश्विक सहकारी आंदोलन को 21वीं सदी के उपकरण और नई भावना मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत में सहकारिता ने विचार से आंदोलन, आंदोलन से क्रांति और क्रांति से सशक्तिकरण तक का सफर किया है और यह भारत के लिए संस्कृति का आधार और जीवन शैली है। प्रधानमंत्री ने सहकारिता को भारतीय संस्कृति का आधार बताया और कहा कि भारत के लिए सहकारिता जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन को भी सहकारिता ने प्रेरित किया है। इस मौके पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह और यूएन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इससे पहले अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष की शुरूआत के लिए यूएन का धन्यवाद किया और कहा कि ये फैसला पूरी दुनिया के करोड़ों किसान, महिलाएं व गरीब के सशक्तिकरण के लिए आशीर्वाद होगा।

अडानी, मणिपुर मामले पर लोस और रास में विपक्ष का हंगामा, सदन स्थगित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में अडानी और मणिपुर मामले पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण दो बार की बाधा के बाद सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी। दोपहर 12 बजे सदन के पुनः समवेत होते ही विपक्षी सदस्य खड़े होकर अडानी और मणिपुर मसले को लेकर शोरशराबा करने लगे और पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने व्यवस्था बनाये रखने की अपील का असर होते न देख कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिये स्थगित कर दी। संविधान दिवस पर मंगलवार को दोनों सदनों की विशेष बैठक होगी। आज सदन की बैठक दोबारा शुरू होने के बाद विपक्ष के शोरशराबे के बीच समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव यह कहते हुये सुने गये उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा को लेकर उनकी पार्टी के सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिये पूरे प्रदेश को हिंसा की आग में झोंक रहे हैं। इसी

के साथ ही शोरशराबा करते हुये विपक्षी सदस्य सदन के बीचोबीच आने लगे। पीठासीन श्रीमती राय ने विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे हंगामा न करें और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने दें। शोरगुल शांत न होते देख उन्होंने विपक्ष से कहा, आप सदन की कार्यवाही चलाना नहीं चाहते। हंगामा बढ़ते देख श्रीमती राय ने सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले शीतकालीन सत्र के पहले दिन आज सदन की कार्यवाही शुरू होने पर लोकसभा ने सदन के सदस्य रहे माननीयों को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी।

राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित :

नईदिल्ली। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने सोमवार को राज्यसभा में सभी विधायी कामकाज रोककर उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े कथित रिश्वत मामले पर चर्चा कराने की मांग की लेकिन सभापति ने इसे नामंजूर कर दिया जिसे लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही पहले 15 मिनट के लिए पौने बारह बजे तक और फिर दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

संक्षिप्त खबरें

आधविक रामबिलास अपार्टमेंट की आधारशिला रखी गई

दानापुर। नगर के अंतर्गत सोमवार को दानापुर सगुना मोड़ के आरके पुरम कॉलोनी में आधविक ग्रुप की ओर से कंपनी के नए आवासीय प्रोजेक्ट आधविक रामबिलास अपार्टमेंट का निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया। मौके पर कंपनी के निदेशक कौशर खान और हर्ष भालोटिया मौजूद रहे। भूमिपूजन के बाद कंपनी लीगल सेल हेड प्रणव कुमार ओझा द्वारा फ्लैट बुकिंग के लिए इच्छुक ग्राहकों के बीच वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ आधविक रामबिलास अपार्टमेंट की आधारशिला रखी गई. पटना में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त आधविक रामबिलास अपार्टमेंट सपनों का आशियाना साबित होगा, यह बातें इसके निदेशक कौशर खान ने कही। मैनेजमेंट की ओर से जानकारी देते हुए हर्ष भालोटिया ने बताया कि दो और तीन बीएचके के फ्लैट लोगों के बजट में उपलब्ध होगा। सिक्योरिटी, सीसीटीवी, टैरेस गार्डेन, जिम, चौबीस घंटे बिजली, पानी सहित कई सुविधाओं का लाभ लोगों को मिलेगा। दानापुर रेलवे स्टेशन सुगन मुख्य सड़क इस प्रोजेक्ट से महज दो सौ मीटर से भी कम दूरी पर है। मौके पर कंपनी के संजीव कुमार सिंह, सतेन्द्र शर्मा, अंकित कुमार सिंह,शुभम कुमार सिंह,मयंक कुमार ,संगम तिवारी वहीं सेल्स हेड पियूष राणा और डॉली के साथ कई लोग मौजूद रहे.

पत्नी ने पति को प्रेमिका को पकड़ा

फतुहा। सोमवार को स्टेशन रोड में राहगीरों की उस समय भीड़ जुट गयी जब एक पीड़ित महिला ने पीछा करते हुए अपने पति और उसके कथित प्रेमिका को पकड़ लिया। इसके बाद पति पत्नी और वो के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा चलने लगा। इसी बीच पीड़ित महिला की सूचना पर 112 की डायल टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और तीनों को पकड़कर थाने ले आयी। पीड़ित महिला ने एक लिखित शिकायत भी दर्ज करायी। थाने में भी कुछ देर तक ड्रामा चलता रहा लेकिन पुलिस ने तीनों को पूछताछ करने के बाद आपसी समझौता करा महिला के पति को उसके साथ घर भेज दिया तथा कथित प्रेमिका को भी पुलिस ने उसके घर छपरा भेज दिया। बताया जाता है कि पीड़ित महिला खुरुपुर के एक गांव की थी। सोमवार को उसका पति उक्त कथित प्रेमिका के साथ कही जाने को लेकर रेलवे स्टेशन जा रहा था तभी पीड़ित महिला ने उन दोनों को स्थानीय स्टेशन रोड में पकड़ लिया।

जालसाजों ने एटीएम बदल कर 25 हजार उड़ाए

फतुहा। सोमवार को एक खाताधारक का एटीएम बदल कर जालसाजो द्वारा उसके खाते से 25 हजार रुपए उड़ा लिए। इस सन्दर्भ में स्थानीय मोसिमपुर कुर्था निवासी चुन्नू रविदास ने थाने में अज्ञात जालसाजो के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। बताया जाता है कि पीड़ित चुन्नू रविदास सोमवार को दोपहर महारानी चौक के पास स्थित एक एटीएम से पैसा निकालने गया था। कार्ड इंटर करने पर जब पैसा नही निकला तो वहां मौजूद एक शख्स ने यह कहकर उसकी एटीएम बदल दी कि अभी देखते हैं। इसके बाद जब पीड़ित अपने घर चला गया तो उसके मोबाइल पर तीन बार में 25 हजार रुपए निकल जाने का मैसेज प्राप्त हुआ। शिकायत के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है।

तख्तश्री पटना साहिब में कीर्तन समागम 26 से

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में नवम पातशाह गुरु तेग बहादुर जी महाराज का शहादत पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए पंजाब से अखंड कीर्तनी जत्था तीन दिसंबर को तख्तश्री पटना साहिब आएगा। इसकी तैयारी में जुटे स्थानीय संगत में तेजेंद्र सिंह बग्गा एवं रणजीत सिंह ने बताया कि अखंड कीर्तनी जत्थों की ओर से चार दिसंबर से तख्तश्री पटना साहिब, गुरुद्वारा बाललीला मैनी संगत, श्री गुरु सिंघ सभा, चितकोहरा और कंगन घाट गुरुद्वारा में कीर्तन समागम होगा। शहीदी पर्व पर छह दिसंबर को विशेष दीवान सजेगा। जत्था की ओर से सात दिसंबर को रैन सवाई कीर्तन किया जाएगा। प्रबंधक कमेटी और स्थानीय संगत शहीदी पर्व की तैयारियों को मूर्तरूप देने में लगा है।

चौपाल में किसानों को दी गई उन्नत खेती की जानकारी

मसौढ़ी !किसानों को उन्नत खेती के तरीकों की तकनीकी जानकारी देने को लेकर मसौढ़ी प्रखंड के बारा पंचायत के नदौना गांव में किसान चौपाल का आयोजन किया गया।चौपाल में किसानों को उन्नत खेती के तरीकों की जानकारी दी गई। आत्मा नूतन कुमारी ने बताया कि आधुनिक पद्धति से खेती कर किसान कम लागत में बेहतर पैदावार हासिल कर सकते हैं।इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे समृद्ध किसान बन सकेंगे।किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाने की साथ ही कहा कि पराली जलाने वाले किसानों को कृषि योजना का लाभ नहीं मिलेगा।मौके पर किशोरी महतो पंकज श्री किसान सलाहकार रत्नेश कुमार साथ काफी संख्या में महिला पुरुष किसान मौजूद रहे।

लैंगिक भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने हेतु जीविका द्वारा नई चेतना 3.0 जागरूकता अभियान का शुभारंभ

प्रात : किरण, संवाददाता

पटना। लैंगिक भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, श्री हिमांशु शर्मा द्वारा नई चेतना 3.0 जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया । एक माह तक चलने वाला यह अभियान बिहार में लैंगिक समानता और हिंसा रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाने, पुरुषों की सहभागिता बढ़ाने और सामुदायिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए सहयोगी संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा । अपने संबोधन में, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ने लैंगिक हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में महिला स्वयं सहायता समूह की महिला जमीनी स्तर पर इस कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी। इस वर्ष का अभियान बिहार के महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे - बाल लिंगानुपात, बाल विवाह, और मद्य निषेध पर केंद्रित है और इसका मुख्य विषय है एक साथ, एक आवाज : हिंसा के खिलाफ। नई चेतना 3.0 का उद्देश्य संवाद को बढ़ावा देना, जागरूकता फैलाना, और लैंगिक हिंसा के खिलाफ सामुदायिक पहल को प्रोत्साहित कर एक सुरक्षित और समान समाज का निर्माण करना है। यह अभियान अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस 25 नवंबर 2024 से आरंभ होकर 23 दिसंबर 2024 को समाप्त होगा। प्रतिभागियों ने अभियान के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों सदस्यों को जागरूक करने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान ह्वनई चेतनाह्व ऐप के बारे में भी बताया गया, जो जिला और प्रखंड स्तर पर अभियान की दैनिक रिपोर्टिंग एवं अनुश्रवण के लिए उपयोग किया जाएगा। यह अभियान बिहार के सभी 534 प्रखंडों में चलाया जाएगा, जिसमें विशेष गतिविधियाँ 174 प्रखंडों में संचालित दीदी अधिकार केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाएगी । चार सप्ताह के कार्यक्रम में मुख्यतः निम्नलिखित विषय शामिल होंगे झ लैंगिक दृष्टिकोण का निर्माण, महिलाओं के खिलाफ हिंसा का समाधान, युवाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा, और पुरुषों के साथ जुड़ाव व संवाद स्थापित किया जाएगा ।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने घरों से लैंगिक समानता पर चर्चा शुरू करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जीविका के कानूनी सलाहकार, मुख्य वित्तीय अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक, राज्य परियोजना प्रबंधक, सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया ।

वैश्य महासभा पटना जिला के अध्यक्ष बने सुजीत कसेरा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

वरिष्ठ समाजसेवी और खाजेकलां के कसेरा टोली के रहने वाले सुजीत कुमार कसेरा को राष्ट्रीय वैश्य महासभा पटना जिला का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मनोनयन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उद्योग मंत्री समीर महासेठ एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ पीके चौधरी ने नियुक्ति पत्र और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। साथ ही पटना जिला को मजबूती देने लिए सुजीत कसेरा पर पूर्ण विश्वास करते हुए कहा कि सुजीत कसेरा राजनीति एवं समाजसेवा के अनुभवी लोगों में जाने जाते है। इनके अध्यक्ष बनने पर पटना जिला बहुत ही मजबूत होगी। इनके मनोनयन पर राज कुमार राजन, मोहनीफ शेख, राजद नेता डॉ इकबाल अहमद, बलराम चौधरी, शशिशेखर रस्तोगी, प्रमोद गुप्ता, अरुण गुप्ता, मंजीत आनंद साहू, सुजीत गुप्ता, पवन केशरी, सुशील गुप्ता, तुषार आर्य, अजय आजाद, अभय जायसवाल, राकेश जायसवाल, शशि साह, राजा पूर्वे आदि ने बधाई दी है।

प्रकाश पर्व को ले प्रबंधक कमेटी के पदधिकारी सरकार के अधिकारियों से मिले

कॉरिडोर पर काम किए जाने को लेकर भी की गई चर्चा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

साहेब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व में सहयोग के लिए प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों का शिष्टमंडल सोमवार को बिहार सरकार के अधिकारियों से मिला। इस दौरान विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह और पर्यटन निदेशक विनय कुमार से मिला। इस दौरान तख्त साहिब में चार से छह जनवरी के बीच मनाए जाने वाले गुरु महाराज के प्रकाश पर्व में सहयोग करने की बात कही। पदाधिकारियों ने अधिकारियों को प्रकाश पर्व को लेकर विस्तृत जानकारी दी। बैठक में अधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि प्रकाश पर्व में सरकार के स्तर पर हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कमेटी के अध्यक्ष अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही और महासचिव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में मिले शिष्टमंडल ने कंगन घाट के पास सौंदर्यीकरण कार्य कराने और कॉरिडोर निर्माण के लिए भी सहयोग मिलने का प्रस्ताव रखा गया। शिष्टमंडल में कनीय उपाध्यक्ष और सुमित सिंह कलसी उपस्थित थे। इस दौरान प्रबंधक कमेटी के प्रकाश पर्व में होने वाले आयोजन की जानकारी दी गई।

फाइलेरिया उन्मूलन में मुखिया, सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधियों की सीधी भागीदारी

आमजनों को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का सशक्त माध्यम बनेगा पीएसपी

- मसौढ़ी के सगुनी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर बनाया पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म

प्रात : किरण, संवाददाता

मसौढ़ी। प्रखंड से फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इस मुहिम को सफल और सशक्त बनाने के लिए सोमवार को प्रखंड के सगुनी पंचायत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म सह रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) का गठन किया गया। इसकी स्थापना के लिए हुई बैठक की अध्यक्षता सगुनी पंचायत के मुखिया रामकृपाल प्रसाद ने की। बैठक का संचालन सामुदायिक हेल्थ अधिकारी (सीएचओ) प्रीती कुमारी ने किया। ज्ञातव्य हो कि मसौढ़ी प्रखंड के सगुनी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर फाइलेरिया के अलावा कालाजार, मलेरिया और टीबी जैसी बीमारियों से ग्रसित मरीजों के अधिकारों के प्रति तथा बीमारी के इलाज के बारे में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से यह पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म (पीएसपी) सक्रियता से काम करेगा। जनप्रतिनिधियों की भूमिका होगी अहम:इस पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म (पीएसपी) के माध्यम से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में मुखिया, सरपंच, पंच, वार्ड सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि सीधी हस्तक्षेप करेंगे। वे स्थानीय स्तर पर जागरुकता फैलाने में आमजनों की मदद भी करेंगे। बैठक में मुखिया रामकृपाल प्रसाद व मौजूद अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने पंचायत के गांवों में फाइलेरिया से ग्रसित हाइड्रोसिल के मरीजों की पहचान कर उन्हें आपरेशन के लिए प्रेरित करने की बात पर भी विस्तार से चर्चा की, ताकि अगले वर्ष 2025 के मार्च महीने तक फाइलेरिया से ग्रसित हाइड्रोसिल के मरीजों का शत–प्रतिशत ऑपरेशन सुनिश्चित हो सके। पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म में सीएचओ व स्वास्थ्यकर्मी की भी होगी निश्चित भूमिका मसौढ़ी के सगुनी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर गठित पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म में सामुदायिक हेल्थ अधिकारी (सीएचओ) के साथ–साथ मुखिया, पंच, वार्ड सदस्य और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका काफी अहम होगी। इस मुहिम में सीफार संस्था द्वारा टेक्निकल सपोर्ट प्रदान किया जा रहा है। बैठक में फाइलेरिया के मरीज ललन शर्मा, प्रीति कुमारी, मीला देवी, मुखिया राम कृपाल प्रसाद, वार्ड सदस्य विनय कुमार, वार्ड सदस्य गोपाल जी, जीविका की रिंकी देवी, सेविका सुनीता देवी, पंच मालती देवी, सीएचओ प्रीति कुमारी, आशा अलका देवी, कुसुम देवी, ममता कुमारी, आशा फैसिलिटेटर किरण कुमारी, सीफार की जिला समन्वयक नेहा कुमारी और प्रोजेक्ट एसोसिएट विकास चौहान भी मौजूद थे।

भगवती की कृपा से आती सुख व समृद्धि : स्वामी चिदात्मन जी

पटना सिटी, अनिसाबाद के पुलिस कॉलोनी स्थित श्री साईं बाबा मंदिर परिसर में आयोजित अनंत श्री लक्षाहुति महायज्ञ एवं मद देवी भागवत कथा में संत शिरोमणि करपात्री अग्निहोत्री परमहंस स्वामी चिदात्मन जी महाराज ने कथा करते कहा कि भगवती की कृपा से ही जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। भगवत प्रेमी भक्तों को श्रीमद देवी भागवत का नियमित पाठ एवं श्रवण करना चाहिए। कथा श्रवण मात्र से जीवन की हर बाधा दूर होती है।श्रीमद देवी भागवत कथा के श्रवण से प्राणी परम पद को प्राप्त होता है। श्री साईं बाबा सेवा समिति की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ में जपात्मक, पाठात्मक और हवनात्मक क्रियाये होती है। इसके बाद शाम को देवी भागवत कथा होती है। कथा व्यास पूज्य लक्ष्मण जी महाराज ने भी कथा करते हुए कहा कि भगवती की कथा श्रवण, चिंतन व मनन से बाधाओं का नाश होता है। मां जगदंबा की असीम कृपा प्राप्त होती है।

नशा मुक्ति के तहत विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता

प्रात : किरण, संवाददाता

मसौढ़ी !नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत श्रीमती गिरिजा कुंवर हाईस्कूल में स्कली छात्रों के बीच सोमवार को पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें नशा से मुक्ति के लिए लोगों से अपील की गई। उसके बाद छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं ने पेंटिंग में यह प्रदर्शित किया गया कि नशा से घर एवं परिवार टूटता है तथा बीमारी फैलाती है।इस कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने में आप लोगों का सहयोग चाहिए।इस मौके पर सभी लोग नशामुक्ति को लेकर संकल्प लिया।वही कार्यक्रम के बाद स्कूल के शैक्षणिक कार्यों का भी निरीक्षण किया।जहां जांच के उपरांत शिक्षकों की उपस्थिति पुस्तिका जांच की जिसमें तीन शिक्षक बिना कोई सूचना के अनुपस्थित पाए गए।अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल ने कहा कि बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए,तीनों शिक्षकों पर करवाई करते हुए, एक दिन का शिक्षकों का वेतन अवरुद्ध किया जाएगा।

आईसीयू के दक्षिण गेट की ओर कबाड़ व चूहा का बिल

नाला गंदगी से भरा, मरीज व परिजन फेंकते बचा खाना व गंदगी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का सेंट्रल आईसीयू फिलहाल 16 नवंबर से सुर्खियों में है। इसके पीछे कारण यह रहा है कि गोली लगने से घायल मरीज फंटूश कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। देर रात उसका बायां आंख गायब हो गया। पहले चिकित्सकों के द्वारा चर्चा की गई कि मृत मरीज के आंख को चूहे ने कुतर खा लिया है। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शार्प कट की बात कही गई है। मगर इतना भी तय है कि रात की कौन कहे, दिन में भी कॉरिडोर से लेकर आईसीयू वार्ड में चूहा सक्रिय रहता है। उक्त मामले में गठित की गई चार सदस्यीय टीम ने भी जब सीसीटीवी फुटेज देखा, तो कॉरिडोर में छोटा से लेकर बड़ा चूहा की मटरगश्ती देखी गई। दरअसल आईसीयू के दक्षिण की ओर लोहे का ग्रिल लगा है। उसे सिकड़ से बंद किया गया है। इसमें एक हद तक गैपिंग यानी फांका भी है। इस गेट के बाहर में चूहा के द्वारा बनाया गया अनेक बिल देखने को मिल जाएगा। यही नहीं, गेट के नीचे से खुला नाला बहता है। इस नाला में मरीज और उसके परिजनों के द्वारा खाने का सामान यूं ही या पॉलीथीन में डालकर फेंका देखा जाता है। नाला भी गंदगी से अंटा पड़ा है। यहीं पर नल भी लगा है, जहां मरीज स्नान करने से लेकर हाथ-पैर धोने और पीने के लिए पानी लेने का काम करते हैं। इस नाला से होकर भी चूहे का निर्बाध रूप से आईसीयू में आना-जाना देखा जा सकता है। चूहा से निजात पाने के लिए भी अस्पताल प्रशासन के द्वारा कोई पहल नहीं की गई है। दरअसल आईसीयू का पूरा नियंत्रण निश्चेतना विभाग के अधीन रहता है, मगर आईसीयू के दक्षिण की ओर के गेट के पास रहे कबाड़ और गंदगी को साफ करने और चूहा के बनाए बिल को भी भर कर पक्का करने की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है।

सामाजिक व धार्मिक कार्य में भागीदारी बढ़ाने की अपील

प्रात :किरण संवाददाता

बिहार सिख फेडरेशन की बैठक हीरानंद शाह की गली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने की। बैठक का संचालन करते हुए महासचिव सूरज सिंह ने दर्जनों लोगों को सदस्यता दिलाई। वहीं संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखा। बैठक में मुख्य अतिथि प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के पूर्व महासचिव सह सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन ने सामाजिक व धार्मिक कार्य में भागीदारी बढ़ाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित विवेक और डॉ आनंद मोहन झा ने भी अपने विचार रखे। बैठक में दीपक सिंह, हरदेव सिंह बाजवा, दलजीत सिंह, रागी दिलीप सिंह, उमेश सिंह, जगजीत सिंह, हृदय सिंह, राजवीर सिंह, साधू सिंह, हरजीत कौर, फूला देवी, कौशल्या देवी, प्रमिला कौर, गुरमीत कौर, विमला देवी आदि उपस्थित थे।

19 कार्टन विदेशी शराब बरामद, दो चालक को किया गया गिरफ्तार

- उत्पाद विभाग ने मोइनुल हक स्टेडियम गोलंबर के पास की छापेमारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने बहादुरपुर में गोलंबर के पास से 19 कार्टन विदेशी शराब के साथ दो को गिरफ्तार किया है। यह उपलब्धि बहादुरपुर के मोइनुल हक स्टेडियम गोलंबर के पास सोमवार को उत्पाद व मद्य निषेध विभाग की टीम ने छापेमारी कर हासिल की है। दो कार से 19 कार्टन में रहे विदेशी शराब बरामद किया गया है। उत्पाद विभाग के सहायक उत्पाद आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मद्य निषेध निरीक्षक कुलवंत कुमार के नेतृत्व में टीग गठित की गई। इस टीम ने छापेमारी कर दोनों कार से 19 कार्टन से 164.16 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। इस मामले में बहादुरपुर का रहने वाला कार चालक धीरज कुमार और पिंटू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। टीम ने बताया कि पकड़े गए चालकों की निशानदेही पर टीम धंधे से जुड़े अन्य धंधेबाजों की तलाश में छापेमारी कर रही है। उत्पाद आयुक्त ने बताया कि जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ लाख से अधिक है। छापेमारी दल में दारोगा निशा कुमारी, एएसआई शशि ठाकुर, साहेब गुप्ता एवं बल शामिल था। जब्त की गई दो कार में से एक कार में पंजीयन संख्या नहीं था।

आंदोलनकारियों पर पुलिसिया जुल्म के खिलाफ किया पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया में भूमाफिया भगाओ अस्पताल बचाओ जन संघर्ष समिति की ओर से आयोजित आंदोलन पर पुलिस जुल्म एवं पुलिस द्वारा सभा पर रोक लगाए जाने के खिलाफ आज ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (ए आई के के एम एस) के तत्वाधान में संगठन कार्यालय मोतीझील से जुलूस निकालकर कल्याणी चौक पर बिहार सरकार के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। जुलूस में संगठन के कार्यकर्ता आंदोलनकारी पर लाठी बरसाने वाला एसडीपीओ, सरैया को अविलम्ब बर्खास्त करो, भूमाफियाओं को संरक्षण देने वाले सरैया के एसडीपीओ और थाना अध्यक्ष को बर्खास्त करो, महिलाओं पर लाठी चलाने वाले पुरुष पुलिस को अविलंब बर्खास्त करो, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैया की अतिक्रमित जमीन को अविलंब मुक्त कराओ, जनवादी आंदोलन पर पुलिसिया जूल्म बंद करो, सरैया स्वास्थ्य केंद्र के जमीन को दखल करने वाले भूमाफियाओं को अभविलंब गिरफ्तार करो आदि रोशपूर्ण नारे लगा रहे थे। पुतला दहन के उपरांत सभा को ए आई के के एम एस के राज्य कमेटी सदस्य विपिन ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि सरैया में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की 62 फीट जमीन को सी एच सी प्रभारी की मीली भगत से भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किये जाने के खिलाफ कई महिनों से स्थानीय लोग भुमाफिया भगाओ अस्पताल बचाओ जनसंघर्ष कमिटी के बैनर तले आंदोलन चला रहे हैं। आंदोलन के करी में कल दिनांक 25 -11- 2024 को जन पंचायत रखा गया था। इस जन पंचायत के कार्यक्रम के दौरान शांतिपूर्ण जुलूस पर निर्ममता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया और जन पंचायत को रोकने की कोशिश की गई। सरैया एसडीपीओ और पुरुष पुलिस के द्वारा महिलाओं पर निर्ममता पूर्वक लाठी बरसाई गई। ज्ञात हो कि अतिक्रमित जमीन की सरकारी अमीनो द्वारा नापी करवाई गई थी। जिसमें 62 फीट जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया। लेकिन प्रशासन के द्वारा टाल मटोल कर इसका सीमांकन नहीं कराया गया। उन्होंने आगे कहा कि अगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराकर घेराबंदी नहीं कराई जाती है और लाठी चार्ज के दोषियों पर कार्रवाई नहीं की जाती है तो यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में काशीनाथ साहनी, उमेश पटेल, मोहम्मद कलाम, सरफराज, मोहम्मद इदरीश, हरेंद्र महतो, आशुतोष कुमार, अरविंद कुमार, मोहम्मद नेवाजूल, आकाश कुमार, कुमोद राम, संजीव कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

खिसकते जनाधार को बचाने की कोशिश में राजद : जदयू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जद यू विधानपार्षद और पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार और प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने मीडिया में संयुक्त बयान जारी कर आरजेडी के बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन पर जमकर निशाना साधा है। तेजस्वी से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन के आयोजन के पीछे उनका क्या मकसद है? उन्होंने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने किस क्षेत्र में और किस तरह बिहार को बदलने का टिप्स दिया? पार्टी प्रदेश प्रवक्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि क्या नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस सम्मेलन में कार्यकताओं से बिहार की सड़कों को गड्ढा बनाने, बिजली की तार पर कपड़ा सुखाने, लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में खुलेआम सड़कों पर आरजेडी कार्यकताओं द्वारा हथियारों का प्रदर्शन करने, सामूहिक नरसंहार करने, किसानों की खेती पर पाबंदी लगाने, ग्रामीण इलाकों में शादी-ब्याह पर रोक लगाने, पांच बजे शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलने और राज्य में घपले-घोटाले करने का टिप्स दिया? उन्होंने कहा कि दरअसल आरजेडी का बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मलेन साल 2025 में सत्ता में आने की बात के साथ-साथ बिहार में लगातार अपने खिसकते जनाधार को बचाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पिछले लोकसभा चुनाव और बाद में हुए उप चुनाव में आरजेडी के वोट खंडित हुए उसे रोकने के लिए राजद की तरफ से बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

बिहार के विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से केन्द्र व राज्य सरकार कर रही काम : अवधेश

शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रारंभिक संबोधन में बोलें विप सभापति

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह से शिष्टाचार मुलाकात कर विधानमंडल सत्र के लिए पुष्प-गुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के सतत विकास हेतु केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस हेतु विशेष प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री की उपस्थिति में दरभंगा में एम्स का शिलान्यास किया जाना एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं का श्रीगणेश किया जाना यह संकेत देता है कि प्रधानमंत्री स्वयं मुख्यमंत्री की भावना के अनुरूप बिहार के विकास में दिलचस्पी ले रहे हैं। उक्त बातें बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन अपने प्रारंभिक संबोधन में कहीं। विप के 208वें सत्र को संबोधित करते हुए सभापति ने कहा कि जमुई जिला के खैरा प्रखंड के बल्लोपुर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में प्रधानमंत्री द्वारा 6600 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया गया है। इधर दरभंगा हवाई अड्डा पर नए सिविल एन्क्लेव निर्माण परियोजना की स्वीकृति से उत्तर बिहार के यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।

बिहार में क्रीड़ा विकास के नए आयाम सृजित हुए :

सभापति ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी एवं बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैम्पियनशिप की शुरूआत किए जाने से बिहार में क्रीड़ा विकास के नए आयाम सृजित हुए हैं। इसमें भारत, मलेशिया, जापान, कोरिया, चीन और थाइलैंड की महिला हॉकी टीम ने भाग लिया और भारत की टीम इस प्रतियोगिता में चीन को हरा कर विजेता बनी। मैं सदन की ओर से भारतीय महिला हॉकी टीम की बेटियों को इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई देता हूं और उन सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं जिन्होंने इसमें बेहतर खेल भावना को बढ़ावा दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा विजेता भारतीय टीम के सभी सदस्य एवं मुख्य कोच को 10-10 लाख रुपए, टीम के सपोर्ट स्टाफ को 5-5 लाख रुपए और हॉकी इंडिया द्वारा टीम के सदस्य को 3-3 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा किया जाना अत्यंत उत्साहवर्द्धक कदम है।

किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु सरकार प्रयत्नशील :

सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु सदैव प्रयत्नशील रहती है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2300 रुपया कर दिया गया है। साथ ही धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य बढ़ाकर 45 मीट्रिक टन किया गया है। गंगा, कोसी, गंडक, बागमती आदि नदियों में आई बाढ़ एवं उफान से किसानों को हुई क्षति के लिए भी सरकार द्वारा फसल क्षतिपूर्ति की गई है। 1 लाख 52 हजार किसानों को 101 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खाते में स्थानान्तरित की गई है। 18 जिलों में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों को 7 हजार रुपए प्रति परिवार की दर से राहत सहायता राशि प्रदान की गई है। यह प्रसन्नता की बात है कि मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। मछली का उत्पादन 8 लाख 73 हजार मीट्रिक टन हो गया है। पटना के गर्दनीबाग में निर्मित भव्य बापू टावर का मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किया जाना एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि समाज हित में सरकार की नीतियां महात्मा गांधी के जीवन एवं दर्शन से प्रभावित एवं संचालित होती हैं। बापू टावर गांधीजी को समर्पित देश में अपनी तरह का पहला टावर है, जो बिहार के स्थापत्य, कला और सांस्कृतिक परिदृश्य में मील का पत्थर साबित होगा।

राज्यहित से जुड़े विषयों पर सार्थक विमर्श होंगे

सभापति ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि इस सत्र में प्रस्तावित कुल 5 बैठकों में राज्यहित एवं विकास से जुड़े अधिक-से-अधिक विषयों पर सार्थक विमर्श होंगे। इस सत्र के दौरान सदस्यों से यह भी अपेक्षा है कि जनहित की समस्याओं के समाधान हेतु सदन की क्रियाशीलता में सहभागी बनें। मुझे विश्वास है कि सदन के सफल संचालन में सभी सदस्यों का रचनात्मक सहयोग प्राप्त होगा और सभी विषयों पर सकारात्मक विमर्श से समाधान के रास्ते प्रशस्त होंगे।

सेतु की तरह होती है विधायकों की भूमिका : नंदकिशोर

शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रारंभिक संबोधन में बोलें विस अध्यक्ष

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव से शिष्टाचार मुलाकात कर विधानमंडल सत्र के लिए पुष्प-गुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

सत्र में कुल पांच बैठकें निर्धारित

विस अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि 17वीं बिहार विधान सभा के इस 13वें सत्र में कुल 05 बैठकें निर्धारित है इसमें प्रश्न एवं लोक महत्व की सूचनाओं के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी का व्यवस्थापन होगा। राजकीय विधेयक भी लिए जाएंगे तथा गैर सरकारी संकल्प की सूचना भी निपटाए जाऐंगे।

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

संसदीय प्रणाली लोकतंत्र के प्रभावी संचालन के लिए अनिवार्य है, क्योंकि यह शक्ति के विकेंद्रीकरण, जनता की भागीदारी और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करती है। इसमें विधायकों की भूमिका एक सेतु की तरह होती है, जो जनता और सरकार के बीच संवाद स्थापित करती है। सदन में विचार-विमर्श का मुद्दा लोकतंत्र की बुनियादी संरचना और उसके सुचारु संचालन में निहित है। यह महज एक प्रक्रिया नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल तत्व है। यह समाज को न्याय, समानता और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का आधार प्रदान करती है। ऐसे में सदन में विचार-विमर्श को प्रभावी और समावेशी बनाना ही हम सभी प्रतिनिधियों का कर्त्तव्य है। उक्त बातें विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में अपने प्रारंभिक संबोधन में कही।

मजबूत संसदीय प्रणाली विकसित की :

सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमलोगों ने एक मजबूत संसदीय प्रणाली विकसित की है। भारत में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक संतुलन स्थापित है। यह संतुलन स्थापित हुआ है हमारे संविधान से। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कल ही संविधान दिवस भी है। आप अवगत होंगे कि 26 नवम्बर, 1949 को देश ने अपने संविधान को अपनाया था। हमारा संविधान न केवल एक दस्तावेज है बल्कि यह हमारे देश की विविधता, एकता और लोकतांत्रिक आदर्शों का प्रतीक भी है। एक तरफ यह हमारे अधिकारों की रक्षा करता है तो दूसरी तरफ हमें अपने कर्त्तव्यों का बोध भी कराता है। हमें संविधान के मूलभूत आदर्शों को और अधिक समावेशी बनाने के लिए सतत प्रयासरत रहने की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से बचने की जरूरत :

सभा अध्यक्ष ने सदस्यों से कहा कि सदन में वाद-विवाद का स्तर कभी-कभी व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप में सिमट जाता है। इससे बचने की जरूरत है। कुछ हद तक तो इसे प्रक्रिया नियमों के बजाए आत्म-संयम से भी नियंत्रित किया जा सकता है। आप इसका ख्याल रखेंगे तो सदन में वाद-विवाद का स्तर भी बढ़ेगा और इससे आमजन के अधिक से अधिक हितों का हल साधा जा सकेगा। सभा अध्यक्ष ने कहा कि इस सत्र में सदन के समय का प्रभावी ढंग से उपयोग करें।

योजनाओं में गति लाते हुए निर्धारित अवधि में पूरा करें : सचिव

- पर्यटन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन
- राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर नए होटलों के निर्माण की आवश्यकता

पटना। पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पर्यटन निदेशालय सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सचिव ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और योजनाओं में त्वरित गति लाते हुए योजना अवधि में पूर्ण करने के निदेश दिए। सचिव ने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम में नए पदों के सृजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों का निदेश जारी करते हुए कहा कि निगम के पास योजनाओं की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, इसे ध्यान में रखते हुए वहां जूनियर इंजीनियर से लेकर चीफ इंजीनियर, भू-अर्जन विशेषज्ञ जैसे कई नए कार्यबल की आवश्यकता प्रतीत हो रही है। अतः इस हेतु शीघ्र प्रक्रिया पूरी करें ताकि नए प्रोजेक्ट को शीघ्र पूरा करते हुए उनका संचालन किया जा सके। सचिव ने निदेश देते हुए कहा कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर नए होटलों के निर्माण की आवश्यकता है। अभी कितने होटल हैं, जिनके जीर्णोद्धार की आवश्यकता है? नए होटलों के निर्माण के लिए निवेशकों को आकर्षित किया जाए और नए आवेदनों को शीघ्र निष्पादित करें। भविष्य में जो नए होटलों का निर्माण किया जाएगा, उनके संचालन हेतु एक नीति का भी निर्माण अपेक्षित है। सचिव ने विधानमंडल सत्र के दौरान विभाग से संबंधित प्रश्नों का बेहतर रूप से निष्पादन का भी निदेश दिया। समीक्षा बैठक में पर्यटन निदेशक विनय कुमार राय, महाप्रबंधक, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम अभिजीत कुमार, मुख्य अभियंता अशोक कुमार, उप सचिव श्रीमति इंदु कुमारी, उप निदेशक, सहायक निदेशक सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सकारात्मकता से भरा है शीतकालीन सत्र : विजय

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बिहार विधानसभा सभा के शीतकालीन सत्र को सकारात्मकता से ओतप्रोत बताया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का मंदिर हमारी विरासत और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण वाहक का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को ही चार साल पूर्व बतौर विधानसभा अध्यक्ष चुना गया था और 2021 में इसी दिन राजेन्द्र बाबू की धरती सीवान से सामाजिक नैतिक संकल्प अभियान की जिलेवार यात्रा की शुरूआत की थी। उनके कार्यकाल में विरासत और सनानतन संस्कृति पर केंद्रित कई विकास कार्य हुए चाहे वो मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना हो, कल्पतरु और अन्य उपयोगी वृक्षों का रोपण हो, डिजिटल लाईब्रेरी, हो या फिर विधानसभा में शत-प्रतिशत सवालों का उत्तर हो जैसे कई और अन्य विकास कार्य हुए। उपमुख्यमंत्री ने मौजूदा राजनीतिक विषयों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में न केवल चुनाव लड़ने जा रहा है। बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर सुशासन की सरकार भी बनेगी। इसकी बानगी उपचुनाव के परिणाम ने दिखा दी है। श्री सिन्हा ने कहा कि आज उसी शासन को चलाने वालों के बाल-बच्चे अपने पूर्वज की शैली में ही प्रदेश को आतंक, भ्रष्टाचार और अराजकता की आग में झोंकने पर एक बार फिर आमादा हैं । न उन्हें तथ्यों की समझ है, न जमीनी हकीकत का अंदाजा है। श्री सिन्हा ने कहा कि दरअसल बिहार की जनता काफी पहले ही लालटेन युग से निकलकर सुशासन और विकास के उजाले को अपना चुकी है। श्री सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी प्रतिपक्ष के नेता के तौर पर भी अबतक असफल रहे हैं। जनसरोकार से ज्यादा उनका फोकस सोशल मीडिया एक्टिविसज्म पर रहता है।

नफरत और अन्य हथकंडों से देश को तोड़ना चाहती है भाजपा : तेजस्वी

- नेता प्रतिपक्ष ने संभल हिंसा के लिए भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक मस्जिद के सर्वे को लेकर उत्पन्न सांप्रदायिक तनाव के लिए सोमवार को सीधे तौर पर वहां के सत्तारूढ़ दल भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि इस घटना का उद्देश्य देश भर में सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करना था। उन्होंने भाजपा को यहां भी इसी तरह की चालें चलने के खिलाफ चेतावनी दी। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में जो कुछ हो रहा है, वह निंदनीय है। हम योगी आदित्यनाथ सरकार में पुलिस और प्रशासन की पूर्ण गुंडागर्दी देख रहे हैं क्योंकि उन्हें अब कानून के शासन से कोई सरोकार नहीं है। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के शुरूआती दिन पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा के लोग विकास और मुद्दे की बात नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से ये लोग तांडव कर रहे हैं ये लोग चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश से पूरे देश में माहौल हिंसक बने और वे नफरत फैलाएं। ताज्जुब की बात है कि सरकार पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा नफरत और अन्य हथकंडों से देश को तोड़ना चाहती है। इसलिए हम सब लोग एकजुट हैं। अगर बिहार में कोई ऐसा करेगा तो हम लोग चुप बैठने वाले नहीं हैं।

भाजपा की भाषा बोलने लगे हैं :

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ललन की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राजद नेता ने कहा कि उनके पास स्पष्ट रूप से अपना दिमाग नहीं है क्योंकि जब वह हमारे साथ थे, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जमकर हमला करते थे लेकि अब जब उनकी पार्टी राजग में है, तो वह भाजपा की भाषा बोलने लगे हैं। राजद नेता ने कहा कि हमने भी ऊंची जातियों के वोट लिये बिना उनके लिए काम किया। लेकिन हममें इतनी शालीनता है कि हम इस बारे में सार्वजनिक रूप से नहीं बोलते हैं।

2025 में 225 पर सीटों पर जीत दर्ज करना एनडीए का लक्ष्य

15 से 22 जनवरी तक जिलास्तरीय एनडीए घटक दलों का संयुक्त बैठक

- एनडीए कार्यकर्ता बूथ स्तर तक गठबंधन को करेंगे मजबूत : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आगामी बिहारविधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जनता दलयू प्रदेश कार्यालय में एनडीए घटक दलों की संयुक्त प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जिसमें पांचों घटक दल के प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहें। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव- 2025 में 225 पर सीटों पर जीत दर्ज करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में 15 जनवरी से 22 जनवरी तक जिलास्तरीय एनडीए घटक दलों संयुक्त बैठक का आयोजन किया जाएगा। सभी घटक दलों के माननीय प्रदेश अध्यक्षों की उपस्थिति में होने वाली इन बैठकों में पाँचों दलों के जिला, प्रखंड एवं पंचायत कमिटी के पदाधिकारीगण भाग लेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक एनडीए घटक दलों के तमाम कार्यकर्ता साथी आपसी समन्वय बैठाकर गठबंधन को मजबूती प्रदान करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा व विधानसभा उप चुनाव परिणाम ने यह पुनः साबित कर दिया कि प्रदेश में एनडीए का कोई विकल्प नहीं है। लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन 2010 से बेहतर प्रदर्शन करेगा। हम से के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार ने कहा कि एनडीए की संयुक्त जिलास्तरीय बैठक के दूरगामी परिणाम होंगे। रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चैधरी ने कहा कि एनडीए के घटक दलों में आपसी समन्वय हेतु एनडीए की संयुक्त जिलास्तरीय बैठक एक अच्छी पहल है। एनडीए गठबंधन के सभी साथी पूरी मजबूती के साथ मिलकर मिशन 225 के लक्ष्य को हासिल करेंगे। बैठक में विधानपार्षद सह कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ, । विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधानपार्षद सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, विधायक अशोक कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह, वरीय नेता प्रो नवीन आर्य चंद्रवंशी एवं अन्य कई गणमान्य नेतागण मौजूद रहे।

225 सीटों पर जीत का लक्ष्य पूरा होगा :

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि उपचुनाव का परिणाम आने के बाद हमने महसूस किया कि अगर एनडीए के तमाम कार्यकर्ता आपसी तालमेल स्थापित कर आगामी विधानसभा चुनाव में जाएंगे तो 225 सीटों पर जीत का लक्ष्य निश्चित पूरा होगा। अभी हुए उपचुनाव में सभी चार सीटों पर जनता ने जात-पात से ऊपर उठकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में आस्था जताने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी से शुरू होने वाले एनडीए की संयुक्त जिलास्तरीय बैठक में नए राजनीतिक समीकरण और 2025 विधानसभा चुनाव का शंखनाद होगा।

दलितों के साथ मारपीट की घटनाएं निंदनीय : लोजपा आर

पटना। गया जिला के बेला विधानसभा के तहत केसरू धरमपुर पंचायत स्थित देबुना गांव में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के समर्थको द्वारा गाना बजाने पर एक विशेष जाति द्वारा दलितों के घर में घुसकर मारपीट की घटना की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। डॉ राजेश भट्ट ने गया प्रशासन से इस घटना में सन्लिप्त सभी दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी करते हुए उन पर कठोर से कठोर दंड सुनिश्चित करने की मांग की है। डॉ राजेश भट्ट ने बताया कि इस घटना में महिलाओं के साथ जिस बर्बरतापूर्वक अभद्र व्यवहार किया गया है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है इसलिए प्रशासन को इसमें कठोर से कठोर त्वरित करवाई करने की जरूरत है बिहार में एनडीए की सरकार है जहां कानून का राज है कुछ लोग अपने आपराधिक प्रवृत्तियों के वजह से समाज में सौहार्द बिगाड़ना चाहते हैं जिन्हें कतई बख्शा नहीं जाएगा और ऐसी अपराधिक गतिविधियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है ऐसे अपराधिक घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता ।

कांग्रेस मनाएगी संविधान अंगीकरण दिवस

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी मंगलवार को संविधान अंगीकरण दिवस के रूप में मनाएगी। इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि पूरे देश में संविधान को 1949 में 26 नवंबर को अधिकृत किया गया था और कांग्रेस पार्टी पूरे देश में इस विशेष दिवस पर विस्तृत कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान अंगीकरण दिवस पर 26 नवंबर को बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, प्रभारी सचिव द्वय शाहनवाज आलम, सुशील कुमार पासी, कांग्रेस विधायक दल के नेता डा शकील अहमद खान ,वरिष्ठ नेतागण और कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी और नेता सदाकत आश्रम के मुख्य कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

भाजपा धूमधाम से मनाएगी संविधान दिवस

पटना। भाजपा मंगलवार को धूमधाम से संविधान दिवस मनाएगी। इसके तहत प्रदेश कार्यालय से लेकर जिला कार्यालय तक समारोह का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने बताया कि संविधान दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में संविधान की प्रति और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इस समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा तथा बिहार के मंत्री जनक चमार शामिल होंगे। पूर्व विधायक श्री शर्मा ने बताया कि इसके बाद अगले दो महीने तक यानी 26 नवंबर से 26 जनवरी 2025 तक बिहार भाजपा का संविधान गौरव महोत्सव निरंतर चलता रहेगा। इसके तहत संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों पर प्रकाश डाला जाएगा। इसके अलावा प्रबुद्ध नागरिकों और विद्वजनों द्वारा बाबा साहेब की जीवनी पर वाचन होगा और प्रकाश डाला जाएगा। इस संविधान गौरव महोत्सव का आयोजन प्रदेश से लेकर जिलास्तर पर किया जाएगा। इस महोत्सव के सफल संचालन के लिए के एक समिति बनाई गई है जिसमें पूर्व एमएलए मनोज शर्मा, पूर्व एमएलए प्रेम रंजन पटेल, एमएलए लखेंद्र पासवान को शामिल किया गया है।

संविधान दिवस पर राजद कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान और उनकी चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि इस विचार गोष्ठी को प्रो मो शरीफ डीन, पूर्व प्राचार्य, लॉ कॉलेज पटना विश्वविद्यालय, पटना, प्रो राजीव रंजन डीन, लॉ कॉलेज, पटना के अलावा राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दिकी, बिहार विधान परिषद के पूर्व उप सभापति डॉ रामचन्द्र पूर्वे, राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य नेतागण विचार गोष्ठी को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर पार्टी के प्रमुख नेता, कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे।

ठंड से बचाव की तैयारी : तीन प्रकार के रैन बसेरे तैयार

पटना नगर निगम ने 29 रैनबसेरा का किया है निर्माण

- जर्मन हैंगर तकनीकी से तैयार किये गये हैं रैन बसेरे
- बसेरे में निशुल्क रहेंगे आश्रय विहीन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ठंड के दौरान सड़क पर जीवन यापन करने वाले आश्रय विहीनों के लिए पटना नगर निगम द्वारा रैन बसेरा का निर्माण किया गया है। यह पहली बार है कि अस्थाई एवं स्थाई रैन बसेरे के साथ जर्मन हैंगर तकनीकी रैन बसेरे भी तैयार किये गए है। पटना नगर निगम द्वारा कुल 29 रैनबसेरा का निर्माण किया गया है। जिसमें कुल 907 बेड की व्यवस्था है। जिसमें जर्मन हैंगर 12 , स्थाई 6 एवं अस्थाई 11 आश्रय स्थल है। सार्वजनिक स्थल चौक चौराहे, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड के नजदीक इनका निर्माण करवाया गया है जिससे कि आमजनों को अधिक दूरी नहीं तय करनी पड़े। इसके साथ ही सफाई एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी रन बसेरे को सीसीटीवी से मॉनिटर भी किया जाएगा पटना नगर निगम के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरा को कनेक्ट किया गया है। जहां से मुख्यालय में बैठकर ही रैनबसेरा की 24 घंटे मॉनिटरिंग की जाएगी।

जर्मन हैंगर तकनीक से निर्मित 12 रैन बसेरा :

बेड की संख्या- 312, जीपीओ पुल के नीचे, हार्डिंग रोड, सचिवालय गेट नंबर, ककड़बाग कॉलोनी मोड़, राजेन्द्र नगर पुल के नीचे, बहादुर पुर पुल के नीचे,मलाही पकड़ी, नालंदा मेडिकल कॉलेज, वैशाली गोलंबर, पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, एक्जीबिशन रोड

स्थाई रैन 6 बसेरा :

बेड - 325, गाय घाट पुल के नीचे, सैदपुर नहर रोड, मैकडोवल गोलंबर बहादुरपुर राजेन्द्र नगर, छोटी पहाड़ी वार्ड नंबर 56, आर ब्लॉक गोलंबर, शेखपुरा मोड़।

अस्थाई रैन 11 बसेरा स्थल :

बेड की संख्या - 270, गांधी मैदान मौर्या होटल के सामने (पुरूष), गांधी मैदान मौर्या होटल के सामने (महिला), बुद्धा स्मृति पार्क के पास (पुरूष), बुद्धा स्मृति पार्क के पास (महिला), हड़ताली मोड़, मछली मार्केट के पास (पुरूष), गांधी मैदान गेट नंबर 4, एनआईटी मोड़ के पास, पटना सिटी नाला पर (पुरूष), पटना सिटी नाला पर (महिला), पाटलिपुत्र बस टर्मिनल बैरिया (पुरुष, पाटलिपुत्र बस टर्मिनल बैरिया (महिला।

शौचालय सहित कई सुविधाएं मौजूद :

शहरवासियों को यहां निशुल्क बेड (चौकी), बेडशीट, कंबल, मच्छदानी, पेयजल, शौचालय सहित कई सुविधा दी जाएगी। गौरतलब है कि सभी अंचल में इसका निर्माण करवाया गया है जिससे आमजनों को नजदीक में ही सुविधा मिल सके। इसके साथ ही सभी रैन बसेरो में सुरक्षा के उपक्रण अग्निशामक यंत्र, आंगतुको के लिए रजिस्टर, टेबल एवं कुर्सी सहित अन्य सुविधाएं भी मौजूद रहेगी।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–38 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 30.11.2024 के अपराहन 12:30 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराह्न में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।
कार्य का विवरणी :–

क्र0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयाँ	मात्रा	इकाई	उद्वत की जानेवाली दर
1	S/F/F/ Cupboard & Modular Kitchen in B -Type quarter (Block -2 Flat No - 101,102 & 103) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25			

➤ कार्य समाप्ति की अवधि : 20 दिन
➤ विशेष जानकारी हेतु बेबसाईट बेबसाईट www.state.bihar.gov.in/.prdbihar.gov.in देखें या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे कार्यावधि में सम्पर्क करें।

कार्यपालक अभियंता,
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भ0नि0वि0, पटना

PR. No. 013275 (BCD) 2024-25

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–43 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 30.11.2024 के अपराहन 12:30 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराह्न में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।
कार्य का विवरणी :–

क्र0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयाँ	मात्रा	इकाई	उद्वत की जानेवाली दर
1	S/F/F Cupboard & Modular Kitchen & Curtain rod in officer's flat (Type-D) (Block-08 flat No.-302,303 & 304) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25			

➤ कार्य समाप्ति की अवधि : 20 दिन
➤ विशेष जानकारी हेतु बेबसाईट बेबसाईट www.state.bihar.gov.in/.prdbihar.gov.in देखें या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे कार्यावधि में सम्पर्क करें।

कार्यपालक अभियंता,
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भ0नि0वि0, पटना

PR. No. 013281 (BCD) 2024-25

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

संक्षिप्त खबरें

प्रखण्ड की चौदह पंचायतों में खेल मैदान का होगा निर्माण

मनीगाछी(दरभंगा)।प्रखण्ड की 14 पंचायतों में मनरेगा विभाग से खेल मैदान का निर्माण कराया जाएगा। प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा भवन में शनिवार को मनरेगा के पीओ राजेश कुमार रौशन की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।इन पंचायतों में मांउबेहट, ब्रह्मपुर, नेहरा पूर्वी,ब्रह्मपुरा भट्टपुरा, बलौर, बाजितपुर, उजान सहित 14 पंचायतें शामिल हैं। बैठक की जानकारी देते हुए पीओ ने बताया कि चिन्हित स्थल का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि खेल मैदान निर्माण योजना का कार्य दो चरणों में कराए जाने का आदेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि चयनित खेल मैदान में बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉलीबॉल एवं रनिंग ट्रैक बनाया जाएगा। इसके लिए प्रथम चरण में खेल कूद की आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। दूसरे चरण में सृजित खेल सुविधाओं के साथ साथ गैलरी, चेंजिंग रूम, प्रसाधन कक्ष सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में गैलरी, चेंजिंग रूम, एवं प्रसाधन कक्ष सहित अन्य सुविधाओं के लिए योजना क्रियान्वित किया जाएगा।चयनित भूमि की उपलब्धता के आधार पर प्रथम चरण में क्रियान्वयन के लिए बिहार रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी के द्वारा दो मॉडल प्राक्कलन उपलब्ध कराया जाएगा। मॉडल बड़े एवं छोटे खेल मैदान के लिए तैयार किया जाना है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के कार्यों में 9 लाख 94 हजार खर्च किया जाएगा जबकि दूसरे चरण में 9 लाख 11 हजार खर्च किया जाएगा।इस मौके पर मनरेगा विभाग के कनीय अभियंता राजेश कुमार, रामनारायण गुप्ता, पीटीए अरूण कुमार, रोजगार सेवक अशोक विवेक, राम कुमार सहित कई अन्य रोजगार सेवक मौजूद थे।

विपक्षी दलों का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत : सांसद

दरभंगा।संसद लोकतन्त्र का मंदिर है। यहां लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों का पालन करना हर सदस्यों का नैतिक कर्तव्य बनता है। लेकिन संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने जिस तरह का रवैया प्रस्तुत किया है वह कही से भी उचित नहीं है। बल्कि संसदीय मयार्दा के विपरीत है। लोकसभा में भाजपा के सचेतक सह दरभंगा के सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने लोकसभा में काग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के द्वारा हल्ला हंगामे करने के बाद उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने सदन में शीतकालीन सत्र के पहले दिन के विपक्षी दलों के रवैया पर एतराज जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे पर रचनात्मक बहस करना स्वस्थ लोकतन्त्र की पहचान है लेकिन वर्तमान समय में मुद्दाविहीन विपक्ष जिस तरह से संसद की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास किया वह लोकतन्त्र के लिए दुखद है। सांसद डा ठाकुर ने भारतीय संसद को लोकतन्त्र की आत्मा बताते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि आजादी के बाद जब जब विकास के मुद्दों को जोर जबरदस्ती से बाधित करने की कोशिश की गई है विपक्ष और कमजोर होता गया है। सांसद डा ठाकुर ने संसद में विपक्ष के रवैया को हताशा और निराशा का परिचायक बताते हुए कहा देश के यशस्वी पीएम श्री नरेन्द्र मोदी जी की बढ़ रही वैश्विक स्वीकार्यता और लोकप्रियता के कारण विपक्ष मुद्दा विहीन हो गया है यहीं कारण है कि मीडिया में सस्ती लोकप्रियता के लिए सकारात्मक मुद्दों को भटकाने की कोशिश की जा रही है। सांसद डा ठाकुर ने काग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के नेतृत्व को आगाह करते हुए कहा है कि विकास के मुद्दे पर सरकार का साथ दे और सकारात्मक रवैया अपनाए अन्यथा आने वाले समय में देश की जनता विपक्षी दलों को शून्य पर सीमित कर देगी।

मारपीट मामले का नामजद अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

जमुई [झाझा] बीते 30 अगस्त को सोहजाना गां व में विधवा महिला और उसकी बेटी के साथ हुई मारपीट कर घायल कर देने की घटना में दर्ज आवेदन में नामजद फरार एक अभियुक्त को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। एसएचओ संजय कुमार ने बताया कि ललिता कुमारी के द्वारा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाये जाने के बाद नामजद फरार चल रहा था जिसके बारे में रात्रि में गुप्त सूचना मिली तो उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी राजीव रौशन की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में विद्यालय निरीक्षण,पीएम पोषण योजना पायलट प्रोजेक्ट, ई-शिक्षा कोष पर शिक्षकों की उपस्थिति, ई-शिक्षा कोष पर छात्रों की इंट्री, यू-डायस पोर्टल पर इंट्री, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, ई-शिक्षा कोष पर एफएलएन टैग, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और असैनिक निर्माण कार्य आदि बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा किया गया।जिलाधिकारी ने आधारभूत संरचना में लंबित योजनाओं को जल्द से जल्द पुरा कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। साथ ही ई शिक्षा कोष पोर्टल पर, आधार की सीडिंग किया जाना है, शतप्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को औचक निरीक्षण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति ई-शिक्षाकोष पर सुनिश्चित करेंगे।सरकारी,निजी विद्यालय,मदरसा, संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र,छात्राओं का ई-शिक्षा कोष पर शत-प्रतिशत इन्ट्री कराना सुनिश्चित करेंगें।प्रखंड अंतर्गत चिन्हित विद्यालयों में क्रियाशील प्रत्येक आधार पंजीयन केन्द्र पर आधार कार्ड प्रतिदिन बनवाना सुनिश्चित करेंगें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव,शिक्षा विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विधालयों के निरीक्षण हेतु प्राप्त निदेश के आलोक में तैयार निरीक्षण रोस्टर के अनुसार विद्यालयों का शत-प्रतिशत निरीक्षण कराते हुए ई-शिक्षा कोष पर अपलोड कराने का निदेश दिया गया।बैठक में उप निदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद, डीपीओ शिक्षा एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

मांगो व समस्याओं के निदान को लेकर मानव बल की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर विधुत आपूर्ति अवर प्रमंडल कार्यालय के जयनगर डिविजन परिसर में बिहार स्टेट प्रोग्रेसिव इलेक्ट्रिक वर्क्स युनियन के तत्वावधान में मानव बल कर्मियो की विशेष बैठक मांगो और समस्याओ के निदान को लेकर आयोजित की गई। डिविजन के अध्यक्ष उचित महतों की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि पूरे प्रदेश के विधुत विभाग में कार्यरत मानव बल अपनी मांगों को लेकर 25 से 30 नवम्बर तक काला बिल्ला लगा कर विरोध करते हुए कार्य करेंगे। बैठक को सम्बोधित करते हुए उपस्थित मानव बल कर्मियों ने ने कहा कि विधुत विभाग और उर्जा विभाग से मांगों को लेकर हम लोगों ने काला बिल्ला लगा कर विरोध करेंगे। जब तक हमारी मांगों को पूरा नही किया जाता तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।उन्होंने कहा कि हमारी मांगों में कंपनी में मानव बलों को ऐजेंसी से मुक्त करा कर विभाग को अपने साथ रखने, राज्य सरकार के द्वारा ऐजेंसी के कमीयों को सेवा अवधि 60 साल करने, स्थानांतरण एवं छूटटी कार्य के दौरान मुआवजा, मानव बलों को बोनस भुगतान किया जाए, मानव बलों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर पूर्व में संघर्ष को लेकर हटाए गए मानव बलों को सेवा बहाल किए जाने समेत अन्य मांग शामिल हैं।बैठक में सचिव वीरेंद्र महरा, कमलेश सिंह, प्रदीप कुमार , जगत नारायण यादव, अब्दुल जब्बार,वीरेंद्र कुमार, संजीव पंडित, शैलेन्द्र कुमार, कैलाश पासवान एवं संतोष सिंह समेत कई मानव बल मौजूद थें।

कृषि मौसम विज्ञान पर 4 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दिसम्बर में

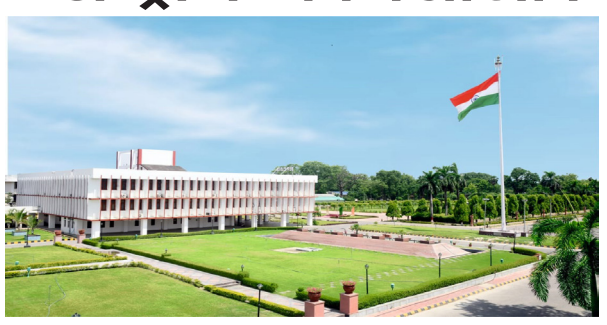

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपु। (स्वराज खबर) ।डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मौसम विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 11से 14 दिसम्बर तक किया जाएगा। यह कार्यशाला अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एग्रोमेटोरोलॉजिकल रिसर्च एंड सर्विसेज विषय पर आयोजित की जायेगी। इस कार्यशाला में देश भर के 29 राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक तथा केंद्र सरकार के विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने बताया कि कार्यशाला में देश के प्रमुख वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन के कारण फसल उत्पादन पर होने वाले प्रभाव, फसल सिमुलेशन मॉडलिंग और देश की कृषि जलवायु संसाधनों पर विचार-विमर्श करेंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों पर कीट-रोगों का प्रकोप एक गंभीर समस्या बन गया है। इस पर भी कार्यशाला में विस्तार से चर्चा की जाएगी और इससे निपटने के उपायों के बारे में भी विमर्श होगा। निदेशक अनुसंधान डा एके सिंह ने बताया कि मौसम आधारित एग्रोमेटोरोलॉजिकल सेवाएं किसान समुदाय के लिए बहुत सकारात्मक प्रभाव डालती हैं और जलवायु परिवर्तनशीलता के नकारात्मक प्रभाव को कम करती हैं। वैज्ञानिक इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करेंगे ताकि इस पहलू पर अधिक अर्थपूर्ण कार्यक्रम तैयार किया जा सके।उन्होंने बताया कि इस चार दिवसीय कार्यशाला में जो विमर्श होगा उससे ठोस कार्ययोजना निकल कर सामने आयेगी। इस कार्य योजना से बिहार और देश के अन्य हिस्सों में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी तथा उपयोगी बनाने सहयोग मिलेगा। जलवायु परिवर्तन के परियोजना निदेशक डॉ रत्नेश झा ने ने कहा कि इस चार दिवसीय कार्यशाला के मुख्य संरक्षक डॉ पी एस पांडे, कुलपति होंगे । कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के उप महानिदेशक (डीडीजी); आईसीएआर-सीआरआईडीए,हैदराबाद के निदेशक और भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के प्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।कार्यशाला की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ पी एस पांडेय की अध्यक्षता में बीस से अधिक कमिटी बनाई गई है जो युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। विभिन्न राज्यों से आए अतिथियों एवं वैज्ञानिकों को मिथिला और बिहार के इतिहास एवं संस्कृति से परिचित कराने को लेकर उन्हें राजगीर, सीतामढ़ी तथा अन्य स्थानों पर भ्रमण कराने की भी योजना है।

लनामिवि गणित विभाग में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के गणित विभाग में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय अंकगणित की मूल अवधारणा रहा जिसमें 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आदित्य राज, द्वितीय स्थान पर विकास कुमार यादव, और ज्योति कुमारी को तृतीय स्थान मिला। क्विज में शामिल सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को प्रमाण-पत्र व डॉ धर्मेंद्र कुमार यादव द्वारा लिखित रेवेदिक मैथमेटिक्स, रिसर्च इन वैदिक मैथमेटिक्स, भाग एक प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ अयाज अहमद ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें अंकगणित के आधारभूत संरचना के बारे में विस्तार से बताते हुए इसे गणित का फाउंडेशन कहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभाग के सह-प्रोफेसर डॉ एस एन रॉय ने अंकगणित की विभिन्न प्रतियोगिता में उपयोगिता पर प्रकाश डाला वहीं डॉ अभिमन्यु कुमार ने अंकगणित के कुछ सूत्रों की चर्चा करते हुए इसके शॉर्ट कट सूत्रों का परिचय दिया। डॉ नेहा वर्मा ने बैंकिंग, रेलवे आदि परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों पर प्रकाश डाला। डॉ विपुल स्नेही ने अंकगणित को गणित का आधार बिंदु बताया और इसके आधार पर विराजमान अन्य गणितीय विषयों पर प्रकाश डाला। सभी छात्रों को क्विज में शामिल होने के लिए धन्यवाद देते क्विज कॉर्डिनेटर डॉ यादव ने क्विज प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विभागाध्यक्ष के साथ- साथ सभी विभागीय शिक्षकों और कर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपचुनाव के रिजल्ट से हताश नहीं होना है, हम बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे : डॉ. शोएब अहमद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।जन सुराज पार्टी के राज्य कार्यवाहक सदस्य डॉ0 शोएब अहमद खान ने उपचुनाव के नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जन सुराज के लोगों को हताश होने की जरूरत नहीं। हमने कम समय में अच्छा प्रदर्शन किया है जो हमारी मेहनत का फल है। बदहाली और बदलाव तो होना ही चाहिए और हम उसके लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा की जीत हार अपनी जगह है। हमने जनता से जुड़े मुद्दों पर वोट मांगा और यही हमारा संकल्प भी है। हम लोगों के बीच शिक्षा, पलायन, रोजगार, स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों को लेकर गए और लोगों के सामने रख दिया कि आप निर्णय लीजिये आप क्या चाहते हैं। हम किसी पार्टी को खत्म करने नहीं आये बल्कि हम मुद्दों की राजनीति करने आये और ऐसा काम तो सभी पार्टियों को करना चाहिए। उन्होंने जन सुराज के कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी है और एक दूसरे पर भरोसा करना भी जरूरी है तभी संगठित होंगे।

गबन के आरोप में वार्ड सदस्य व प्रबंधन समिति के सचिव के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। प्रखंड के कुशेश्वरस्थान दक्षिणी पंचायत के वार्ड नंबर एक में मुख्यमंत्री पक्की गली नली योजना की राशि के गबन करने के मामले में उक्त वार्ड के सदस्य एवं प्रबंधन समिति के सचिव के विरुद्ध सोमवार को थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। उक्त पंचायत के वर्तमान सचिव दिनेश कुमार चौधरी के लिखत आवेदन पत्र पर दर्ज प्राथमिकी में वार्ड नंबर एक के पूर्व सदस्य दिलखुश पासवान एवं वार्ड कार्यान्वयन समिति के पूर्व सचिव नसीमा खातून को नामजद किया गया है। दर्ज प्राथमिकी में नामजद व्यक्ति पर मुख्यमंत्री पक्की नली गली योजना मद में 3 लाख तीस हजार रुपए की निकासी कर काम नहीं करने का आरोप लगाया है। उक्त कार्रवाई वार्ड एक के वर्तमान सदस्य भागेश्वर पासवान द्वारा अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के न्यायालय में दायर वाद में पूर्व वार्ड सदस्य एवं सचिव पर पक्की नली गली योजना मद की राशि उठाव कर काम नहीं करने का आरोप लगाया था। दायर वाद के सुनवाई में आरोप सिद्ध होने पर पूर्वी बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु ने पूर्व वार्ड सदस्य एवं सचिव को एक सप्ताह के अंदर उठाव किए गए राशि वापस करने का निर्देश दिया था। लेकिन राशि जमा नहीं करने पर बीडीओ श्री जिज्ञासु ने पंचायत सचिव को प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया। जिसके आलोक में पंचायत सचिव के आवेदन पर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। थाना अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि करते हुए कहा कि नामजद लोगों को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शारीरिक शिक्षकों का क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सामाजिक संस्था सशक्त फाउंडेशन द्वारा सेवा सदन ,भगवानपुर में बाउंस ऑफ जॉय कार्यक्रम के अंतर्गत आज शारिरीक शिक्षको का क्षामतावर्धन कार्यशाला का उद्घाटन किया गया ।कार्यक्रम का उद्घाटन, प्रोफेसर विजय जायशवाल ,सशक्त फाउण्डेशन के निदेशक प्रभात कुमार एवं समाजसेवी रंजीत कुमार ने संयुक्त रुप से किया। सशक्त की ओर से निदेशक प्रभात कुमार ने प्रोफेसर विजय जायशवाल एंव रंजीत कुमार को चादर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सशक्त एवं आइटीसी के संयुक्त तत्वाधान में मुजफ्फरपुर जिला के 70 विद्यालयों में क्रिकेट एवं अन्य खेलों के माध्यम से छात्रों के बीच पोषण , फिटनेस एवं संपूर्ण विकास का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके लिए जिला एवं राज्य स्तर के वर्तमान एवं पूर्व खिलाड़ियों को कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। सशक्त फाउंडेशन विद्यालयों में जरूरी आधारभूत संरचना एवं खेल के साजो सामान उपलब्ध करा दिया है। विजय जायसवाल ने कार्यक्रम की तारीफ करते हुए कहा खेल के माध्यम से मानवीय एवं सामाजिक विकास किया जा सकता है। निदेशक प्रभात कुमार ने उपस्थित प्रशिक्षकों का उत्साह बढ़ाया साथ ही कार्यक्रम के सफल बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन अमित चन्द्र चौधरी ने किया। कार्यक्रम में सशक्त फाउंडेशन की कार्यक्रम प्रबन्धक शालिनी रंजन ने उपस्थित अतिथियों और शिक्षक को धन्यवाद दिया। प्रशिक्षक अतुल रावत इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहें है। इस अवसर पर सशक्त के प्रोग्राम औफिसर विकास कुमार, हेड कोच रोहित कुमार , विवेक कुमार, कन्हाई तिवारी, कोमल कुमारी, दीपशिखा एवं सभी युथ कोच आदि उपस्थित थे।

माकपा का 22 वॉ जयनगर लोकल कमिटी सम्मेलन सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जयनगर प्रखंड का 22 वॉ लोकल कमिटी सम्मेलन आर्य कुमार पुस्तकालय परिसर स्थित सभा कक्ष में कॉमरेड सीताराम येचुरी नगर कॉमरेड भोगेन्द्र यादव मंच जयनगर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में तीन सदस्य अध्यक्ष मंडल जिसमें कॉमरेड चन्देश्वर प्रसाद यादव , कॉमरेड शिव कुमार यादव एवं कॉमरेड मोहम्मद मंजूर ने संयुक्त रूप अध्यक्षता किया। सम्मेलन का संचालन कॉमरेड कुमार राणा प्रताप सिंह ने किया। वरिष्ठ नेता पूर्व जिला मंत्री कॉमरेड रामजी यादव ने झंडोत्तोलन कर शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मेलन की शुरूआत की। सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड मनोज कुमार यादव के द्वारा किया सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए ब्रांच का नियमित बैठक करना जरूरी है। संगठन बना कर के ही हम पार्टी का विस्तार कर सकते है। तीन वर्ष एक माह छब्बीस दिन के पूरे कार्य रिपोर्ट लोकल कमिटी सचिव कॉमरेड कुमार राणा प्रताप सिंह सम्मेलन में उपस्थित सभी डेलीगेट प्रतिनिधि साथी के समक्ष रखा। रिपोर्ट पर सभी 18 ब्रांच के प्रतिनिधि साथी बहस में भाग लेते हुए अपना विचार व्यक्त किया। सम्मेलन को पार्टी के वरिष्ठ साथी पूर्व जिला मंत्री रामजी यादव संम्बोधित करते हुए कहा कि देश की सरकार किसान विरोधी है उसे गद्दी से उतार कर ही हमारा कल्याण होगा। खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव शशिभूषण प्रसाद ने सम्बोधित किया। सम्मेलन को दलित शोषण मुक्ति मंच के जिला सचिव कॉमरेड विजय पासवान ने सम्बोधित किया। सम्मेलन में करीब कई प्रतिनिधियो ने भाग लिया। सम्मेलन में 21 सदस्यीय नये लोकल कमिटी का चुनाव सर्वसम्मति से कर नये सचिव कुमार राणा प्रताप सिंह का चुनाव किया।सम्मेलन में समापन भाषण करते हुए सीपीएम राज्य सचिव मंडल की सदस्य कॉमरेड रामपरी ने कहा कि हमारा सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब देश के सत्ता मे एक साम्प्रदायिक सम्प्रदायिक एवं कॉरपोरेट पूंजीवाद की सरकार बैठी है। परिणाम स्वरूप बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई आसमान में पहूंच गया है। तमाम सरकारी संस्थान को निजी कम्पनी के हाथों बेचा जा रहा है। मोदी जी दुनिया में भारत की विकास की बात करते है लेकिन भूख के सूचकांक में 125 देश में भारत का स्थान 111 वॉ है जनवितरण प्रणाली को सरकार खत्म करना चाहती है। भूमिहीनों को जमीन नहीं मिल रहा है। सभी से अपील है की स्वतंत्र आंदोलन बढाकर वांम जनवादी एकता के आधार पर ही धर्मनिरपेक्ष दलो को एक जूट होकर भाजपा आर.एस.एस. की सरकार को सत्ता से हटा सकते हैं। पार्टी साथियों से जयनगर में एक मजबूत जन आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। 5 और 6 दिसम्बर को खुटौना में जिला सम्मेलन के लिए 24 प्रतिनिधि का भी चुनाव किया गया। अध्यक्ष मंडल की ओर से प्रतिनिधियो को कॉमरेड चन्देश्वर प्रसाद धन्यवाद देकर सम्मेलन को समाप्त किया। बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।

अनिल ज्वेलर्स में हुए एक करोड़ के सोने, चांदी व डायमंड के आभूषणों एवं 5.7 लाख लूट में एफआईआर दर्ज

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

शहर के पुरानी पोस्ट ऑफिस रोड स्थित अनिल ज्वेलर्स में शनिवार शाम हुई लूट की घटना को लेकर दुकान के मालिक अनिल कुमार ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया है कि करीब 6:40 बजे शाम दुकान में अनिल कुमार अपने चार स्टाफ सदस्यों के साथ काम समाप्त कर रहे थे, तभी दो अपराधी अंदर आए और सोने की चेन दिखाने की बात कही। अनिल कुमार ने दुकान बंद होने का हवाला देकर मना किया, लेकिन तभी तीन और अपराधी अंदर घुस गए। सभी अपराधी हथियारों से लैस थे और उन्होंने कर्मियों को डराकर तिजोरी खुलवाई। अपराधियों ने तिजोरी से लगभग एक करोड़ रुपए मूल्य के सोने, चांदी और डायमंड के आभूषणों के साथ पांच लाख 70 हजार रुपए नकद लूट लिया। लूटे गए समानों में लगभग 40 प्रकार के सोने के आभूषण, 4-5 प्रकार के डायमंड आइटम, और 4-5 प्रकार के चांदी के आइटम शामिल हैं। आभूषणों पर एचयूआईडी मार्क और विक्रेता की पहचान अंकित है, जिससे उनकी पहचान संभव हो सकती है। अपराधियों के हुलिये के संबंध में उन्होंने और उनके स्टाफ के अनुसार अपराधियों की उम्र 20-30 वर्ष के बीच थी। सभी अपराधियों ने अपने चेहरे को मास्क से ढका हुआ था और स्थानीय भाषा में बातचीत कर रहे थे। घटना के तुरंत बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। घटना के बाद उन्हें पता चला कि घटना के दौरान कुछ और अपराधी दुकान के बाहर और आसपास मौजूद थे। शहर के अनिल ज्वेलर्स में शनिवार की देर शाम हुए भीषण लूट मामले की जांच में एसटीएफ की एंट्री हो गई है। इससे जल्द ही इस लूट मामले का खुलासा होने संभावना बढ़ गई है। रविवार की शाम में पुलिस लूट मामले का एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया कर रही थी। हालांकि इस संबंध में पुलिस कुछ बताने से परहेज कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज जांच करते-करते पुलिस शहर के मोहनपुर रोड तक पहुंच चुकी है। घटना के बाद पैदल भागे दो अपराधियों के उसी दिशा में किसी वाहन से भागने का सुराग पुलिस को मिला है। पुलिस की जांच में इस घटना में अभी छह अपराधियों की संलिप्तता सामने आयी है। बता दें कि इस घटना के विरोध में शहर के स्वर्णकारों ने गुदरी बाजार में एक बैठक भी की। जिसमें पुलिस की नियमित गश्ती नहीं होने पर रोष प्रकट किया गया। बैठक में सभी ने इस तरह की घटना पर रोक लगाने, स्वर्णकारों को और स्वर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। अनिल ज्वेलर्स में हुई लूट जिले में हुई लूट की एक बड़ी घटना बतायी जा रही है। इससे पहले भी शहर के मोहनपुर रोड में इसी वर्ष 28 फरवरी की शाम अपराधियों ने शहर के मोहनपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वैलर्स में 6 करोड रुपए से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषणों के लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में भी जिले की पुलिस एक अपराधी को छोड़ कर अन्य अपराधियों को पकड़ने में विफल साबित हुई है। इसमें संलिप्त अपराधियों को बिहार एसटीएफ व गुजरात पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया था। हालांकि इस मामले में भी पुलिस लूट का सामान बरामद करने में आज तक सफल नहीं हो सकी है। बता दें कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मोहनपुर रोड स्थित अनिल ज्वेलर्स के रिश्तेदार की दुकान हीरा ज्वेलर्स में 2 साल पहले 3 दिसंबर 2022 को अपराधियों ने एक करोड रुपए के स्वर्ण आभूषण की लूट की घटना को अंजाम दिया था। इसमें संलिप्त अपराधियों को बिहार एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। हालांकि लूट का सामान बरामद करने में पुलिस आज तक विफल साबित हुई है।

जागरूकता रैली व रक्तदान कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर डी .बी .कॉलेज और प्लस टू उच्च विद्यालय के द्वारा एनसीसी छात्रो के द्वारा एनसीसी के 76 वां एनसीसी दिवस पर नशामुक्ति जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली में एनसीसी कैडेट के सूबेदार सुनील कुमार एएनओ केशव चन्द्र झा सीटीओ डा. संजय कुमार पासवान के नेतृत्व में नशामुक्ति को लेकर जन जागरूकता रैली निकाली गई रैली में शामिल एनसीसी के अधिकारियो व छात्रो ने नशापान के खिलाफ स्लोगन लगा आम जनो को नशा पान से दूरी और इसके नुकसान को जानकारी दी गई रैली में एनसीसी के लगभग डेढ़ सौ छात्रो ने भाग लिया। जागरूकता रैली के समापन डीबी कॉलेज परिसर में हुआ और डीबी कॉलेज में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कई एनसीसी छात्रो ने रक्तदान किया। रक्त दान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसके फायदे की विस्तृत जानकारी देते हुए रक्तदान को महादान बताया। रक्त दान कर लोगो मरीजो के जीवन रक्षा का सन्देश दिया। रक्तदान में एसयूओ यूसुफ अंसारी के साथ ही अंडर अफसर लक्ष्मण कुमार, नीतू कुमारी, पिंकी कुमारी, मनीषा कुमारी, सरिता कुमारी, स्मृति कुमारी, तृप्ति कुमारी संजना कुमारी, रेखा कुमारी, धरम, उमाशंकर, शिवम सिंह, शिवम दास, प्रिंस कुमार, पल्लवी कुमारी, डॉ. संजय कुमार पासवान सीटीओ, कन्हैया, अभिषेक सहित कई कैडेट शामिल हुए ।एनसीसी दिवस के अवसर पर एसयूओ यूसुफ अंसारी, अंडर अफसर लक्ष्मण कुमार, अंडर अफसर मईशा कुमारी, उदय शंकर चौधरी, धीरज कुमार, सार्जेंट चंदन कुमार, सूर्यप्रताप सिंह, विश्वनाथ झा, कैडेट प्रियंका, मनीषा, श्रुति सहित कई कैडेटो का सहयोग काफी सराहनीय रहा । कैडेटों ने नशामुक्ति की रैली निकालकर एवं रक्तदान कर समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया ।

पैक्स निर्वाचन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी शांतिपूर्ण निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में पैक्स निर्वाचन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पैक्स चुनाव के प्रथम चरण के तहत कल 26 नवंबर 2024 मंगलवार को जिले के रहिका पंडौल राजनगर एवं बाबूबरही प्रखंड के 25 पैक्स के लिए सुबह 7 बजे से संध्या 4.30 बजे तक मतदान होगा। 64 मतदान केंद्र बनाए गए है एवं मत दाताओ की संख्या 55726 है। 21 पीसीपी 8 सेक्टर एवं चार जोनल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रथम चरण में मतगणना बाबू बरही प्रखंड में मतदान के दिन ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद होगी वही शेष तीन प्रखंडो में मतदान के अगले दिन 27 नवंबर 2024 को सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ होगी। मतदान के दिन पल-पल की गतिविधियो पर नजर रखने के लिए जिला नियंत्रणकक्ष की स्थापना की गई है जिसका दूरभाष नंबर 06276 577 258 है। उक्त बातें जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियो से कहीं।उक्त अवसर पर उप निदेशक जनसम्पर्क परिमल कुमार जिला सहकारिता पदाधिकारी सुदर्शन कुमार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कृषक गोष्ठी का आयोजन

मुंगेर। ज़िला कृषि विज्ञान केंद्र सफियाबाद मुंगेर में शनिवार को कृषक गोष्ठी शाह इनपुट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मॉडल दलहन गांव योजना के तहत चयनित जमालपुर प्रखंड के इंद्र गांव के किसानों के लिए आयोजित की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि सुल्तानगंज विधायक डॉक्टर ललित प्रसाद ने की केंद्र के 65 किसानों ने भाग लिया वहीं कार्यक्रम के अतिथि के रूप में कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर से आए प्रशिक्षण विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर अभय कुमार मानकर वैज्ञानिकता प्रधान प्रधान मुकेश कुमार कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार कृषि अभियंत्रण वैज्ञानिक की अशोक कुमार एवं प्रसार शिक्षा वैज्ञानिक डॉ बी सिंह सहित अन्य कई मौजूद थे।

केस किये जाने को लेकर मां बेटी के साथ कि गई मारपीट

जमुई [झाझा] पुराने मामले को लेकर घटना स्थल पर जांच करवाने के दौरान एक युवक के घर पर गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा मारपीट करते हुए युवक की मां और बहन को घायल कर दिया। मामला थानाक्षेत्र रामडीह गांव की है। घायल की पहचान नुसरत और उसकी मां जमीला खातून के रूप में हुई है। अस्पताल में घायल मां बेटी का इलाज किया गया। घायल जमीला खातून के पुत्र मोहम्मद मुबारक ने बताया कि बीते 21 नवंबर को गांव के ही एक युवक ने धक्का मार दिया जिसके बाद थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाया। जिसको लेकर पुलिस जांच करने के लिये घर पहुंचा और घटना स्थल पर फिर मेरे साथ जांच के लिए गया तभी गांव के जउली, फिरोज, इरशाद, असफाक, साहिल, नबाब सहित अन्य लोग घर मे घुसकर घरवालों के साथ मारपीट कर रहा था जब मैं घर आया तो देखा कि मेरी मां, बहन घायल है। मोहम्मद मुबारक ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करवाये जाने की रंजिश को लेकर उक्त सभी लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित ने मारपीट की घटना की जानकारी पुलिस को दिया।

दो बाइक की टक्कर में एक बाइक चालक हुआ घायल

जमुई [झाझा] सोमवार की सुबह झाझा बसस्टैंड मुख्य मार्ग के पास एक बाइक में दूसरे बाइक की टक्कर होने से एक बाइक चालक घायल हो गया जिसे इलाज के लिए लोगों की मदद से रेफरल अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा घायल का इलाज किया गया। घायल की पहचान सोनो थानाक्षेत्र के पेलवाजन गांव के रहने वाले मैनुअल कुमार के रूप में हुई है। घायल ने बताया कि जरूरी कार्य से मैं बाइक से अपने घर से झाझा मुख्य बाजार जा रहा था कि बस स्टैंड के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे बाइक चालक ने टक्कर मार दिया और मुझे घायल अवस्था मे देखकर फिर मौके स्थल से फरार हो गया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पैक्स चुनाव 2024 की समीक्षात्मक बैठक की

जिले में तीन चरणों में होंगे चुनाव, विधि व्यवस्था और स्वच्छ, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण वातावरण में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में सोमवार 25 नवम्बर को पैक्स निर्वाचन 2024 अंतर्गत मंगलवार 26 नवंबर को प्रथम चरण चुनाव के मद्देनजर बैठक आहूत की गई ' जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने बताया कि जमुई जिले के तीन प्रखंडों यथा जमुई, सिकंदरा तथा अलीगंज में पहले चरण में 26 नवंबर को पैक्स के चुनाव होंगे। इन प्रखंडों में बनाए गए मतगणना केंद्र में काउंटिंग की जाएगी। पैक्स निर्वाचन 2024 के अवसर पर विधि व्यवस्था और स्वच्छ, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित अधिकारियों की बैठक में ये जानकारी दी गई। जिलाधिकारी महोदया द्वारा यह निर्देश दिया गया कि सभी जोनल, सुपर जोनल लगातार अपने क्षेत्र में गतिशील रहेंगे तथा संवेदनशील बूथ पर निगरानी रखेंगे ' किसी भी तरह का विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे नियंत्रण में लाने हेतु कार्रवाई करेंगे' जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक चन्द्र प्रकाश के द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और थानाध्यक्षों को कई आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि जमुई जिले में तीन चरणों में पैक्स निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। पैक्स चुनाव काफी संवेदनशील है। हर जगह हर बूथ पर सख्ती के साथ विधि व्यवस्था संधारित करवायी जाएगी। सुबह 7:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक चुनाव होंगे। जिलाधिकारी महोदया ने बताया कि जिला में कंट्रोल रूम आज 12:00 बजे मध्य से क्रियाशील रहेगा ' इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम विहित प्रपत्र में मतदान के सभी प्रक्रियाओं का समय-समय अधतन प्रतिवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने बताया कि निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव कार्य संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर व सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके अलावा कंट्रोल रूम प्रभारी को 1:00 बजे अपराह्न तक कितने लोग मतदान हेतु लाइन में खड़े है, इसकी सूचना प्राप्त करने का निदेश दिया गया । जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि पैक्स चुनाव के दौरान संवेदनशील जगहों को ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। हर मतदान केंद्र पर पुलिस बल तैनात रहेंगे और प्रत्येक प्रखंड में कंट्रोल रूम का निर्माण करवाया गया है। मतदान के दिन सेक्टर, जोनल व सुपर जोनल पदाधिकारी नियमित रूप से भ्रमणशील रहेंगे। साथ ही विधि व्यवस्था संधारित रखेंगे। चुनाव कार्य हेतु प्रतिनियुक्त कर्मचारी के अनुपस्थित होने पर उसके विरुद्ध विधिझसम्मत कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पीठासीन पदाधिकारी को निदेशित किया कि मतदाता वोट देने के लिए वोटर आईडी कार्ड के साथ अनुमान्य सरकारी आईडी बैंक खाता,आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि भी अपने साथ लाएंगे। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना अध्यक्ष को निर्देश दिया कि पैक्स चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपने क्षेत्र में पूरी आसूचनाओं का संग्रहण करते रहें। जहां भी संवेदनशील बूथ हैं, उन पर विशेष नजर रखें। बाइक पेट्रोलिंग की अलग से व्यवस्था रखने को कहा गया, जो हर बूथ पर लगातार पेट्रोलिंग करता रहे। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित करके उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जमुई के अलावा अपर समाहर्ता जमुई, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी जमुई, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जमुई एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

छात्रा के घायल होने से पॉलिटेक्निक कॉलेज की व्यवस्था की पोल खुली

प्रात : किरण, संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रमणकाबाद मुंगेर के कॉलेज प्रबंधन का यह दावा खोखला साबित हो रहा है कि सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है अनुशासन में सभी बच्चे और कर्मचारी हैं कोई गलत काम या गैर कानूनी काम नहीं करते हैं । कालेज छात्रावास की छात्रा रितु कुमारी 18 वर्षी गत शनिवार को कालेज के सामने खड़गपुर जमुई मुख्य मार्ग पर बाइक के धक्के से घायल होना कॉलेज प्रबंधन और अनुशासन की दुहाई देने वाली प्राचार्या की पोल खुल गई है। सूत्रों ने बताया कि इस कॉलेज छात्रावास में प्राचार्य का राज या आदेश नहीं चलता अपितु कॉलेज का एक कर्मचारी का राज चलता है छात्रावास की छात्रा मुख्य सड़क पर घूमने क्यों गई थी और छात्रावास से बाहर जाने की अनुमति किसने दिया जो जांच का विषय है घायल छात्र के पति ने बताया की कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही खासकर लापरवाह प्राचार्य के कारण छात्रा का दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया है अगर प्राचार्य कॉलेज की छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया होता तो यह घटना नहीं होती और रितु कुमारी का दाहिना पैर नहीं टूटता आगे कई छात्रों ने बताया कि मेष का रसोईया और एक चपरासी का कॉलेज में गैर कानूनी धंधा चलता है कई छात्रों को नशे का लत लगा दिया है इतना ही नहीं कार्यस्थल पर महिलाओं को डरा धमकाकर घिनौना कार्य भी कराए जाते हैं जिसकी शिकायत पॉलिटेक्निक विभाग बिहार को किया गया लेकिन शिकायत पॉलिटेक्निक बिहार ने पर भी और पैसे पर ठंडा बस्ते में बंद कर दिया। विभागीय अधिकारियों का विशेष लगाव प्राचार्य और कर्मचारियों से रहने के कारण गलतियों पर पर्दा डालने से छात्र-छात्राओं को परेशानी होती है वहीं अभिभावकों को बच्चे किसी घटना का शिकार होने पर माता-पिता भी परेशान हो जाते हैं और खर्च बढ़ जाता है नया गाड़ी का एक छात्रा ने बताया कि छात्रावास में भोजन ठीक नहीं दिए जाने के कारण एक साल बाद रोज मैं घर से ही आता जाता हूं ऐसे सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने छात्रावास छोड़ दिया है पुलिस सूत्र ने बताया की ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन ने इलाज के लिए रितु कुमारी को स्वास्थ्य केंद्र खड़गपुर में भर्ती कराया । जानकारी के अनुसार भागलपुर के रजनपुर निवासी पॉलिटेक्निक कॉलेज की छात्रा रितु कुमारी अपनी सहेली के साथ किसी काम से खड़गपुर बाजार आ रही थी तभी सड़क किनारे के दौड़ते सामने आ गई तेज रफ्तार बाइक सवार ने छात्रा को ठोकर मार दिया जिसे दाहिने पैर में चोट आई प्रभात रंजन ने बताया की छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है डॉक्टरों ने प्राथमिक की उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज भागलपुर रेफर किया है पुलिस ने बाइक को कब्जे में कर लिया है और प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है ।

मुंगेर में साइबर अपराधी 78 हजार रुपए खाते से उड़ाए

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । मुंगेर पुलिस सूत्रों ने बताया कि बासुदेवपुर थाना अंतर्गत नयागांव निवासी गोल ताकता व्यवसाय मुकेश शाह के खाते से साइबर अपराधियों द्वारा 78000 की अवैध निकासी किये जाने की शिकायत दर्ज कराई गई है। निकासी में बैंक कर्मियों की संलिप्त का भी आरोप लगाया गया है शिकायत में मुकेश शाह ने बताया कि वासुदेवपुर एसबीआई में बैंक खाता है दिनांक 16 से 20 नंबर के बीच उसके खाते से चार बार 78989 रुपए की निकासी हो गई लेकिन मोबाइल पर मैसेज नहीं आया जबकि सभी मैसेज मोबाइल पर आता है इस दरमियान 22 नवंबर को जब खाता अपडेट करवा लिया गया तो पता चला कि 16 नंबर को 2700 एक बार में और दूसरी बार में 1499 रुपए 17 नवंबर को 4790 रुपए और 20 नवंबर को 70000 रुपए की निकासी हो गई है साइबर थाना में आवेदन देकर पीड़ित ने साइबर अपराधियों द्वारा निकासी की गई राशि को बैंक खाते में वापस दिलाने की गुहार लगाई है इधर साइबर क्राइम थाना अध्यक्ष शहर ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन ने बताया कि आवेदन मिला है आवेदन के आलोक में जांच के पश्चात प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी

आतंकियों और अपराध से जुड़े अपराधियों का राष्ट्रीय स्तर पर बनेगा डाटाबेस

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत इसे बिहार के सभी जिला के एसपी को नेशनल मेमोरी बैंक तैयार करने को कहा जा रहा है। अपराधियों और अपराध से जुड़े अपराधियों आतंकियों का राष्ट्रीय स्तर पर डाटाबेस तैयार किया जा रहा है इसके लिए एनएम नेशनल मेमोरी बैंक तैयार हो रहा है केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश इसे शुरू किया गया है इसे तैयार करने के लिए इंटेलिजेंसी ब्यूरो ने बिहार सहित सभी राज्यों से अपराधियों एवं आतंकियों का रेकॉर्ड मांगा गया है। उनसे संबंधित जो भी कांड दर्ज हुए हैं उन सभी कांडों की जानकारी तलब की है गई है। गृह मंत्रालय के निर्देश के आलोक में पुलिस मुख्यालय ने मुंगेर सहित राज्य के सभी एसपी को पत्र भेजकर सूची की मांग किया है। इसके पहले यह डेटाबेस मुख्यालय स्तर पर तैयार किया जाना है। इसके बाद देश के सभी जिलों को भी इससे जोड़ा जाएगा। आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और उन बदमाशों को मदद पहुंचाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है है। गृही मंत्रालय के निर्देश पर मादक पदार्थों से जुड़े तस्कर और जाली नोट के अवैध कारोबारी से संबंधित मामलों पर विशेष नजर रखी जा रही है। बिहार सहित अन्य राज्यों में भी पहले से इस तरह की कांडों में शामिल होने वाले अपराधियों का ब्यौरा मांगा गया है उनके अन्य कनेक्शन को भी खंगाल जा रहा है पहले भी मादक पदार्थ के तस्करों और जाली नोट के धंधेबाज और आतंकी संगठनों का कनेक्शन सहित उनके के मददगार की बात गृह मंत्रालय के सामने आ जाएगा। नेशनल मेमोरी बैंक तैयार करने का मकसद यह है कि देशभर में आतंकियों का एक जगह डेटाबेस हो एक क्लिक करते ही उनके बारे में पूरी जानकारी सामने आ जाएगा । इससे खुफिया एजेंसी को कम समय गिरफ्तार करने में मदद मिलेगा। इस तरह की सिस्टम में बस एक आतंकी का संदिग्ध होने उनका नाम टाइप करते ही मेमोरी बैंक दिखाएगा कि उसके खिलाफ देश में कई मामला दर्ज है या नहीं। डेटाबेस में वामपंथी चरमपंथियों उत्तर पूर्व विद्रोही समूह सहित अन्य गिरोह से जुड़े अपराधियों का भी ब्यौरा उपलब्ध हो जाएगा

निर्माण कार्य का बोर्ड लगाए बिना धड़ल्ले से करा रहे सरकारी काम

अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी नियम का उल्लंघन : ग्रामीण

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। स्थानीय गिद्धौर प्रखंड में चल रहे सरकार प्रायोजित योजनाओं पर बिना योजना का बोर्ड लगाए ही काम कराया जा रहा है। एन एच333 सरसा मोड जाने वाली गली में घटिया ईट का प्रयोग किया जा रहा है। आहार सफाई,करहा उड़ाही, सड़क निर्माण और अन्य कार्य शामिल है। लेकिन इन योजनाओं को शुरू होने से पहले निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य के संबंध में किसी प्रकार का बोर्ड नहीं लगाया जाता है। जिसके कारण ग्रामीणों को यह नहीं पता चल पाता है कि निर्माण कार्य किस योजना के तहत कराया जा रहा है। यह सवाल बना रहता है कि योजना का प्राक्कलन क्या है और प्राक्कलित राशि कितनी है। यह पता नहीं रहने के कारण स्थानीय लोग योजना के बारे में जानकारी नहीं होती है और इसी बीच योजना के अभिकर्ता अधिकारी के मिली भगत से जैसे तैसे योजना को पूर्ण दिखा कर राशि का बंदरबांट कर लेते जिसका नतीजा यह होता है और धरातल पर योजनाओं का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता और लोगों की समस्या जस का तस बना रह जाता है। खास तौर पर मनरेगा के अंतर्गत होने वाली योजनाओं पर बोर्ड नहीं लगाया जाता है। जो आम लोग के बीच सरकारी योजनाओं में लूट खसोट का चर्चा करने के लिए काफी होता है। पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजीव कुमार मंडल उर्फ बच्चू मंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से प्रखंड में संचालित होने वाले सभी योजनाओं को कार्य लगने से पूर्व योजनाओं से जुड़ी बोर्ड लगाए जाने का अनुरोध किया है।

रील्स बनाने के लिए गिद्धौर थानाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा लड़का, वीडिओ वायरल

● वीडियो वायरल होते ही लड़का बोला, गलती हो गई

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। इन दिनों सोशल मीडिया पर रिल्स बनाने ओर हथियार रखने का सौंख युवाओं में सर चढ़कर बोल रहा है।गिद्धौर में भी एक युवक ने कुछ ऐसा ही कारनामा थाने में घुसकर किया है जिसकी चर्चा जोरों पर है और लोग वीडियो वायरल होने के बाद तरह-तरह की चर्चा भी कर रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद जमुई पुलिस की किरकिरी हो रही है। दरअसल हम बात कर रहे हैं गिद्धौर थाना की जिसमें सोशल मीडिया पर एक रिल्स तेजी से इन दोनों वायरल हो रहा है जो की जिले भर में चर्चा का विषय बना हुआ। सोशल मीडिया पर रिल्स वायरल होने के बाद गिद्धौर थाना की पुलिस की काफी फर्जीयत हो रही है। लोगों में अब यह चर्चा होने लगी है कि जो पुलिस दूसरे को सुरक्षा देने की बात करती है उसकी कुर्सी खुद से खतरे में है खुलेआम एक मनचला युवक थाना में घुसकर थानेदार के कुर्सी पर बैठकर भोजपुरी अश्लील गानों पर रिल्स बना रहा है। और खुलेआम सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है जिससे जमुई पुलिस और गिद्धौर थाने की पुलिस की सुरक्षा के दावे की हकीकत साफ दिख रही है। वही वीडियो वायरल होने के बाद जमुई एसपी चंद्रप्रकाश ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। वायरल वीडियो के बारे में बताया जाता है कि युवक गिद्धौर बाजार का ही रहने वाला है और उसका नाम गोलू कुमार है,उसकी मां गिद्धौर के ही दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स का काम करती है। अब देखना लाजिमी होगा कि इस पूरे मामले को लेकर जमुई पुलिस कप्तान क्या कार्रवाई करते है या मामले की लीपा पोती करके छोड़ दिया जाएगा।

अस्पताल में मरीजों के बीच चलाया गया आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ने की पहल तेजी से किया जा रहा। इसको लेकर सोमवार को रेफरल अस्पताल से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रचार प्रसार करवाया कर जागरूक किया गया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाषचंद्र, अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार अस्पताल में इलाज करवाने पहुंचे लोगों को आयुष्मान कार्ड के फायदों के बारे में बताता। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड पर 5 लाख रुपये का निशुल्क इलाज प्रदान किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधक ने बताया कि अब भी कई लोग आयुष्मान कार्ड से वंचित हैं। इसलिए आयुष्मान कार्ड का लाभ लेना अब और भी आसान हो चुका है राशन कार्डधारकों के परिवार को प्रखंड एवं जिला स्तरीय सरकारी अस्पताल के ओपीडी काउंटर के नजदीक डिजिटल काउंटर से अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड के लिए आधार कार्ड एवं पारिवारिक पहचान के लिए राशनकार्ड अवश्य लाना होगा। आगे उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक उम्र वालों को बिना राशनकार्ड के ही आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए लोगों के बीच प्रचार प्रसार किया जा रहा है साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार वाहन घूम घूम कर लोगों को जानकारी दिया जा रहा है।

एबीवीपी का मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र का पुनर्निर्माण : हरिनंदन प्रजापति

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के तत्वाधान में नगर कार्यकारिणी सदस्य अमरेंद्र कुमार के जन्मदिन के अवसर पर सलम क्षेत्र में जाकर बच्चों के बीच पाठ सामग्री का वितरण किया। मौके पर नगर मंत्री हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने रचनात्मक कार्यों के लिए जाने जाते हैं इस प्रकार के कार्य कार्यकर्ता विभिन्न केंपसों में करते आ रहे हैं जन्मदिन के अवसर पर दो पौधारोपण कार्यक्रम पिछले 5 वर्षों से झाझा नगर इकाई में चल रहा है, आज कार्यकर्ता के जन्मदिन के अवसर पर सलम क्षेत्र में पाठ सामग्री वितरण कर उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक व स्कूल जाने को लेकर प्रेरित किया। शिक्षा से ही समाज को बदला जा सकता है, शिक्षा वह ताकत है जो पिछड़े वर्गों को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है,एबीवीपी का मूल उद्देश्य ही है व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र का पुनर्निर्माण इस कार्य को उपस्थित ग्रामीणों ने एबीवीपी टीम की सराहना की। मौके पर नगर कार्यकारिणी सदस्य संतोष कुशवाहा, गुड्डू कुमार, संजीत कुमार,दिवाकर ठाकुर, राजेश यादव ने भी शुभकामना भेंट की।

गैंगरेप की हुई घटना का जमुई पुलिस ने 12 घंटे में किया उद्भेदन, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिले के मलयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पतौना गांव में 55 वर्षीय महिला के साथ हुई गैंगरेप और मारपीट की जघन्य घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर उद्भेदन कर दिया। इस मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचानः माधव मांझी उर्फ वाल्मीकि मांझी (पिता दरोगी मांझी), दिवाकर मांझी (पिता नरसिंह मांझी) हीरा मांझी (पिता रामदेव मांझी) तीनों आरोपी मलयपुर थाना क्षेत्र के पतौना मुसहरी टोला के निवासी हैं। घटना का विवरण : पुलिस अधीक्षक चंद्र प्रकाश ने बताया कि महिला खाना लाने के लिए अपने भगना (भतीजे) के घर गई थी। लौटते समय माधव मांझी ने उसे रास्ते में रोक लिया और तीनों आरोपी उसे जबरन नदी किनारे ले गए। वहां उन्होंने सामूहिक दुष्कर्म किया। पहचान उजागर होने के डर से आरोपियों ने महिला के चेहरे और शरीर पर पत्थर से वार किया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई और बेहोश हो गई। आरोपियों ने महिला को मृत समझकर घटनास्थल से फरार हो गए। पुलिस की कार्रवाई : घटना की सूचना मिलते ही मलयपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतीश सुमन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में अंचल निरीक्षक प्रताप सिंह, मलयपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार, एसआई महेश सिंह, धर्मेंद्र कुमार, बीणा कुमारी, सुजाता कुमारी और डीआईयू टीम शामिल थी।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की स्थापना दिवस को लेकर लोजपा ने किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। रविवार को तारापुर लोजपा रामविलास के प्रधान कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता कर झारखण्ड विधानसभा चुनाव में पार्टी का सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट रहने पर एवं बिहार विधानसभा उपचुनाव में सभी चार सीटों पर एनडीए की शानदार जीत को लेकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के कुशल नेतृत्व एवं चुनाव प्रबंधन पर आभार जताते हुए मतदाता मालिकों के प्रति लोगों ने दिल की गहराई बधाई दिया है । वहीं दूसरी ओर 28 नवंबर को लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने को लेकर अधिक से अधिक संख्या में पटना चलने को लेकर कार्यकताओं से आह्वान किया गया । इस मौके पर तारापुर विधानसभा प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी आईटी सेल के जिला अध्यक्ष रोहित सिंह कैलाश भगत मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

जिलाधिकारी ने धान फसल के क्रोप कटिंग में शामिल होकर कृषक का किया हौसला अफजाई

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के द्वारा जिले के सदर प्रखंड जमुई अंतर्गत इंदपे ग्राम में जिला सांख्यिकी कार्यालय जमुई से प्राप्त संभावित संख्या के आधार पर कृषक इंद्रदेव सिंह पिता मुंशी यादव के खेत में खरीफ मौसम के पंचायत स्तरीय धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया गया ' जिला सांख्यिकी पदाधिकारी जमुई द्वारा बताया गया कि वैज्ञानिक संभावित पद्धति को अपनाते हुए प्रयोग संपन्न किया गया है जिसमें कृषक इंद्रदेव गोप 1075 मी आयताकार के प्लांट क्षेत्र में कटनी कर धान का वजन 31.520 किलोग्राम प्राप्त हुआ, जो 63.04 क्विंटल प्रति हेक्टेयर को दशार्ता है । जिलाधिकारी महोदया द्वारा अनुमानित दर पर चना का बीज चयनित किसानों को उपलब्ध करावाया गया । मौके पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी जिला कृषि ब्रजेश कुमार पदाधिकारी, मुखिया समेत अन्य कर्मी उपस्थित रहे ।

जन सुराज पार्टी द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान, सैकड़ो लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। रविवार को मुंगेर नगर निगम के वार्ड नंबर 22 में बड़ी काली अस्थान के प्रांगण दिलावरपुर में जन सुराज पार्टी की तरफ से एकदिवसीय बैठक सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामसारो देवी ने किया एवं संचालन दिनेश कुमार गुप्ता ने किया। इस बैठक में जन सुराज के सदस्य सह प्रसिद्ध ज्योतिषी भानू प्रियदर्शी मुख्य अतिथी मौजूद थे राज्य कार्यवाहक समिति बिहार के सदस्य मो शहाब मलिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनु सुराज के संस्थापक श्री प्रशांत किशोर के इस फैसले को सराहा कि बिहार विधानसभा उपचुनाव में जनसुराज के तरफ से चारों विधान सभा में उम्मीदवार देकर बड़ा ही साहस का परिचय दिया है। चारों विधानसभा की जनता ले यह मैसेज दिया है कि आने वाले समय में वाले समय में 2025 के विधान सभा चुनाव में जन सुराज 243 सीटों पर बड़ी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगा और बड़ी बड़ी पार्टियों को धूल चटा देगी।आज की बैठक में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रशांत किशोर की प्रशंसा करते हुए इस अभियान का हिस्सा बने और जन सुराज की सदस्यता ग्रहण किया।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव... अतीत की स्मृतियां

शिलादित्य सेन

पायल कपाड़िया की फिल्म के लिए आईनॉक्स के सामने लंबी कतार लगी है, मेरे पीछे और भी कई लोग खड़े हैं. ह्यऑल वी इमेजिन ऐज लाइटह्न इस साल पणजी में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के पहले दिन दिखाई गई थी। मृणाल सेन की फिल्म ह्यखारिजह्न ने वर्ष 1983 में कान में जूरी पुरस्कार जीता था और उसके चालीस साल बाद, पायल कपाड़िया ने इस साल कान में ग्रैंड प्रिक्स जीतकर फिर से अगली भारतीय निर्देशक बनकर इतिहास रच दिया। समाज के अलग-अलग तबके से आए लोग इस फिल्म को देखने के लिए सुबह 9 बजे ही एकत्रित हो गए। यह लोग देश के विभिन्न हिस्सों से गोवा आए हैं, जिनमें युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। ऐसा लगता है कि जागने के बाद वे सीधे थिएटर ही आ गए हों, वो भी बिना नाश्ता पानी किए! इस पल ने मुझे तीस साल पहले वर्ष 1995 की याद दिला दी जब अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव तत्कालीन बंबई में आयोजित किया गया था। प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता फेडेरिको फेलिनी, जिनका कुछ समय पहले ही निधन हो गया था, उनकी फिल्में उस वर्ष महोत्सव में हर सुबह दिखाई जाती थीं। एक पूर्वव्यापी अनुभाग फेलिनी की फि ल्मों को समर्पित था। मैं उस समय एक युवा पत्रकार और सिनेमा प्रेमी था। सिनेमा के प्रति जुनून में आकर, मैं सांता क्रूज से चर्चगेट तक भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में चढ़ता था और फिर मरीन ड्राइव के सुदूर छोर तक राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) तक पहुंचने के लिए जल्दी से नरीमन पॉइंट के लिए बस पकड़ता था। हालांकि यह कोई सिनेमा हॉल नहीं था, लेकिन राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) का प्रदर्शन अद्भुत था। यहां मैने पहली बार इलेक्ट्रॉनिक उप-शीर्षक देखा! फेलिनी की फिल्म में नीले समुद्र के मनमोहक दृश्य, उसके बाद स्क्रीनिंग के अंत में मरीन ड्राइव का शानदार समुद्र तट, साथ में कटिंग चाय और पाव भाजी... भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव मेरे जैसे फिल्म-प्रेमियों के लिए धरती पर स्वर्ग ला सकता है! और अब, जब एक और तटीय शहर पणजी इस फिल्म महोत्सव के आयोजन के लिए स्थायी स्थल बन गया है, तो भी अच्छी फिल्में देखने का मेरा उत्साह कम नहीं हुआ है! ऐसा पहली बार था जब मैंने पीआईबी के प्रेस-कार्ड के साथ महोत्सव में फिल्में देखीं। पीआईबी के इस कार्ड के साथ मेरा फिल्म महोत्सव में फिल्में देखना अब भी जारी है। मेरे पिता का निधन और कोविड 19 से संक्रमित होने जैसे व्यक्तिगत कारणों की वजह से एक या दो बार छोड़कर मैं हमेशा इस फिल्म महोत्सव में शामिल होता रहा हू। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने मेरे लिए सिनेमा की पूरी दुनिया खोल दी हैं। इस महोत्सव ने मुझमें और अच्छी फिल्में देखने की ऐसी लालसा पैदा की कि, अब भी, यह मुझे सिनेमा के प्यार के लिए दुनिया भर में यात्रा करने पर मजबूर कर देता है। जिस शहर में मेरा जन्म हुआ, उस कोलकाता ने दो विश्व प्रसिद्ध फिल्म निमार्ताओं - सत्यजीत रे और मृणाल सेन को जन्म दिया है। इन दो दिग्गजों ने हमें सिखाया कि सिनेमा की कला को हमेशा क्षेत्रवाद से ऊपर उठना चाहिए और एक राष्ट्रीय और संभवतः वैश्विक परिप्रेक्ष्य रखना चाहिए। उस समय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन हमारे विशाल देश के विभिन्न शहरों में किया जाता था। हर वैकल्पिक वर्ष में आयोजन स्थल दिल्ली ही होता था, जबकि बीच-बीच में यह फिल्म महोत्सव बॉम्बे, त्रिवेन्द्रम, हैदराबाद, कलकत्ता जैसे शहरों में भी आयोजित होता रहा। वर्ष 2004 से, खूबसूरत राज्य गोवा को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए एक स्थायी स्थल बना दिया गया। तब से, सिनेमा प्रेमियों का स्वागत स्क्रीनिंग के साथ-साथ गोवा बीच पर ताजा समुद्री हवा से किया जाता है। कला अकादमी के ठीक पीछे समुद्र है, जहां वर्षों से महोत्सव में कई अच्छी फिल्में दिखाई जाती रही हैं। अब उस स्थान को एक सेमिनार हॉल में बदल दिया गया है, जहां फिल्म जगत के लोग और विद्वान सिनेमा के सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा करते हैं। फिल्म प्रेमियों के लिए विभिन्न सार्वजनिक व्याख्यानों की व्यवस्था की जाती है।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर और गुयाना ने ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा। भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है। अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए। आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा।

क्या टेलरिंग शॉप और सैलून में पुरुषों पर रोक से महिलाएँ सुरक्षित हो पायेगी?

ऐसी प्रथाओं से पुरुष नाइयों के लिए नौकरी के अवसर कम हो सकते हैं। उत्पीड़न की जड़ से निपटने के लिए सम्मान, सहमति और कार्यस्थल नैतिकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक जागरूकता अभियान चलाएँ। पॉश अधिनियम, 2013 प्रशिक्षण सत्रों को अनिवार्य बनाता है, जिसे टेलरिंग और सैलून जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों में विस्तारित किया जाना चाहिए। आपसी समझ विकसित करने और रूढ़िवादिता को कम करने के लिए व्यवसायों में मिश्रित-लिंग स्टाफिंग को बढ़ावा दें। संयुक्त राष्ट्र महिला के ही फॉर शी अभियान जैसी पहल पुरुषों और महिलाओं को विविध सेटिंग्स में समान रूप से सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

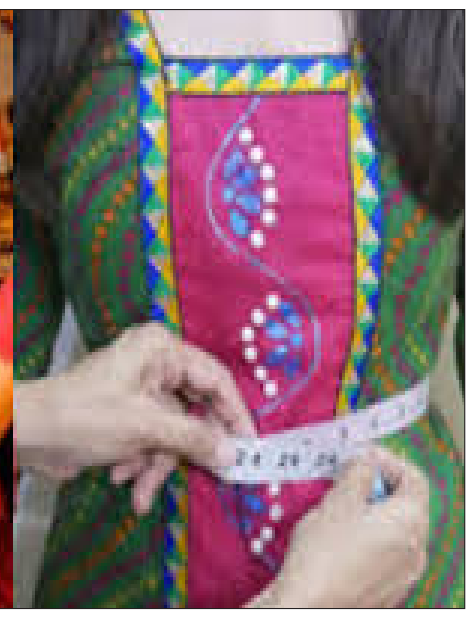

प्रियंका सौरभ
लेखक

लिंग भेद का अर्थ है कि महिलाओं को निरंतर सुरक्षा की आवश्यकता होती है, जिससे उनकी एजेंसी और व्यावसायिकता कमजोर होती है। पुरुष दर्जियों को महिलाओं के माप लेने से रोकना सुरक्षा के लिए महिलाओं की निर्भरता की धारणा को मजबूत करता है। ऐसी नीतियाँ पुरुषों को संभावित खतरे के रूप में सामान्यीकृत करती हैं, अविश्वास पैदा करती हैं और कार्यस्थल की गतिशीलता को नुकसान पहुँचाती हैं। उत्पीड़न को सम्बोधित करने के बजाय अलगाव रूढ़िवादिता को मजबूत करता है विश्लेषण करें कि लिंग के आधार पर व्यवसायों का अलगाव उत्पीड़न के अंतर्निहित मुद्दों को सम्बोधित करने के बजाय रूढ़िवादिता को कैसे मजबूत करता है। यद्यपि अक्सर उत्पीड़न के खिलाफ निवारक उपाय के रूप में लिंग के आधार पर व्यवसायों का अलगाव प्रस्तावित किया जाता है, लेकिन इससे रूढ़िवादिता और लिंग आधारित भूमिकाओं को मजबूत करने का जोखिम होता है। हाल के नियम, जैसे कि टेलरिंग शॉप और यूनिसेक्स सैलून में लिंग-विशिष्ट स्टाफिंग, उत्पीड़न के मूल कारणों, जैसे कि सामाजिक दृष्टिकोण, असमानता और जागरूकता की कमी को सम्बोधित करने में विफल रहे हैं। लैंगिक समानता और सुरक्षा प्राप्त करने के लिए प्रणालीगत परिवर्तनों पर केंद्रित एक अधिक समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है। सामाजिक मान्यताएँ अक्सर महिलाओं को कमजोर और पुरुषों को आक्रामक के रूप में चित्रित करती हैं, जो असमान लिंग गतिशीलता को बढ़ावा देती हैं जो उत्पीड़न को बनाए रखती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न महिलाओं को असंगत रूप से प्रभावित करता है क्योंकि पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण जड़ जमाए हुए हैं। नियोक्ताओं और कर्मचारियों सहित कई लोगों को कार्यस्थल पर उत्पीड़न कानूनों के बारे में जानकारी नहीं है, जिसके कारण अनियंत्रित कदाचार होता है। केवल 35% भारतीय महिला कर्मचारी ही यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम, 2013 के बारे में जानती हैं। कानूनों का अकुशल क्रियान्वयन और जवाबदेही की कमी उत्पीड़कों को बढ़ावा देती है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए आवंटित निर्भया फंड (2013) खराब प्रशासन के कारण कम उपयोग में आता है। कुछ व्यवसायों में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व पुरुष-प्रधान वातावरण बनाता है, जिसमें सत्ता का दुरुपयोग होने की संभावना होती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-2024 के अनुसार, महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर में वृद्धि हुई है, लेकिन यह लगभग 37% पर बनी हुई है। न्याय, पीड़ित को दोषी ठहराने या प्रतिशोध का डर पीड़ितों को उत्पीड़न की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करता है, जिससे चुप्पी की संस्कृति बनी रहती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, यौन उत्पीड़न सहित महिलाओं के खिलाफ अपराध, नतीजों के डर, अपर्याप्त जागरूकता और सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण बहुत कम रिपोर्ट किए जाते हैं। लिंग भेद का अर्थ है कि महिलाओं को निरंतर सुरक्षा की आवश्यकता होती है, जिससे उनकी एजेंसी और व्यावसायिकता कमजोर होती है। पुरुष दर्जियों को महिलाओं के माप लेने से रोकना सुरक्षा के लिए महिलाओं की निर्भरता की धारणा को मजबूत करता है। ऐसी नीतियाँ पुरुषों को संभावित खतरे के रूप में सामान्यीकृत करती हैं, अविश्वास पैदा करती हैं और कार्यस्थल की गतिशीलता को नुकसान पहुँचाती हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि समावेशी कार्य वातावरण लिंगों के बीच अधिक सम्मान और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

अलगाव असमान अवसरों को बनाए रखता है, एक लिंग के वर्चस्व वाले व्यवसायों में भागीदारी को प्रतिबंधित करता है। भारत के सशस्त्र बलों ने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को लड़ाकू भूमिकाओं से प्रतिबंधित किया है, जो पेशेवर अवसरों पर अलगाव के प्रभाव को दशार्ता है। एनडीए प्रेरण जैसे सुधार प्रगति को दशार्ते हैं, लेकिन पूर्वाग्रह बने रहते हैं। सामाजिक दृष्टिकोण को सम्बोधित करने के बजाय, अलगाव लक्षणों को लक्षित करता है जबकि शक्ति असंतुलन और खराब शिक्षा जैसे मूल कारणों को अछूता छोड़ देता है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो रिपोर्ट (2023) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आईपीसी के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराधों का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात ह्यपति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरताह्न से जुड़ा था। अलगाव पुरुष पेशेवरों के लिए ग्राहक आधार को कम करता है, जो निम्न-आय वर्ग के लोगों को असमान रूप से प्रभावित करता है। छोटे शहरों या गांवों में जहाँ यूनिसेक्स सैलून उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, ऐसी प्रथाओं से पुरुष नाइयों के लिए नौकरी के अवसर कम हो सकते हैं। उत्पीड़न की जड़ से निपटने के लिए सम्मान, सहमति और कार्यस्थल नैतिकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक जागरूकता अभियान चलाएँ। पॉश अधिनियम, 2013 प्रशिक्षण सत्रों को अनिवार्य बनाता है, जिसे टेलरिंग और सैलून जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों में विस्तारित किया जाना चाहिए। आपसी समझ विकसित करने और रूढ़िवादिता को कम करने के लिए व्यवसायों में मिश्रित-लिंग स्टाफिंग को बढ़ावा दें। संयुक्त राष्ट्र महिला के ही फॉर शी अभियान जैसी पहल पुरुषों और महिलाओं को विविध सेटिंग्स में समान रूप से सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। उत्पीड़न विरोधी कानूनों के सख्त कार्यान्वयन को सुनिश्चित करें और शिकायत समाधान के लिए मजबूत तंत्र बनाएँ। अनौपचारिक क्षेत्रों में आंतरिक शिकायत समितियों का विस्तार करने से कमजोर श्रमिकों की रक्षा हो सकती है। निगरानी के बजाय, निजी फिटिंग रूम और ग्राहक-अनुकूल लेआउट जैसे सुरक्षित बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दें। प्रतिबंधात्मक विनियमों से प्रभावित पेशेवरों को वित्तीय और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करें, जिससे उनकी आजीविका सुरक्षित रहे। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम, 2013) के तहत सरकार द्वारा वित्तपोषित कौशल संवर्धन कार्यक्रम नाई और दर्जी को अपने ग्राहकों में विविधता लाने में मदद कर सकते हैं। लिंग के आधार पर व्यवसायों का पृथक्करण एक सतही प्रतिक्रिया है जो रूढ़िवादिता को मजबूत करती है जबकि उत्पीड़न के प्रणालीगत मुद्दों को सम्बोधित करने में विफल रहती है। समावेशी कार्यस्थलों को बढ़ावा देकर, कानूनी सुरक्षा को मजबूत करके और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देकर, भारत समानता और सम्मान में निहित समाज का निर्माण कर सकता है।

संभल से इम्फाल तक हिंसा की एक ही बीमारी

कभी ज्ञानवापी के रूप में तो कभी संभल के रूप में। ये घृणित कोशिश उत्तराखंड में भी हुई और देश के दूसरे हिस्सों में भी। देश में लोगों के पास महंगाई के खिलाफ लड़ने का माद्दा नहीं है। लोग बेरोजगारी के खिलाफ नहीं लड़ सकते, महिला हिंसा के खिलाफ खड़े नहीं हो सकते। भूख-गरीबी के खिलाफ एकजुट होकर अदालतों के चक्कर नहीं काट सकते, लेकिन जामा मस्जिद की जामा तलाशी के लिए अदालतों के चक्कर काटने की फुरसत उन्हें है। क्या उनकी नीवों को सर्वे के नाम पर खोदा जाएगा?

राकेश अचल
लेखक

उत्तर प्रदेश में संभल हिंसा की आग में जल रहा है। हिंसा में 4 लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर में हिंसा का जघन्य रूप सामने है लेकिन सरकार महाराष्ट्र में जीत का जश्न मना रही है। उत्तर प्रदेश में सरकार और सरकारी पार्टी के लोग मस्जिदों के नीचे दबे मंदिरों को खोजने की सनक में गड़े मुर्दे उखाड़ने से पीछे नहीं हट रहे। वैसे भी उसका नारा है बटोगे तो कटोगे का है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव ने समाज को एक नहीं किया बल्कि बाँट दिया है। ये बँटवारा मणिपुर में पूरी तरह हो चुका है और उत्तर प्रदेश में जारी है। उत्तर प्रदेश बहराइच से होता हुआ साम्भल तक आ पहुंचा है। मणिपुर और संभल की बीमारी एक जैसी है, लेकिन उसका इलाज अलग-अलग तरीके से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में सरकार और सरकार संरक्षित लोग / संस्थाएं जामा मस्जिद की जामा तलाशी लेने के लिए अदालती आदेशों और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण महकमे का सहारा ले रही है। ये काम अयोध्या की बाबरी मस्जिद से शुरू हुआ था और आज तक जारी है। कभी ज्ञानवापी के रूप में तो कभी संभल के रूप में। ये घृणित कोशिश उत्तराखंड में भी हुई और देश के दूसरे हिस्सों में भी। देश में लोगों के पास महंगाई के खिलाफ लड़ने का माद्दा नहीं है। लोग बेरोजगारी के खिलाफ नहीं लड़ सकते, महिला हिंसा के खिलाफ खड़े नहीं हो सकते। भूख-गरीबी के खिलाफ एकजुट होकर अदालतों के चक्कर नहीं काट सकते, लेकिन जामा मस्जिद की जामा तलाशी के लिए अदालतों के चक्कर काटने की फुरसत उन्हें है। देश में स्पष्ट कानून है कि आजादी के बाद जिन पूजा स्थलों की जो स्थिति है उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं होगी, किन्तु देश की अदालतों को इस कानून से शायद कोई लेना-देना नहीं है। वे कभी भी, किसी को भी किसी भी मस्जिद का सर्वे करने का आदेश दे सकतीं हैं। अदालतों को भी सियासत और सत्ता की तरह गड़े मुर्दे उखाड़ने में मजा आता है शायद। अन्यथा क्या जरूरत है किसी मस्जिद की जड़ें खोदने की? माना कि अतीत में किसी मस्जिद को, किसी मंदिर को जमीदोज कर बनाया गया होगा, लेकिन क्या आज फिर वो ही गलती जानबूझकर दोहराये जाने की जरूरत है?। महाराष्ट्र विधान सभाचुनावों में मिली प्रचंड जीत ने भाजपा और उसके अनुसांगिक संगठनों का हौसला और बढ़ा दिया है। वे हर कीमत पर अल्पससंख्यक समाज को सबक सिखाना चाहते हैं और इसी का नतीजा बहराइच और संभल की हिंसा है। सरकार और सरकारी लोगों को रोज-रोज ये नाटक करने के बजाय एक बार में देश की तमाम मस्जिदों के सर्वेक्षण का आदेश अदालत से हासिल कर लेना चाहिए। आपको शायद पता न हो इसलिए मै बता दूँ कि देश में एक -दो नहीं कोई 6 लाख छोटी-बड़ी मस्जिदें है। इनमें से अधिकांश के नाम जामा मस्जिद हैं। क्या सरकार इन सबका सर्वे करा सकती ही? मेरे ख्याल से सरकार को वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करने के इन लाखों मस्जिदों का सर्वेक्षण करने के लिए एक विधेयक लाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में जो काम 5 -6 दिसंबर 1992 को अयोध्या से शुरू हुआ था वो काम आज भी जारी है। कभी ज्ञानवापी के रूप में कभी संभल के रूप में तो कभी उत्तराखंड की किसी मस्जिद केो तोड़ने के रूप में। सरकार देश को धर्मनिरपेक्ष नहीं देखना चाहती। सरकार का एजेंडा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने का है, इसलिए बेहतर हो कि केंद्र सरकार एक कानून लेकर पहले देश को मस्जिद विहीन करे, बाद में देश को हिन्दू राष्ट्र बनाये। न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी। देश के 20 करोड़ से ज्यादा मुसलमानों को भी हिंदुस्तान से बेदखल कर दुनिया के तमाम मुस्लिम राष्ट्रों में तकसीम कर देना चाहिए। सरकार ये कर सकती है। सरकार के तमाम मुस्लिम देशों से मैत्रीपूर्ण रिश्ते भी हैं। लेकिन सरकार ऐसा कर नहीं पायेगी। इस समय देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है। डेढ़ साल से मणिपुर यदि जल रहा है तो केवल केंद्र और राज्य सरकार की नाकामी की वजह से। मणिपुर में धार्मिक स्थलों को जिस तरह से तबाह किया गया है उसकी कोई मिसाल हमारे इतिहास में नहीं मिलती। क्या भविष्य में मणिपुर की तरह उत्तर प्रदेश या दूसरे सूबों में दूसरे धर्म के पूजा स्थलों को आग के हवाले किया जाएगा? क्या उनकी नीवों को सर्वे के नाम पर खोदा जाएगा? क्या जानबूझकर वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन की कोशिश की जाएगी? ये ऐसे तमाम सवाल हैं जिनके उत्तर इस देश के अल्पसंख्यक ही बल्कि बहुसंख्यक समाज को भी चाहिए।

संसद का शीत सत्र शुरू हो चुका है। देखना ये है कि संसद में देश की भलाई के लिए कोई काम होता है या फिर संसद हिन्दू-मुसलमान करती रह जाएगी। ये देश इस मामले में बदनसीब है कि इसे आजादी के पहले भी साम्प्रदायिक हिंसा की आएग में जलना पड़ा और आजादी के 77 साल बाद भी यहां बहराइच और संभल काण्ड हो रहे हैं। सांप्रादियक हिंसा से ग्रस्त इलाकों में शान्ति स्थापना केलिए हमारे पास सशस्त्र बल हैं, बंदूकें हैं, आंसू गैस के गोले हैं, लाठियां हैं लेकिन कोई गांधी नहीं है जो वहां जाकर उपवास कर सके। लोगों से शांति की अपील कर सके। हमारे पास आज गांधी जी नहीं, मोदी जी हैं और मोदी जी संभल जाने से रहे, उन्हें उपवास करना आता ही कहाँ है / वे तो हिमालय की कंदराओं में ध्यान लगा सकते हैं । उन्हें तो डेढ़ साल से धधक रहे मणिपुर जाने की फुरसत नहीं है। हे भगवान इस देश की रक्षा कीजिये।

वैश्विक संघर्ष से भारत की आर्थिक चिंताएं

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझे हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडा शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढे के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवंबर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रुख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमतें बढ़ी हैं। एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढे लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इजरायल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढे पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवंबर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा, तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढे का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी, तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढे के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढे का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढे पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढे का रुझान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढकर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं। सितंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढकर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढकर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी।

सारण में 42 स्थलों पर माइक्रो-फाइलेरिया की जाँच के लिए लिया जायेगा ब्लड सैंपल

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। फाइलेरिया को जड़ से मिटाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है। इसको लेकर विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। हर साल फाइलेरिया से बचाव के लिए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम चलाया जाता है। सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम से पूर्व जिले में नाइट ब्लड सर्वे किया जाता है। जिससे माइक्रो फाइलेरिया के बारे में पता लगाया जाता है। फिर से जिले में नाइट ब्लड सर्वे किया जाना है। इसको लेकर जिले के प्रत्येक प्रखंड में एक सेंटिनल साइट तथा एक रैंडम साइट बनाया गया है। जिले में कुल 42 साइट चयनित किया गया है। जहां नाइट ब्लड सर्वे के दौरान 20 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों का ब्लड सैंपल लिया जायेगा। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर सदर अस्पताल स्थित जीएनएम स्कूल

परिसर में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सीएचओ और एएनएम को प्रशिक्षण दिया गया।

रात में हीं शरीर में एक्टिव होता है माइक्रो-फाइलेरिया

प्रशिक्षण देते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोर्डिनेटर डॉ. माधुरी ने बताया कि सामान्य व्यक्ति के शरीर में माइक्रो फाइलेरिया की पहचान रात में ही हो सकता है। क्योंकि रात में ही किसी व्यक्ति का शरीर आराम की अवस्था में रहता है। ऐसे समय में ही शरीर में उपलब्ध माइक्रो फाइलेरिया खून में एक्टिव अवस्था में होते हैं। इस समय जांच करने से उनमें शामिल माइक्रो फाइलेरिया की पहचान हो सकती है। जिसे मेडिकल सहायता प्रदान करते हुए सुरक्षित किया जा सकता है।

मुखिया-चौकीदार और जनप्रतिनिधियों का लिया जायेगा सहयोग:

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे से पहले सोशल मोबलाइजेशन आवश्यक है। इसको लेकर पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य, चौकीदार, विकास मित्र के सहयोग जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। इसके साथ हीं आशा कार्यकर्ता और आंगनबाडी सेविका द्वारा घर-घर जाकर नाइट ब्लड सर्वे की जानकारी दी जायेगी। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग साइट पर आकर अपना ब्लड सैंपल दे सके। उन्होने बताया कि इसके लिए 5 सदस्यीय टीम का गठन किया जायेगा। जिसमें लैब टेक्निशियन, एएनएम, बीसीएम, सीएचओ, आशा कार्यकर्ता शामिल होंगी। साथ हीं प्रखंड स्तर पर माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। सोशल मोबलाइजेशन में सीएचओ की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। साथ हीं सुपरविजन के लिए जिलास्तर पर टीम गठित किया जायेगा। टीम की जिम्मेदारी होगी कि क्षेत्रों में जाकर जांच करेगी कि नाइट ब्लड सर्वे बेहतर ढंग से चल रहा है या नहीं।

प्रत्येक प्रखंड में बनाया गया दो-दो साइट:

जिला वेक्टर जनित रोग सलाहकार सुधीर कुमार ने बताया कि जिले में प्रत्येक प्रखंड में 1 सेंटिनल तथा 1 रैंडम साइट बनाया गया है। यह साइट माइक्रो- फाइलेरिया के मर-ीजों के संख्या के आधार पर बनाया गया है। प्रत्येक साइट पर 300 लोगों का सैंपल लिया जाना है। चार दिनों में प्रत्येक साइट पर 20 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों का सैंपल कलेक्शन किया जायेगा

अवैध खनन को ले मुख्यालय और सारण प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मौके से 6 माफिया हुए गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। खनन विभाग के अधिकारियों एवं जिलाधिकारी सारण अमन समीर के नेतृत्व में अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी मात्रा में अवैध बालू को जप्त किया गया है, और मौके पर छः बालू माफियाओं को भी गिरफ्तार करने में सफलता मिली है ' इस कार्रवाई से अवैध कारोबार करने वाले माफियाओं में हरकंप व्याप्त है ' जप्त अवैध बालू कीमत लगभग ढाई करोड़ आँकी गई है ' बता दें कि सारण प्रशासन द्वारा बालू माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती रही है ' प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की अर्धरात्रि में जिलाधिकारी अमन समीर एवं खान एवं भूतत्व विभाग के डायरेक्टर विनोद दोहन, सदर एसडीओ लक्ष्मण तिवारी, डीएसपी सदर राजकिशोर सिंह, सहायक निदेशक सर्वेश कुमार, खनिज विकास पदाधिकारी शंभू साहू, सारण के खनिज विकास पदाधिकारी लाल बिहारी प्रसाद, डोरीगंज अवतार नगर मुफस्सिल थाना के पुलिस पदाधिकारी के अलावा पुलिस लाइन सारण से सैकड़ो पुलिस की संख्या में डोरीगंज स्थित सिंगही घाट पर छापेमारी की गई ' बालू माफियाओं के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई में डुमरी अड्डा निवासी अंकित कुमार, डोरीगंज थाना अंतर्गत झुमर डाला निवासी प्रेम कुमार, इसी थाना क्षेत्र के सिंह निवासी सुबोध कुमार, मिथिलेश कुमार एवं सावन कुमार के साथ एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है ' डोरीगंज थाना द्वारा गिरफ्तार किए गए अवैध बालू कारोबारी के विरुद्ध खनन एक्ट के तहत प्राथमिक की दर्ज कर जेल भेज दिया है।

गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ के क्रम में डोरीगंज थाना क्षेत्र के सिंगही निवासी अजय राय, शशि राय, मुकेश राय, संतोष ठाकुर, रंजन राय, गुड्डू राय, इंद्रजीत राय,बबलू कुमार आदि द्वारा अवैध बालू का भंडारण किया जाता था ' इन तस्करों को भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है ' छापामारी के दौरान अवैध बालू लगे चार ट्रक को भी जप्त कर,उन पर 33 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है ' मालूम हो कि मुख्यालय और जिला प्रशासन के संयुक्त योजना बद्ध तरीके से रात्रि में बालू माफियाओं के खिलाफ यह ऑपरेशन चलाया गया ' जिसका परिणाम भी सकारात्मक मिला है ' सारण के जिलाधिकारी अमन समीर के नेतृत्व और विभागीय पदाधिकारियों के इस संयुक्त ऑपरेशन से बालू माफिया के होश उड़ गए हैं ' मिली जानकारी के अनुसार डोरीगंज के आसपास लगातार अवैध बालू का भंडारण कर फर्जी चलान के माध्यम से सप्लाई करने की शिकायत है, जिसको लेकर मुख्यालय भी गंभीर है और अपने स्तर से निगरानी की जा रही है ' सरकार एवं जिला प्रशासन अवैध बालू खनन रोकने को लेकर गंभीर है ' ऐसी भी जानकारी मिली है कि इस व्यवसाय से जुड़े बड़े माफियाओं की जानकारी ली जा रही है ' इन माफियाओं पर विभागीय धाराओं के तहत कार्रवाई कर इनके बैंक बैलेंस से लेकर अर्जित संपत्ति पर भी इनकम टैक्स आदि की जांच की जाएगी, तत्पश्चात संपत्ति जब्ती की भी कार्रवाई की जा सकती है ' फिलहाल सरकार और जिला प्रशासन के इस बड़े कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार करने वाले अंडरग्राउंड हो चुके है।

संक्षिप्त खबरें

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में दो सर्टिफिकेट कोर्स की शुरूआत

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। राजनीति विज्ञान विभाग, जे.पी.यू. द्वारा दो सर्टिफिकेट की शुरूआत की जा रही है, जिसमें पहला, मानवाधिकार) तथा दूस-रा, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं कूटनीति है। दोनों सर्टिफिकेट कोर्स 06-06 माह के होंगे ।इस आशय की जानकारी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विभु कुमार ने दी तथा कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में ये सर्टिफिकेट कोर्स करने से अनेकों क्षेत्रों में नौकरी मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं ।इसमें शिक्षण/प्रशिक्षण हाइब्रिड मोड में करवाने की व्यवस्था है। किसी भी विषय में 45% अंक के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थी, इसमें नामांकन करा सकते हैं। इसके साथ ही बीए/ बी. कॉम./बीएससी या एमए/ एमएसी/ एम.कॉम या पीएचडी के विद्यार्थी भी इसमें नामांकन करा सकते हैं ।आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है ।विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जीएमसीएच ले जाने के क्रम में हुई मौत

बगहा। बगहा में सड़क दुर्घटना में घायल युवक की जीएमसीएच बेतिया ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई है । घटना टाउन थाना क्षेत्र के बड़गांव टेंगराहा पुल के समीप की है जब तेज रफ़्तार अनियंत्रित वाहन नें बाइक के साथ सड़क किनारे खड़े युवक कों रौंद दिया जिसके बाद गंभीर हालत में उसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया फर्स्ट एड के बाद चिकित्स्कों नें उसे जीएमसीएच रेफर कर दिया लेकिन इलाज के लिए जा रहें जख़्मी युवक नें रास्ते में हीं दम तोड़ दिया ।बतादें की सड़क हादसे में मृत छात्र कोटा राजस्थान में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था जो फाइनल ईयर का छात्र था और अपने घर आया था इसी दौरान बीती रात यह घटना घटी है जिसके बाद परिजनों में कोहराम मचा है। इधर नगर थाना की पुलिस ने शव कों अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू किया है।

इग्नू अध्ययन केन्द्र पर इंडक्शन मीटिंग आयोजित

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय के. सी. टी. सी. महाविद्यालय में इंदिरा गाँधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी अध्ययन केन्द्र 46020 पर सत्र जुलाई 2024 में नामांकित विद्यार्थियों के बीच इंडक्शन मीटिंग हुई। जिसकी अध्यक्षता केसीटीसी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनीता सिन्हा ने की। इग्नू केन्द्र-46020 के समन्वयक डॉ. इन्द्रभूषण ने इग्नू में नामांकन की लचीली प्रक्रिया संबंधी जानकारी दी। इंडक्शन मीटिंग में मुख्य अतिथि इग्नू अध्ययन केन्द्र दरभंगा के सहायक निदेशक डॉ. आकाश अवस्थी ने कहा कि इंडक्शन मीटिंग छात्रों को समृद्ध, शैक्षणिक अनुभव प्रदान करता है। इग्नू के पाठ्यक्रमों में उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री उपलब्ध होती है। पाठ्यक्रमों में रोजगार, योग्यता व कौशल की जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है। मौके पर सह-समन्वयक डॉ. काजल कुमारी सह-समन्वयक प्रवीण कुमार प्रो प्रेम प्रकाश, डॉ. जीछू पासवान, डॉ. जगदीश प्रसाद गुप्ता मो. बद्रे आलम, कुमार अमित, शर्मा प्रसाद, संजीत कुमार, सुनिल कुमार सिन्हा, नीरज कुमार सिंह श्रीकृष्णा प्रसाद राकेश कुमार, राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल में भाग लेने वाली बिहार टीम का 25 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

- सारण के संत जलेश्वर एकेडमी पहुंची चयनित विभिन्न जिला से 24 खिलाड़ी

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। तमिलनाडु के डिंडीगुल में 23 दिसंबर से आयोजित 46 वी जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बिहार टीम का आवासीय प्रशिक्षण शिविर सोमवार सारण बनियापुर के संत जलेश्वर एकेडमी लौवा में शुरू हुआ। सारण जिला हैंडबॉल संघ के प्रधान संरक्षक सह चेयरमैन बिहार हैंडबॉल संघ विधान पार्षद इंजीनियर सच्चिदानंद राय के मार्गदर्शन में शुरू हुए आवासीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या अनुपमा मिश्रा एवं बिहार हैंडबॉल संघ के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा ने ग्राउंड पूजन के साथ नारियल फोड़ कर किया । मौके पर राजकिशोर राय , सारण जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष कृष्णमोहन सिंह , जिला सचिव संजय कुमार सिंह , बिहार हैंडबॉल के प्रशिक्षक संजीव कुमार , अभिषेक कुमार सिंह के अलावे हरेराम झा, राजा कुमार सिंह , मुकेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। बिहार हैंडबॉल के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा ने बताया कि बिहार के चयनित बालिका टीम जीत की तैयारी में पिछले माह से लगी हुई है । इसी अभियान के तहत पहले 18 दिवसीय शिविर के बाद यह दूसरा आवासीय शिविर 25 दिन का लगाया जा रहा है। जिसमें सारण से निधि , तृप्ति, मुस्कान , नसीमा , पम्मी , पटना से सिमरन , सोनी , मानसी,सोनाली, बेगुसराय से कोमल, नवादा से सुरुचि, पूजा, जहानाबाद से सारिका , कैमूर से गोल्डी, पूजा , पूर्णिया से सोनम , पूर्वी चम्पारण से निधि, , वैशाली से रिया , कोमल, सपना ,मानसी , शेखपुरा से राधिका एवं सोनम शामिल है।

भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन कर दर्शन शास्त्र के विद्यार्थी होंगे मालामाल, नौकरी की है आपार संभावना

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा सदर। भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन कर दर्शन शास्त्र के विद्यार्थी होंगे मालामाल इस क्षेत्र में

नौकरी की आपार संभावना है ।बताते चले कि दर्शन शास्त्र के छात्रों के लिए एक बहुत ही अच्छा मौका हाथ लग रहा है। कभारतीय ज्ञान परम्परा एक नए विषय के रूप में स्थापित हो रहा है ।आने वाले दिनों में इसमें बंम्पर वैकेंसी आयेगी। उसमें दर्शन शास्त्र के वैसे उम्मीदवारों की नियुक्ति होगी जोकभारतीय ज्ञान परम्परा में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स धारक होंगे। सौभाग्य से जयप्रकाश विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में भारतीय ज्ञान परम्परा का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू हो रहा है। इसके लिए छात्र को जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के वेवसाईट पर जाकर आवेदन कर सकते है। भारतीय ज्ञान परम्परा विषय में एन ई टी के लिए भी आवेदन करे। दर्शनशास्त्र के छात्र इसमें नेट के लिए अप्लाई कर सकते हैं ।इसका सिलेबस दर्शन शास्त्र की तुलना में बहुत ही कम है। क्वालीफाई करने पर यूजीसी के अलावा अन्य कई संसथानो से जेआरएफ मिलने का विकल्प है ।साथ ही निकट भविष्य में यह कंपल्सरी विषय के होने जा रहा है ।निकट भविष्य में बंपर वैकेंसी की संभावना है। पहले से तैयारी कर लेना चाहिए ताकि समय आने पर पछताना नहीं पड़े।

इसके अलावा जयप्रकाश विश्वविद्यालय सरकार से पहल कर रहा है कि कभारतीय ज्ञान परम्परा में सर्टिफिकेट धारी व्यक्ति को हेरिटेज गाइड का लाईसेंस दिया जाय। इससे पर्यटन और अन्य विभागों में नौकरी के अलावा धार्मिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक नगरों में अच्छी आय वाला स्वरोजगार का अवसर का भी विकल्प होगा। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से नियुक्ति का अवसर भी मुहैया कराएगा।

जहां तक नामांकन की फीस का सवाल है विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परम्परा में नामांकन कराने वाले छात्रों को आंशिक भुगतान का विकल्प दिया है। छात्र अधिकतम छः किस्तों अपनी संपूर्ण शुल्क राशि का भुगतान कर सकते है। विशेष परिस्थिति में उङ्क४१२ी कोर्स कोडीनेटर भारतीय ज्ञान परम्परा फीस के भुगतान के लिए आर्थिक सहायता हेतु वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते हैं ।कोई भी रेगुलर कोर्स करते हुए साथ साथ भारतीय ज्ञान परम्परा का कोर्स भी किया जा सकता है ।इसकी अवधि छः महीने की है। बताते चले कि आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर है।

जयंती सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण्य महोत्सव के तत्वावधान में पत्रकार सकलधारी प्रसाद चौरसिया जयन्ती सह सम्मान समारोह का आयोजन मेथवलिया सकलधारी प्रसाद चौरसिया आईटीआई में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईजी विकास वैभव आईपीएस, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉक्टर प्रमेंद्र रंजन सिंह, उप मेयर रागिनी कुमारी, हरेन्द्र सिंह, अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज, महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, सोनम मिश्रा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। पत्रकार सकलधारी प्रसाद चौरसिया के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवम पुष्पांजलि अर्पित कर सभी ने उन्हें श्रद्धान्जली अर्पित किया। मुख्य अतिथि आईजी विकास वैभव आईपीएस तथा विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉक्टर प्रमेंद्र रंजन सिंह को सारण्य महोत्सव अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज तथा महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल ने अंगवस्त्र तथा पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि आईजी विकास वैभव आईपीएस ने सभा को संबोधित करते हुए कहा सारण्य महोत्सव सारण की सभ्यता तथा संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए काम कर रही हो जो सराहनीय है। सारण की धरती पर अनेक विभूतियों ने जन्म लिया है उनसे हम सभी को प्रेरणा मिलती है, यदि हम उनकी कही बातों को आत्मसात कर ले तो हमारे उज्वल भविष्य में कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं हो सकेगा। जात-पात से उपर उठकर बिहार के पुराने वैभव को वापस लाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉक्टर प्रमेंद्र रंजन सिंह ने सारण्य महोत्सव द्वारा किए गए कार्यो की उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अपने सम्बोधन में विशेषकर कहा अपने बच्चों पर पढ़ाई का बोझ न डालें, बच्चे जिस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे है उन्हें उसी क्षेत्र में प्रोत्साहित करें तभी बच्चे जीवन में सफल होंगे। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से उप मेयर रागिनी कुमारी, चाँदनी प्रकाश, हरेंद्र सिंह, चन्द्र प्रकाश राज, श्याम बिहारी अग्रवाल, सुभाष ओझा, देवेश कुमार सिंह, अमितेश कुमार, राकेश कुमार मिश्रा, प्रियन्का कुमारी, डॉ. अंजली सिंह, सोनम मिश्रा, मनोज वर्मा संकल्प, विकी आनंद, डॉक्टर विकास कुमार सिंह, बंटी सिंह, विनोद कुमार गुप्ता, अतुल कुमार सिंह, धर्मनाथ पिन्टु आदि मुख्य रूप से सम्मानित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्र प्रकाश राज ने किया। आगत अतिथियों का स्वागत महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज वर्मा संकल्प तथा बंटी सिंह ने किया।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवतार नगर थानान्तर्गत चोरी की मोटरसाईकिल एवं कुल 130 ली0 देशी शराब बरामद कर 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को अवतारनगर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाईकिल पर बोरा में देशी शराब लेकर ग्राम बलुआ दियर से ग्राम मोजमपुर फुलवरिया टोला के तरफ आ रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम मौजमपुर फुलवरिया टोला पहुँच कर गंगा होटल के पास से उक्त व्यक्ति अरूण राय, पिता स्व० हीरालाल राय, ग्राम बलुआ, थाना- डोरीगंज, जिला- सारण को हिरासत में ले कर तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में मोटरसाईकिल पर रखे बोरे से 130 ली० देशी शराब बरामद कर मोटरसाईकिल के बारे में पुछ-ताछ किया गया तो अरूण कुमार के द्वारा बताया गया कि यह मोटरसाईकिल चोरी का है, तथा इसी से शराब का परिवहन करते हैं। इस संबंध में अवतारनगर थाना कांड सं0-352/24, दिनांक-25.11.2024 धारा-317 (2) बी०एन०एस० एवं 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः-

1. अरूण राय, पिता- स्व० हीरालाल राय, ग्राम बलुआ, थाना- डोरीगंज, जिला- सारण।

जप्त / बरामद सामानों की विवरणी

1. देशी शराब-130 लीटर, 2. मोटरसाईकिल-01ढ, टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी पु०अ०नि० शशिरंजन थानाध्यक्ष अवतारनगर थाना, पु०अ०नि० गणेश चौधरी एवं थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

स्कूली बच्चों ने क्षेत्र भ्रमण विधि से किया फसलों का अध्ययन

आदापुर। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा -2005 के अनुसार बच्चों के लिए शिक्षण विद्यालयों की चहारदीवारी से बाहर भी कराया जाना है। बस इसकी एक बानगी दरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत यूएमएस बीएमसी पीपरा उर्दू में सोमवार को दिखाई दी, जब स्कूल की चहारदीवारी से दूर खेतों में बच्चों ने फसलों का अवलोकन एवं प्रेक्षण किया। बच्चों का नेतृत्व शिक्षक शिव शंकर गिरि ने की। बता दें कि बच्चों ने स्कूल के नजदीक के खेतों में आलू, खीरा, धनिया, मिर्च, लहसुन, प्याज, गोभी आदि का अवलोकन किया। वहां उन्होंने बोआई, निराई, सिंचाई आदि के महत्व को व्यवहारिक ढंग से समझा। बच्चों को बताया गया कि आलू एक जड़ सब्जी है जिसके तना को खाया जाता है।

उक्त बाबत प्रधानाध्यापक मरगुब आलम ने बताया कि व्यावहारिक ज्ञान अक्सर व्यक्तिगत अनुभव के माध्यम से किसी अवधारणा की गहरी समझ की ओर ले जा सकता है। यह सीखे गए ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में कैसे लागू किया जाना चाहिए,का ज्ञान कराता है। मौके पर फैसल रहमान, आबिद आलम, खुशी आलम, साबीर आलम, सौहैल आलम, ईरशाद आलम, नूरसाबा खातून, सानिया अंजुम, रेशमा खातून, शबाना खातून, प्रियांशु कुमारी, निक्की कुमारी, शबनम खातून, गुलनाज खातून सहित दर्जनों बच्चे मौजूद थे।

तीसरे दिन का क्रिकेट मैच संपन्न

प्रातः किरण, संवाददाता

सारण । राजेन्द्र स्टेडियम छपरा में खेल जा रहे सारण जिला सिनियर क्रिकेट लीग प्रतियोगिता आज तीसरे मैच के मुख्य अतिथि डॉ. ओंकार नाथ (एम डी) के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त की मुख्य अतिथि डॉ ओंकार नाथ जी को सारण जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव चन्दन शर्मा एवं पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा सुशील कुमार सिंह ने शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया ।

आज का मैच छपरा क्रिकेट अकेडमी बनाम लायंस क्रिकेट अकेडमी के बीच खेला गया जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छपरा क्रिकेट अकेडमी 25 ओवर 7 विकेट पर 222 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसमें अंशु राज सिंह 64 चन्दन 48 बृजेश 34 ऋतिक 19 समीर 11 रन बनाए गेंदबाजी करते हुए लायंस क्रिकेट अकेडमी के तरफ से हर्षवर्धन 2 मानवेंद्र 2 अर्जुन और श्यामबिहारी 1 विकेट लिए जवाब में खेलने उतरी लायंस क्रिकेट अकेडमी 21.2 ओवर में पूरी टीम महज 93 रनों पर सिमट गईं जिसमें मानवेंद्र 26 सन्तोष 15 सागर 10 रनों का स्कोर किया गेंदबाजी करते हुए छपरा क्रिकेट अकेडमी के तरफ से हर्षित 3 मयंक 2 ताबिश इकबाल 2 रोहित और समीर 1 विकेट लिए छपरा क्रिकेट अकेडमी ने लायंस क्रिकेट अकेडमी को 129 रनों से हराया मैन ऑफ द मैच अंशु राज सिंह को दिया गया 64रन बनाए इस अवसर पर सारण जिला क्रिकेट संघ। के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार सिंह पूर्व उपाध्यक्ष बिहार विभूति नारायण शर्मा पॉल इस्माईल राजन प्रसाद यादव अतुल तिवारी कैशर अनवर रवि राय खालिद राजू सागर कुमार विशाल राय कुन्दन क्रिकेट अंपायर राहुल यादव गुड्डू यादव ऑनलाइन स्कोरिंग हनी सिंह थे इसकी जानकारी सारण जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव चन्दन शर्मा ने दी

जिले में नाईट ब्लड सर्वे की हुई शुरूआत खोजे जा रहे हैं फाइलेरिया के संभवित मरीज

- रात्रि 8:30 से 12:30 तक की जा रही है जाँच
- 2870 लोगों की हो चुकी है जाँच

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।फाइलेरिया की रोकथाम के लिए जिले भर के सभी 18 प्रखंडो में उत्सवी माहौल में ना-ईट ब्लड सर्वे कार्यक्रम की शुरूआत की गईं है। बेतिया में रात्री पट्ट संग्रह का शुभारंभ रैंडम साइट अम्बेडकर नगर से अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने किया।

मौके पर डॉ चंद्रा ने कहा की 30 नवंबर तक कार्यक्रम चलने वाला है जिसमे फलेरिया रोगी के पहचान के लिए पश्चिम चम्पारण के सभी 18 ब्लॉक के रैंडम एवं तथा सेंटीनल साइट से 300-300 स्लाइड लेना है। जिसके जाँच उपरांत फलेरिया रोगी की पहचान हो पाती है। इसके लिए टीमें बनाई गई हैं, जो रात में लोगों के खून का सैंपल लेकर फाइलेरिया संक्रमण का पता लगाएंगे, क्योंकि इसका जीवाणु माइक्रोफाइलेरिया रात में ही सक्रिय होता है। जिले के भीडीसीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि हर ब्लॉक के दो क्षेत्रों से रक्त के नमूने लिए जाएंगे। इसमें एक क्षेत्र वह होगा, जिसमें पूर्व में फाइलेरिया रोगी मिले हों। उन्होंने बताया कि इसमें 20 साल से अधिक आयु की महिलाओं एव पुरुषों का सैंपल लिया जाएगा। सैंपल लेकर रक्त पट्टिका बनाई जाएगी। इसका उद्देश्य फालेरिया रोगी मिलने पर उसका तत्काल इलाज मुहैया कराकर जिले को इस रोग से मुक्त बनाना है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की 2870 लोगों की जाँच की जा चुकी है।

फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है जो कभी ठीक नहीं होता है। इसे समय पर पहचान कर इसके प्रकोप को नियंत्रित किया जा सकता है। यह क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है।

इसके लक्षण है कई दिन तक रुक-रुक कर बुखार आना। शरीर में दर्द एवं लिम्फ नोड (लसिका ग्रंथियों) में सूजन, हाथ, पैरों में सूजन (हाथी पांव) एवं पुरुषों के अंडकोष में सूजन (हाइड्रोसील) वहीं महिलाओं के ब्रेस्ट में सूजन।

शुरूआती दिनों में पैरों में सूजन रहती है और रात में आराम करने पर कम हो जाती है। संक्रमित व्यक्ति में बीमारी के लक्षण पांच से 15 साल तक में दिख सकते हैं।

फाइलेरिया से बचाव के उपायः

लक्षण लगने पर समय से जांच कराकर इलाज शुरू कर दें। साल में एक बार सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान दवा सेवन लगातार पांच वर्ष तक हर साल कर बचा जा सकता है। फाइलेरिया के मच्छर गंदी जगह पर पनपते हैं। इसलिए मच्छरों से बचाव करें। साफ सफाई रखकर मच्छर से बचने के लिए फुल आस्तीन के कपड़े पहनें। रात में सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

नगर प्रशासन ने सड़क अतिक्रमण हटाने को लेकर माइकिंग कर किया नगरवासियों को आगाह

परसा। नगर प्रशासन ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से माइकिंग के माध्यम से परसा मुख्य बाजार के दुकानों के सामने गाड़ी, ठेला नहीं लगाने को लेकर आगाह किया । हालांकि लगन शादी विवाह को लेकर परसा बाजार के हाइवे मार्ग पर सड़क जाम हटाने के लिए तत्पर दिखे । नगर कार्यपालक पदाधिकारी रजनीश कुमार,थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से पुलिस दल के साथ परसा चौक से हाइस्कूल चौक तक तैनात दिखे ।कार्यपालक पदाधिकारी रजनीश कुमार ने कहा कि परसा बाजार के सभी दुकानदार अपने दुकान के सामने कोई भी गाड़ी न लगावे ना लगाने दे। उन्होंने माइकिंग के माध्यम से लोगों को बताया कि दो दिनों के अंदर लोगों स्वेच्छा से सड़क को अतिक्रमण मुक्त कर दे । वरना नगर प्रशासन अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए लोगों को पांच हजार रुपए व स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए बीस हजार रुपए नगर प्रशासन को देना होगा । इस दौरान थानाध्यक्ष सुनील कुमार,नगर कर्मी मो जमीद, अमीन सुनील सिंह,सफाई जमादार पवन सिंह,अतिरिक्त पुलिसबल के साथ तैनात थे।

जिलाधिकारी अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति का किया गया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । जिलाधिकारी भोजपुर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति और उनके क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। चर्चा मुख्य रूप से पंचायती राज विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, जीविका, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, योजना विभाग, डीआरसीसी और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से संबंधित विषयों पर केंद्रित थी।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान पंचायत सरकार भवनों के निर्माण, अनुरक्षण और बिजली बिल भुगतान की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई, और जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। कल्याण विभाग की समीक्षा में सामुदायिक भवन-सह-वर्कशेड निर्माण कार्य की प्रगति का अध्ययन किया गया, और इसे तुरंत पूरा करने का आदेश दिया गया। साथ ही, जिन महादलित टोलों में सामुदायिक भवन का निर्माण नहीं हुआ है, वहां के लिए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी को प्रस्ताव तैयार कर तुरंत जिला कार्यालय भेजने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, सभी अंचलाधिकारियों को लंबित ठडउ को शीघ्र निर्गत करने का आदेश दिया गया।

गृह विभाग की समीक्षा में बबुरा और गिद्दा थानों के कार्यालयों के लिए भूमि की उपलब्धता पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी को जमीन चिह्नित कर इसे पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। भू समाधान पोर्टल की समीक्षा में सभी अंचलाधिकारियों और थानाध्यक्षों को पोर्टल पर लंबित मामलों की प्रविष्टि बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण में अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को विशेष कैंप आयोजित कर आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, फोटोयुक्त निर्वाचन सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों और जीविका समूहों को फॉर्म-06 संग्रहण में तेजी लाने का आदेश दिया गया।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन का पहला जिला सम्मेलन को लेकर किया गया प्रेसवार्ता

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला कार्यालय एस एन मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल, करमन टोला में डॉ स्मिता सिंह की अध्यक्षता में आगामी 30 नवंबर 2024 को होने वाले प्रथम जिला सम्मेलन के लिए प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें जिला अध्यक्षा ने सम्मेलन में होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की एवं जिला सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी माननीय अतिथियों का विस्तृत जानकारी एवं दूसरे जिला से आने वाले अतिथियों की भी जानकारी दी । साथ ही साथ कार्यक्रम का स्थल जो नागरिक प्रचारिणी है और समय 09.30 बजे से शुरू होगा इसकी भी जानकारी दी गई ।

इस सम्मेलन के लिए अध्यक्षा ने सभी प्राइवेट स्कूलों के प्राचार्य और निर्देशक महोदयों से यह भी आग्रह किया कि सभी लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले । और उस दिन सभी अपने विद्यालय को बंद रखे ताकि सभी का पूरा ध्यान इस होने वाले सम्मेलन में लग सके ।

भोजपुर अध्यक्षा डॉ स्मिता सिंह ने सभी से यह आग्रह किया है कि यह पुराना एसोसिएशन है यह आपका एसोसिएट है आप सभी को इस सम्मेलन में आमंत्रित करती हूं और जिन लोगों तक समय की अभाव में अगर हमारी टीम नहीं पहुंच सकी हूँ उनसे भी मै माफी मांगती हूँ और उन सबको निवेदन करती हूँ कि अपने जिला सम्मेलन में शामिल हो ।

इस प्रेस वार्ता में एन के पांडे (उप सचिव, भोजपुर), रबनवाज खान, अंकुर आनंद, निर्मल सर, ऋतु सिंह, उदय रमन सर, चंद्रभूषण सिंह, विमल कुमार सिंह, शहीद हसन, सतेंद्र कुमार सिन्हा, अशोक कुमार श्रीवास्तव, जितेंद्र आजाद, वसीम अख्तर, रजनीश कुमार, नागेंद्र कुमार राय आदि सम्मिलित हुए ।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार मजदूर की मौत

प्रातः किरण संवाददाता

दिनारा(रोहतास) : धनसोई-बक्सर मुख्य मार्ग पर सोमवार की सुबह करीब 8 बजे के आसपास धनसोई मोड़ के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार मजदूर की मौत घटनास्थल पर हो गई । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुस्तफापुर निवासी स्वर्गीय कसमुद्दीन अंसारी के 41 वर्षीय पुत्र असगर अंसारी सोमवार की सुबह करीब 8 बजे के आसपास साइकिल से मजदूरी करने के लिए जा रहा था । उक्त दौरान अज्ञात वाहन साइकिल सवार मजदूर में जोरदार टक्कर मार दी । जिस दौरान घटनास्थल पर ही साइकिल सवार मजदूर की मौत हो गई । जिसकी सूचना घटना के आसपास मौजूद लोगों ने स्थानीय थाना को दी । खबर की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया । जानकारी देते हुए दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से थाना क्षेत्र अंतर्गत मुस्तफापुर निवासी स्वर्गीय कसमुद्दीन अंसारी के 41 वर्षीय पुत्र असगर अंसारी की मौत हो गई ।

अंग्रेजी शराब व बाइक के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास) : कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत कछवां बाजार पर स्थित मैदान के पास से पुलिस ने शराब की डिलेवरी देने आए एक धंधेबाज को 12.78 लीटर अंग्रेजी शराब व बाइक के साथ गिरफ्तार कर ली है ।

थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि एक शराब धंधेबाज अंग्रेजी शराब की डिलेवरी देने फिल्ड के पास आया है । सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया । धधेबाज भोजपुर जिला के इमादपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोठिया ग्राम का मूल निवासी बताया जाता है । गिरफ्तार धंधेबाज के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया ।

दो वारंटी गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास) : कछवां पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि सवारी गांव निवासी महेंद्र यादव और दनवार निवासी बीरेंद्र यादव को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के विरुद्ध व्यवहार न्यायलय बिक्रमगंज से वारंट निर्गत था ।

लीगल सर्विसेज यूनिट फॉर चिल्ड्रेन के सदस्यों को प्रशिक्षण के लेकर हुई बैठक

छपरा कोर्ट। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धर्मेंद्र कुमार पांडे की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक यातायात सिविल सर्जन के प्रतिनिधि एडीसीपीयू कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस पदाधिकारी मौजूद थे। सचिव पांडे ने कहा कि लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रेन के गठन के उपरांत स्टेट होल्डर के साथ सदस्यों को प्रशिक्षण देने हेतु एक बैठक की गई। जिसमें सभी स्टेकहोल्डर को निर्देशित किया।

अवैध हथियार और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार मुफ्फसिल थाना के चकरहंसी गांव में हुयी गिरफ्तारी

प्रातः किरण संवाददाता

बक्सर ।अवैध हथियार और कारतूस के साथ दो लोगों को मुफसिल थाना द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही के पश्चात जेल भेज दिया गया।इस सम्बन्ध में सोमवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि मुफसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चकरहंसी गांव के अशोक सिंह के पुत्र मंटू सिंह एवं स्व. जय बहादुर सिंह के पुत्र प्रकाश कुमार अपने घर में अवैध हथियार तथा कारतूस रखे हुए है तथा प्रकाश कुमार सिंह अवैध हथियार की सप्लाई भी करते है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एसपी द्वारा एसडीपीओ धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त दोनों व्यक्तियों के घरों पर छापेमारी की गई तथा विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में मंटू सिंह के घर से एक दो नाली बंदूक तथा 10 जिन्दा कारतूस एवं 3 खाली खोखा बरामद किया गया तथा मंटू सिंह को विधिवत गिरफ्तार किया गया। बरामद हथियार के बारे में पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नही प्राप्त हुआ और न ही कोई वैध कागजात दिखाये गये।

इसी क्रम में प्रकाश कुमार सिंह के घर से एक व्यक्ति भागता हुआ दिखाई दिया जिसे सशस्त्र बल की मदद से पकड़ लिया गया उक्त व्यक्ति की विधिवत तलाशी लेने पर उनके कमर से एक लोडेड देशी पिस्टल बरामद किया गया जिसकी मैग्जीन में 5 जिन्दा कारतूस पाये गये संबंधित हथियार के बारे में पूछताछ करने पर इनके द्वारा भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

बरामद सभी हथियार एवं कारतूस के साथ दोनों व्यक्तियों को थाना पर लाया गया। इस संबंध में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 406/24 दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों व्यक्तियों के पास से दो नाली बन्दूक एक, देशी पिस्टल एक एवं 15 कारतूस बरामद हुआ है।

छापेमारी का नेतृत्व डीएसपी धीरज कुमार ने किया जबकि टीम में मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, नगर थानाध्यक्ष संजय सिन्हा, डीआईयू प्रभारी युसूफ अंसारी, एसआई विकास कुमार, रितिका, के अलावा मुफसिल और नगर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

128 लोगों पर धारा 126 के लिए पुलिस ने की अनुशंसा

काराकाट(रोहतास) । पैक्स चुनाव को लेकर कछवां पुलिस ने थाना क्षेत्र के 128 लोगों के विरुद्ध धारा 126 बीएन एस एस लगाने के लिए दंडाधिकारी से अनुशंसा की है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 के तहत, शांति भंग करने या लोक शांति भंग करने की आशंका होने पर, कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति से शांति बनाए रखने के लिए जमानत या बांड निष्पादित करने की मांग कर सकता है।

इसके अलावा, बीएनएस की धारा 126 के तहत, किसी व्यक्ति को गलत तरीके से रोकने के लिए भी सजा का प्रावधान है। बीएनएस की धारा 126 के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति किसी को गलत तरीके से रोकता है, तो उसे एक महीने तक की जेल या पांच हजार रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। किसी व्यक्ति को स्वेच्छा से बाधा पहुंचाकर उसे आगे बढ़ने से रोकना, सदोष रोकना कहलाता है। भूमि या जल पर किसी निजी मार्ग को बाधित करना, अगर कोई व्यक्ति सद्भावपूर्वक यह विश्वास करता है कि उसे बाधित करने का वैध अधिकार है, तो यह अपराध नहीं मानी जाती।

पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को पकड़ा

दिनारा(रोहतास) । पुलिस ने महुआ शराब के साथ दो लोगों को धर दबोचा । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत मऊ डिहरा निवासी वकील राम एवं हरिद्वार पासवान को 750 एमएल महुआ शराब के साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत यादव मोड़ के समीप से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों लोगों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

दिलबास अंसारी के निधन पर बोस फाउंडेशन ने शोक जताया

सासाराम(रोहतास) । नेताजी सुभाष चंद्र बोस फाउंडेशन ने कचहरी कैंपस में एक शोक सभा प्रो० हरिहर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कर सेवा निवृत शिक्षक(75) व बिक्रमगंज संसदीय क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी रहे दिलबास अंसारी की अचानक हृदय गति रुक जाने से निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट किया और 2 मिनट का मौन रख उनकी दिवंगत आत्मा की शांति व उनके चाहने वाले लोगों को सहनशक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने अपने शोक संदेश में बताया कि बीते 23 नवंबर को दिलवास अंसारी का निधन हो गया। उनके परिजनों ने उनके पैतृक गांव करगहर प्रखंड के धनेज गांव के कब्रिस्तान में नमाज अदा कर मिट्टी मंजिल 24 नवंबर को कर दिए ।मंजिल में शामिल बहुजन समाज के जिला प्रभारी महेंद्र सिंह ने भी गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से प्रो० हरिहर सिंह, जगदानंद सिंह, भरत प्रसाद गुप्ता, रमाशंकर सिंह गोविंद पांडे ,विनोद कुमार तिवारी, उपेंद्र राय सहित कई लोगों ने श्री अंसारी के निधन पर शोक जताया और उन्हें एक नेक इंसान बताया।

हथियार व चाकू के बल पर बाइक एवं हजारों रुपए की लूट

एकमा। स्थानीय थाना क्षेत्र के परसा गढ़ निवासी स्वर्गीय जगदेव प्रसाद के पुत्र हरिशंकर प्रसाद ने एकमा थाने में एक लिखित आवेदन देकर कहा है कि मेरा सोना चांदी की दुकान थाना क्षेत्र के फुच्ची खुर्द बाजार पर स्थित है हम अपनी दुकान बंद कर संध्या के 6:00 बजे अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान गंगवा व बदर जिम्मी गांव के समीप एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने मुझे ओवरटेक कर पिस्तौल और चाकू का भय दिखाते हुए मेरा मोटरसाइकिल जिसका नंबर बी आर जिरो फोर ए एच 3199 एवं नगदी 60 हजार रूपए लापड थापड़ से मार कर लूट कर फरार हो गए । पुलिस ने प्राथमिक की दर्ज कर मामले के जांच में जुट गई है।

प्रधान शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों का हो जल्द पदस्थापन

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) : परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश संयोजक प्रणय कुमार, प्रदेश कार्यकारी संयोजक नवनीत कुमार एवं प्रदेश संगठन महामंत्री शिशिर कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकार से मांग किया है कि प्रधान शिक्षकों की जल्द पदस्थापना की जाय। महासंघ के नेताओं ने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित प्रधान शिक्षकों ने हुई प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ये वहीं नियोजित शिक्षक हैं जो बरसों से सरकार की उपेक्षापूर्ण नीतियों का खामियाजा भोग रहे थे। उन्होंने बताया की बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कठिन परीक्षा को पास कर यह नियोजित शिक्षक जो प्रधान शिक्षक बनने वाले हैं। ये पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से अपने कार्यों को करेंगे। इनकी पदस्थापना में विलंब को लेकर चयनित प्रधान शिक्षकों में निराशा एवं असंतोष का भाव व्याप्त हो रहा है। जब तक इनकी पदस्थापना नहीं होती है तब तक यह राज्यकर्मी नहीं बनेंगे। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि शीघ्र उनकी पदस्थापना हो। प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के मूल वेतन में वृद्धि की मांग भी सरकार से की है। इस बाबत उन्होंने सरकार से मांग किया कि प्रधान शिक्षक का निर्धारित वेतन कई सहायक शिक्षकों के वेतन से कम हो रहा है। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि उनके मूल वेतन में वृद्धि हो ताकि ये संतुष्टि से अपनी सेवा दे सकें।

उमराह से लौटे जायरीन का कांग्रेस नेता अय्यूब खान ने किया स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : इस्लाम धर्म के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का मदीना की उमरा सफल यात्रा के बाद वापसी पर बिक्रमगंज से गए सभी दस जायरीनों का बिक्रमगंज शहर में अकीदतमंदों ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।इस मौके पर शहर के तमाम लोग,स्वजातीय बंधुओं,रिश्तेदारों ने उनलोगों के आवास पहुँच गले मिलकर खूब ज्यारतें की और मुबारकबाद पेश किए।परिवार व देश में भाईचारे सहित खुशहाली की खूब दुआएँ मांगीं।उमरा करके मक्का मदीना शरीफ से लौटे रोहतास जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मो. अय्यूब खान के पिता हुजूर अनीस खान एवं ससुर सह जदयू नेता मो.हसनैन खान के आने पर उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया।उनसे मिलने वालों का उनके घर तांता लगा हुआ है।मो.अय्यूब खान के पिता सेवानिवृत्त शिक्षक मो. अनीस खान,ससुर जदयू नेता मो. हसनैन खान,मो.सदरुद्दीन खान,सईद आलम,डॉ. महफूज आलम,नुसरत आलम,मो.कलीमुद्दीन और मौलाना गुलाम सरवर सऊदी अरब से उमराह करके वापस लौटे हैं।सासाराम रेलवे स्टेशन पर गरीब रथ से उतरते ही मो. अय्यूब खान तथा मुस्लिम समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर नगर के कश्मीरी मस्जिद के इमाम हाफिज व कारी मो. अजीमुद्दीन ने बताया कि इस्लाम के पांच अरकानों में से एक हज है।हज हर उस शख्स पर फर्ज है जो मक्का मदीना जा सकता हो और आ सकता हो।इस फर्ज अरकान हज को एक बार करना मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के लिए जिंदगी के सबसे बड़े सपने को पूरा करने जैसा है।हज यात्रा को जाने वाला का एक निर्धारित कोटा होता है,जितने लोग हज के लिए आवेदन करते हैं,वह सभी हज को नहीं जा पाते हैं।

मौके पर शमशाद खान,परवेज आलम,शेख कादिर,पीरो बड़ी मस्जिद के इमाम अब्दुल्लाह रहमानी कासमी,मो.आबिद,कलामुद्दीन शाह,रौशन खान,इरशाद खान,नेहाल कुरैशी,एक बाल खान,महताब आलम,बिहारी खान,इम्तेयाज शाह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

काजीपुर उच्चविधालय के संस्थापक की मनी 129 वीं जयन्ती

प्रातः किरण संवाददाता

डोरीगंज । सदर प्रखण्ड के काजीपुर गाँव स्थित उच्च विधालय काजीपुर के संस्थापक स्व रामदेव रावत की 129 वी जयन्ती मनायी गयी ।

इस अवसर पर अपने संबोधन मे विधालय के प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि स्व रावत एक महान समाजसेवी थे । उन्होंने बोकारो मे शिक्षक के पद पर कार्य किया एवं वहाँ से शिक्षण कार्य छोड़कर गाँव आकर इलाके के शैक्षणिक विकास के लिए 1946 मे अपने सहयोगियों के साथ काजीपुर उच्च विधालय की स्थापना की ।उनका जन्म 1895 ई० मे काजीपुर गाँव मे ही हुआ था ।इस अवसर पर उनके पौत्र समाजसेवी सह सरपंच प्रतिनिधि रजनीश कुमार ने अपनी श्रधा सुमन अर्पित की ।इस अवसर पर सभी आगत अतिथियों ने सर्वप्रथम विधालय प्रांगण स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया ।

नमस्ते बिहार के तहत कार्यक्रम आयोजित

मकेर (सारण) नमस्ते बिहार के तहत मकेर में एक कार्यक्रम हुआ जिसकी अध्यक्षता चंदन कुमार ने किया । नमस्ते बिहार के कार्यक्रम के तहत गृह विभाग के विशेष सचिव बिकाश बैभव का कैरियर स्टडी के संचालक प्रमोद कुमार ने अंगवस्त्र एवम माला पहनाकर स्वागत किया ,उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में उन्होंने युवाओं से आगे चलकर 2047 में भारत को विकसित भारत ,एवम बिहार के बेहतर भविष्य के निर्माण में योगदान देने की बात कही ,वही उन्होंने युवको से आह्वान किया कि जाति ,धर्म,एवम सम्प्रदाय से ऊपर उठकर एक समृद्ध बिहार की संकल्पना की बात कही , ।मालूम हो कि विकाश वैभव के द्वारा लेटस इंस्पायर अभियान की आगाज कर चुके हैं जिससे युवाओ में जोश खरोश के साथ भाग लेते हैं ।आगामी 8 दिसम्बर को नमस्ते बिहार के तहत राजेन्द्र एस्टेडिम में कार्यक्रम होगी , इस मौके पर चंदन कुमार, धर्मेंद्र शर्मा ,रवि कुमार शांडिल्य, देवेन्द्र सहनी, प्राचार्य प्रमेन्द्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

मनचले लड़कों ने की बदसलूकी

प्रातः किरण संवाददाता

परसा: थाना क्षेत्र के अंजनी चवर स्थित चिमनी पर काम कर रही ईट पथेरिन लड़की के साथ गांव के कुछ मनचले लड़के द्वारा बदसलूकी करने का मामला प्रकाश में आया है । घटना के बारे में चिमनी मुंशी बभनगवां निवासी सत्येंद्र कुमार सिंह ने चिमनी मालिक अजय सिंह को सूचित किया । तदोपरांत चिमनी मालिक गड़खा निवासी अजय सिंह ने पीड़ित पथेरिन लड़की, व मुंशी के साथ थाने पहुंच थानाध्यक्ष को घटना से अवगत कराते हुए न्याय की गुहार लगाई। वहीं अंजनी निवासी धीरज कुमार ने परसा थाने में दो नामजद और छह अज्ञात मनचलों पर मामला दर्ज कराया है।

युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है । मुंशी ने आवेदन में कहा है कि पथेरिन लड़की से बदसूलकी करने आए अंजनी गांव के ही अमित महतो,अजित महतो के आलावे छ अन्य लोगों ने पहले लड़की से बदसूलकी की ओर विरोध करने पर बड़ा मुंशी सत्येंद्र सिंह के गर्दन से सोने की सिकड़ी व 60 हजार रुपए नगदी छीन कर फरार हो गए ।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अग्रेत्तर करवाई में जुटी है।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–42 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 30.11.2024 के अपराहन 12:30 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराहन में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।

कार्य का विवरणी :–

क0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयॉ
1	S/F/F Cupboard & Modular Kitchen & Curtain rod in officer's flat (Type-D) (Block-08 flat No.-203,204 & 301) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25

➢ कार्य समाप्ति की अवधि : 20 दिन
➢ विशेष जानकारी हेतु बेबसाईट बेबसाईट **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** देखें या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि में सम्पर्क करें।

PR. No. 13282 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता,
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल,
भ0नि0वि0, पटना

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–36 वर्ष 2024–25

समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों/ख्याति प्राप्त फार्मो/निबंधित दुकानदारों/कम्पनियों (जिसे Cupboard and Kitchen के कार्य करने का अनुभव हो उसे विशेष प्राथमिकता दी जायेगी) से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 30.11.2024 के अपराहन 12:30 अपराहन बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 3:00 बजे अपराहन में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।

कार्य का विवरणी :–

क0	सामग्री का नाम एवं विशिष्टयॉ	मात्रा	इकाई	उद्वत की जानेवाली दर
1	S/F/F/ Cupboard & Modular Kitchen in B-Type quarter (Block-2 Flat No-107,108 & 109) at Gardanibagh, Patna for the year 2024-25			

विस्तृत जानकारी **state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है। कार्यपालक अभियंता
PR- 013277 (BCD) 2024-25
गर्दनीबाग भवन प्रमंडल, भ0नि0वि0, पटना

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. आरके सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित किया गया मिलेट्स व्याख्यान

विश्वविख्यात मिलेट्स मैन डॉ. खादर वली को सुनने कई जिलों से उमड़ी लोगों की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के कोइलवर प्रखंड स्थित बहियारा गांव में सोमवार को विश्वविख्यात मिलेट्समैन पद्मश्री डॉ.खादर वली ने आहार में बदलाव कर बिना दवा के किसी भी बीमारी का सफल उपचार करने का मंत्र दिया.

स्वस्थ भारत निर्माण की बुनियाद रखने को लेकर मिलेट्स आधारित आहार को अपनाने का पूरे देश में अभियान छेड़ने वाले भाजपा के संस्थापक सदस्य और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. आरके सिन्हा के मार्गदर्शन में विश्वविख्यात मिलेट्समैन पद्मश्री डॉ. खादर वली का व्याख्यान हुआ तो व्याख्यान को सुनने के लिए भोजपुर सहित पूरे शाहाबाद जनपद सहित राजधानी पटना और आसपास के जिले के सैकड़ो लोग उमड़ पड़े. बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पद्मश्री डॉ. खादर वली के व्याख्यान को गंभीरतापूर्वक सुना.

विश्वविख्यात मिलेट्समैन डॉ. खादर वली ने व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राचीन खान पान पद्धति को अपना कर सभी बिमारियों को दूर भगाया जा सकता है. उन्होंने मोटे अनाज पर आधारित आहार के सेवन से सभी बिमारियों के खात्मा का दावा किया. उन्होंने ज्वार, बाजड़ा, कोदो, कंगनी, रागी, सांवा जैसे मिलेट्स के फायदे बताये और उसके सेवन से अलग अलग कई बिमारियों को बिना दवा के खत्म करने के प्रोटोकॉल बताये. उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से यही भोजन स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सही भोजन था लेकिन एक विदेशी साजिश के तहत भारत में चावल और गेहूं की खेती को बढ़ावा दिया गया और देश को बिमारियों की आग में झोंक दिया गया. बाद में साजिश रचने वाली यही विदेशी कम्पनियां टेबलेट और इंजेक्शन बनाकर भारत में बेचने पहुँच गई. पद्मश्री डॉ. खादर वली ने कहा कि हमने वैसे कैसर पीड़ित को ठीक करके नई जिंदगी दी है जिसे डॉक्टर ने यह कहते हुए अस्पताल से घर भेज दिया था कि बस दो चार दिन की ही आपकी जिंदगी बची है. यह सब सिर्फ मोटे अनाज पर आधारित भोजन और वर्तमान आहार में बदलाव करके सम्भव कर दिखाया. उन्होंने कहा कि देश को स्वस्थ करने का अभियान लगातार चलता रहेगा और किसानो को मोटे अनाज की खेती की तरफ फिर से वापस लाना है.

पद्मश्री डॉ. खादर वली के मिलेट्स आधारित व्याख्यान का सफल आयोजन का नेतृत्व कर रहे पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. आरके सिन्हा ने कहा कि मोटे अनाज की तरफ किसानो को लौटने का अब समय आ गया है. जिस तरह से देश में शुगर, ब्लडप्रेसर, हृदय रोग, कैंसर जैसी भयानक बीमारियां पांव पसार चुकी है ऐसे में अब गेहूं और उजले चावल से किसानो को और नागरिकों को दूरी बनानी होगी. सौ साल पहले लोग ज्वार, बाजड़ा, कोदो, कंगनी, मडूआ, हरा सांवा पर आधारित खाना खाकर सौ साल से अधित की जिंदगी जीते थे. आज गेहूं, चावल जैसे अनाज खाकर लोग कई बिमारियों की चपेट में आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि मोटे अनाज की खेती के लिए न सिंचाई की जरूरत है, न कीटनाशक और खाद की आवश्यकता है. मोटे अनाज की तरफ चिड़ियों का झुण्ड जरूर आता है लेकिन उन्हें भगाना नहीं चाहिए. उनके विष्ठा मोटे अनाज की खेती का सबसे बड़ा उर्वरक है.

उन्होंने कहा कि मोटे अनाज की खेती के लिए कोई मौसम के इंतजार की भी जरूरत नहीं है. इसकी खेती कभी भी और किसी भी मौसम में की जा सकती है. पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. आरके सिन्हा ने किसानो को मोटे अनाज की तरफ लौटने का आह्वान करते हुए कहा कि ज्वार, बाजड़ा, कोदो, कंगनी, रागी, सांवा का बीज वे निःशुल्क उपलब्ध भी कराएँगे.

कुर्था में पैक्स अध्यक्ष पद के 25 प्रत्याशी मैदान में जबकि सदस्य पद के 86

- 36 सदस्य पद के प्रत्याशी निर्विरोध हुए निर्वाचित
- 29 मतदान केंद्रों पर 17651 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग
- 29 नवंबर को होगा मतदान व 30 नवंबर को मतगणना

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) प्राथमिक कृषि सहयोग साख समिति पैक्स चुनाव को लेकर एक तरफ जहां चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है तो दूसरी तरफ प्रशासनिक अधिकारी भी चुनाव को लेकर पूरी तरह से कमर कर चुके हैं निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान संपन्न कराने को लेकर प्रखंड के अधिकारी कृतसंकल्पित है बता दे की कुर्था प्रखंड के आठ पंचायत में विगत 29 नवंबर को होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर 29 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जहां 17651 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे प्रखंड निर्वाचित पदाधिकारी द्वारा प्राप्त आंकड़ों पर गौर करें तो कुर्था प्रखंड के आठ पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए 25 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि सदस्य पद के लिए 86 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं जबकि 32 सदस्य पद के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रखंड कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों पर गौर करें तो अध्यक्ष पद के लिए पिंजराबा पंचायत से तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि पिंजराबा पंचायत के 11 सदस्य पद के प्रत्यासी निर्विरोध निर्वाचित हुए वही धमौल पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि सदस्य पद के लिए 10 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए वही कोदमरई पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि 11 सदस्य पद के प्रत्यासी निर्विरोध निर्वाचित हुए जबकि बारा पंचायत से अध्यक्ष पद के चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में है वही सदस्य पद के 16 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं सचई पंचायत से अध्यक्ष पद के पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि 13 सदस्य पद के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं नदौरा पंचायत से अध्यक्ष पद के चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि सदस्य पद के 14 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं मानिकपुर पंचायत से अध्यक्ष पद के तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि सदस्य पद के लिए 21 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं निधवा पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि 22 सदस्य प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं हालांकि चुनाव को लेकर लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के मतदान केंद्र को अति संवेदनशील घोषित कर दी गई है जहां मतदान के दौरान सभी मतदान केदो पर सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था रहेगी।

भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय सदस्यता का सत्यापन किया गया:धर्मेंद्र तिवारी

प्रातः किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बैदराबाद अरवल में भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के नेतृत्व में सक्रिय सदस्यता सत्यापन की बैठक की गई इस बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार, जिला महामंत्री रामशीष दास ,चंदन कुशवाहा उपस्थित रहे।600 उजार्वान कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य बनाकर आज जिला अध्यक्ष के द्वारा सत्यापन कर सूची को प्रकाशित किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने बताया की पार्टी के जो सक्रिय सदस्य बने हैं वैसे कार्यकर्ता ही पार्टी के पदाधिकारी बनने के पात्र होंगे। अगर भारतीय जनता पार्टी के कोई कार्यकर्ता पार्टी के पार्टी के सक्रिय सदस्य बनना चाहते हैं तोअपने मंडल अध्यक्ष से संपर्क करअविलंब 30 तारीख से पहले बन सकते है।

इस कार्य को भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी प्राथमिकता देते हुए सक्रिय सदस्यता की संख्या में बढ़ोतरी करवाना सुनिश्चित करें सक्रिय सदस्य ही हमारी पार्टी के भविष्य के पदाधिकारी एवं कार्य का आधार होंगे। इस कार्य को पूरी मजबूती से पूर्ण करें। इस अवसर पर करपी मंडल अध्यक्ष संजीत सिंह,महामंत्री भरत यादव उपस्थित रहे।

उपचुनाव बेलागंज में एनडीए को जिताने में इंजीनियर अजय कुशवाहा का महत्वपूर्ण योगदान

प्रातः किरण संवाददाता

गया । विधानसभा उपचुनाव में बेलागंज विधानसभा चुनाव में आए परिणाम ऐतिहासिक रहा 35 वर्षों से लगातार मगध सम्राट के नाम से चर्चित रहे सुरेंद्र यादव के अवैध किले को ध्वस्त कर दिया गया राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा गर्म है कि बेलागंज में जदयू प्रत्याशी मनोरमा देवी की जीत में इंजीनियर अजय कुशवाहा की अहम भूमिका आ रही है उन्होंने ग्रामीण मंत्री अशोक चौधरी को सियासी समीकरण को समझ कर मनोरमा देवी को बेलागंज से जदयू प्रत्याशी बनाने और फिर उन्हें भारी मतों के अंतराल से विजई बनाने में एड़ी चोटी कर दिए थे चुनाव के पूर्व ऐसा क्यास लगाया जा रहा था बेलागंज सीट से इंजीनियर अजय कुशवाहा उपचुनाव लड़ेंगे लेकिन मंत्री अशोक चौधरी ने कुशवाहा को अनुभव और समाज में प्रभाव का अनुभव का लाभ लेने के लिए उन्हें रोक दिया। जिसका प्रत्यक्ष लाभ मनोरमा देवी को चुनाव में मिला बिधित हो 2020 में अतरी विधानसभा से जदयू का हार के पीछे के कारण अजय कुशवाहा ही रहे थे जदयू के वोटरों में सेंधवरी और दलित पिछड़ी जातियों को एक एक मुस्त वोट लेने में वह सफल रहे जिससे मनोरमा को हर का सामना करना पड़ा था यह भी क्यास लगाई जा रही है कि यहां तक की औरंगाबाद के सांसद अपने सहोदर भाई अभय कुशवाहा पर भी वे सियासी ताकत में और प्रभाव में भारी पड़े विदित हो की कुजापी की पंचायत के सभी बूथ संख्या 241, 43, 45,46 में जदयू की मत ज्यादा रहा है केवल 242 में थोड़ी पीछे रही है।

इमामगंज विधायक ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष से भेंट की

प्रातः किरण संवाददाता

गया। विधानसभा चुनाव जिताने के बाद इमामगंज विधायक दीपा मांझी ने सोमवार को सदस्यता ग्रहण ली इसके बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार,,उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी,विजय सिन्हा और विधानसभा अध्यक्ष से किया मुलाकात किया एवं सभी से आशिर्वाद लिया।

मृतक के परिजनों से मिले लोजपा नेता रामाज्ञा यादव

कुर्था (अरवल) ग्राम जगदीशपुर थाना कुर्था जाकर पुर्व प्रमुख अनील पासवान का पुत्र की गोली से मौत अपने रिश्तेदार के तिलक समारोह में गए हुए थे और ग्राम निजामपुर थाना कुर्था में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के पंचायत अध्यक्ष कमलेश पासवान जी पुत्र आकस्मिक निधन से दोनों परिवार से मिलकर ढांढस बंधायालोक जनशक्ति पार्टी रामविलास वरिष्ठ नेता श्री रामाज्ञा यादव साथ में यमुना प्रसाद यादव, अजय यादव, रामनारायण मंडल, जनकदेव यादव, जयप्रकाश सिंह इत्यादि।

अंतराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अरवल। महिला एवं बाल विकास निगम बिहार पटना एवं अरवल जिलापदाधिकारी के निदेशानुसार अरवल जिला अंतर्गत जिला प्रोग्राम पदाधिकारी की अध्यक्षता में बंशी प्रखंड के ग्राम पंचायत माली में अंतराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों को जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के द्वारा आज समाज में हो रहे महिलाओं पर हिंसा उन्मूलन को लेकर अपनी आवाज बुलंद करने को चर्चा की गई। उनके द्वारा हिंसा के अनेक प्रकार यथा , बाल विवाह , भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, मानव तस्करी, मानसिक हिंसा इत्यादि के बारे विस्तार पूर्वक चर्चा कि गई । इस मौके पर उपस्थित जिला परियोजना प्रबंधक, महिला विकास निगम के द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं यथा डरउ, ल्एह,181 इत्यादि के बारे बताई गई। कार्यक्रम के अंत में जागरूकता रैली को जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, उद्भट,जिला मिशन समन्वयक, केंद्र प्रशासक के द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर गांवों की ओर रवाना किया गया।

मगध एक्सप्रेस का परिचालन इसलामपुर से फिर से बहाल

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। विदित हो कि पिछले दिनों गाड़ी सं. 22.11.2024 से 05.01.2025 तक गाड़ी सं. 20802/20801 नई दिल्ली-इसलामपुर-नई दिल्ली मगध एक्सप्रेस का आंशिक समापन/प्रारंभ पटना जं. में करने की सूचना जारी की गयी थी ।

परंतु यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेल प्रशासन द्वारा मगध एक्सप्रेस का परिचालन इसलामपुर से पुनर्बहाल कर दिया गया है। अर्थात अब मगध एक्सप्रेस पूर्व की भांति इसलामपुर और नई दिल्ली के मध्य परिचालित की जाएगी ।

भाजपा नेता अमित राय ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं व उत्कृष्ट कार्य करने वाले को सम्मानित किया

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला के एक निजी हॉल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा नेता अमित राय द्वारा जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के लगभग 150 प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिह्न प्रदान किए।

समिति के सदस्यः रजनीश कुमार, दिव्यांशु कुमार, पांडेय कुमार और कमलेश पासवान ने कार्यक्रम की व्यवस्था और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के प्रमुख पदाधिकारी अध्यक्ष अभिषेक शर्मा उर्फ झुना बाबू सचिवः उज्वला शर्मा कोषाध्यक्षः सुशील कुमार शर्मा उर्फ छोटू बाबू।

मुख्य अतिथि धर्मेंद्र कुमार ,सुजीत चंद्रवंशी लोजपा नेत्री दिव्या भारती दिल्ली पब्लिक स्कूल के निदेशक धर्मेंद्र कुमार मोथा सूर्य मंदिर कमेटी अध्यक्ष चंदन यादव अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर भाजपा नेता अमित राय ने युवाओं को प्रेरित करते हुए जिले के विकास में अपनी ऊर्जा और योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति जिले के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

स्कार्पियो ने कुचला, एक की मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है`मिली जानकारी के अनुसार मेहंदिया थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 139 मडैला के समीप की है जहां अहले सड़क किनारे एक बुजुर्ग व्यक्ति शौच करने के लिए जा रहे थे इसी बीच एक स्कार्पियो ने कुचला दिया जहां घटनास्थल पर ही व्यक्ति की मौत हो गई मृत व्यक्ति की पहचान 60 वर्षीय मडैला गांव निवासी ललन सिंह के रूप में की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटनास्थल से धक्का मारकर तेज रफ्तार से भाग रही स्कॉर्पियो के वाहन की सूचना स्थानीय लोगों ने टेंपो ड्राइवर को दी जहां सूचना मिलने के उपरांत मेहंदिया बाजार में टेंपो ड्राइवर ने स्कॉर्पियो को रोकने का इशारा किया लेकिन तेज स्कार्पियो वाहन ने ऑटो ड्राइवर को अपने चपेट में ले लिया जहां ऑटो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है` घायल व्यक्ति की पहचान 30 वर्षीय मडैला गांव निवासी सुभाष कुमार के रूप में की गई है` बताया जा रहा है कि घायल व्यक्ति प्रतिदिन की तरह ऑटो चला कर अपना भरण पोषण करता था `सूचना के उपरांत डायल 112 टीम के द्वारा घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कलेर लाया गया ।

जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अरवल सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया है ।

फिलहाल व्यक्ति की स्थिति गंभीर बताई जा रही है इधर मुआवजा को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मडैला में राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर शव को रखकर पटना -औरंगाबाद मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर दिया ।

घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मेहंदिया थाने के पुलिस पहुंच कर ग्रामीणों को समझा बुझाकर आवागवन सुचारू रूप से चालू करवाया गया ` फिलहाल पुलिस घटना स्थल से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम हाउस अरवल लाई है और पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजन को सौंप दिया गया ।

इधर पुलिस ने स्कॉर्पियो और चालक को बरामद कर थाना लाई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है

पूर्णियाकोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन 26 एवं 27 नवंबर को फिर से बहाल

हाजीपुर। विदित हो कि पिछले दिनों दिनांक 24.11.2024 से 29.11.2024 तक गाड़ी सं. 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन रद्द करने की सूचना जारी की गयी थी । परंतु यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी सं. 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन पूर्णिया कोर्ट से 26.11.2024 एवं 27.11.2024 को पुनर्बहाल कर दिया गया है।

नीलाम पत्र शाखा से संबंधित कार्य की समीक्षा बैठक आयुक्त मंडल प्रमंडल के अध्यक्षता में हुई

अरवल । आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया के अध्यक्षता में नीलाम पत्र शाखा, अरवल से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में नीलाम संबंधित सभी वादों को यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी, अरवल को निदेश दिया गया कि सप्ताह में एक बार समीक्षात्मक बैठक की जाय। अपर समाहर्ता, अरवल को प्रत्येक दिन आधे घण्टे की समीक्षात्मक बैठक करने का निर्देश दिया गया। आयुक्त द्वारा निदेशित किया गया कि नीलाम पत्र अधिकारियों की संख्या इस प्रकार बढाई जाय, ताकि प्रत्येक नीलाम पत्र पदाधिकारी को 100 से अधिक वाद न हो। इसके लिए उनके द्वारा प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य को नीलाम पत्र पदाधिकारी के रूप में नामित करने का निदेश दिया गया। साथ ही यह भी निदेश दिया गया कि सभी वादों का स्तर वार निगरानी किया जाय।

डीएम ने धान अधिप्राप्ति कार्य की समीक्षा जिला टास्क फोर्स की बैठक में की

प्रातः किरण संवाददाता

गया।जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम की अध्यक्षता में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत पैक्स , व्यापारमंडलों द्वारा किये जा रहे धान अधिप्राप्ति कार्य की समीक्षा जिला टास्क फोर्स की बैठक में की गई है। इस बैठक में समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला अंतर्गत कुल 312 पैक्स ,व्यापार मण्डल द्वारा धान अधिप्राप्ति का कार्य 15.11.2024 से शुरू किया गया है। अधिप्राप्ति में 294 पैक्स एवं 18 व्यापार मंडल शामिल है। अभी तक कुल 83 किसानों से 522.230 मे0 टन धान की खरीद की गई है। जिला पदाधिकारी, गया द्वारा निदेश दिया गया कि प्रबंध निदेश, मगध सेंटल को० बैंक लिमिटेड, गया एवं सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी धान अधिप्राप्ति में संलग्न शत प्रतिशत किसानों का भुगतान 48 घंटे के अंदर कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी, गया द्वारा प्रतिवेदन के अवलोकनोंपरांत धान अधिप्राप्ति हेतु ऑन लाईन आवेदन करनेवाले किसानों के संबंध में नाराजगी व्यक्त की गई एवं निदेश दिया गया कि व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक किसानों का निबंधन कराना सुनिश्चित करेंगे। ज्ञातव्य हो कि गया जिलार्नात धान अधिप्राप्ति हेतु ऑनलाईन आवेदन करनेवाले किसानों की कुल संख्या 33792 है जिसमें 14434 रैयत किसान एवं 19358 गैर रैयत किसान है।

आज की बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि चयनित सभी समितियों को कैश क्रेडिट उपलब्ध कराया गया है जिससे धान अधिप्राप्ति का कार्य उन समितियों द्वारा किया जा रहा है। संबंधित समितियों द्वारा धान अधिप्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य की समीक्षा जिला पदाधिकारी के द्वारा की गई है। जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, गया द्वारा राईस मिल सत्यापन की जानकारी देते हुए बताया गया की 30 मिलों का सत्यापन किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी द्वारा राईस मिल एवं पैक्स की संबद्धता के लिए निदेश दिया गया है। डीएम ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि हर हाल में छोटे किसानों को प्राथमिकता पर धान क्रय किया जाए। डीएम ने कहा कि राज्य सरकार काफी गंभीर है धान अधिप्राप्ति को लेकर। हर सप्ताह प्रगति संबंधित उच्च स्तरीय बैठक भी हो रही है। अधिप्राप्ति में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नही की जाएगी। अभी इनिशियल पीरियड है किसानों से धान खरीद का ,उसे अच्छा से करवाये।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के अधिप्राप्ति में जो पैक्स एवं व्यापार मंडल डिफॉल्टर हुए हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें एवं पिछले वर्ष जो भी मिल गड़बड़ किए हैं उसे इस वर्ष नहीं जोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि पैक्स गोदाम और सीएमआर गोदाम की अनुमंडल पदाधिकारी स्तर से नियमित जांच करवाया जाए। किसान जितना मात्रा में धान दे रहे हैं, उसी वजन के अनुरूप किसानों को भुगतान करें, उस से कम भुगतान नही करे। धान अधिप्राप्ति से संबंधित समीक्षात्मक बैठक में जिला पदाधिकारी, गया, अपर समाहर्ता विभागीय जांच गया, जिला सहकारिता पदाधिकारी, गया, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, गया, सहायक निबंधक, स०स०, शेरघाटी, प्रबंध निदेशक, मगध सेंटल को० बैंक लि० के प्रतिनिधि, सभी प्रखण्डों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

एंडोवास्कुलर तकनीक से हुआ सफल इलाज

- डॉक्टरों ने बिना बड़ी सर्जरी के जानलेवा स्थिति से निकाला
- 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला एओर्टिक डिसेक्शन से जूझ रही थी

प्रातः किरण संवाददाता

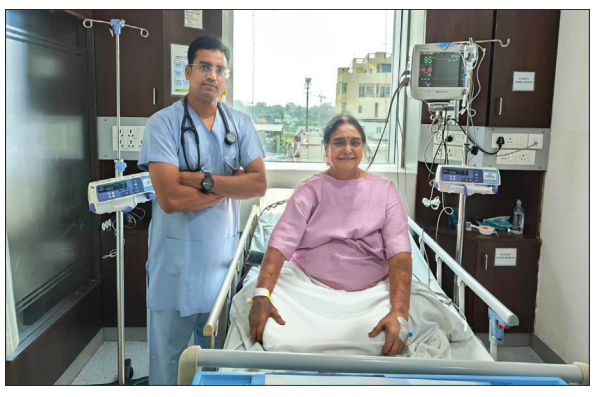

पटना। पटना के पारस एचएमआरआई ने आधुनिक एंडोवास्कुलर तकनीक का उपयोग करते हुए 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला की जान बचा ली। उन्हें एओर्टिक डिसेक्शन नामक गंभीर समस्या थी। डॉक्टरों ने बिना बड़ी सर्जरी किए इस गंभीर स्थिति का इलाज कर उनकी जान बचा ली।

पारस एचएमआरआई में बुजुर्ग महिला को सांस लेने में तकलीफ के कारण भर्ती कराया गया था। जांच में पता चला कि उन्हें एओर्टिक डिसेक्शन नामक गंभीर स्थिति है, जिसमें हृदय की मुख्य धमनी (महाधमनी) की दीवार फट गई थी। यह डिसेक्शन महाधमनी के आर्क से लेकर कॉमन इलियाक आर्टरी तक फैल चुका था, जिससे बाएं फेफड़े पर दबाव बढ़ गया और वह सिकुड़ गया था। यह स्थिति जानलेवा थी, लेकिन अस्पताल की कार्डियोलॉजी टीम, जिसमें कंसल्टेंट कार्डियोलोजी डॉ. सिद्धनाथ सिंह, कंसल्टेंट कार्डियोलोजी डॉ. जावेद अनवर और डायरेक्टर सीटीवीएस डॉ. अरविंद गोयल के अलावा अन्य एक्सपर्ट ने एंडोवास्कुलर तकनीक (ईवीएआर) का उपयोग करके बिना बड़ी सर्जरी के सफल इलाज किया।

इस प्रक्रिया में दाएं पैर की नस (फेमोरल आर्टरी) के जरिए एंडोवास्कुलर ग्राफ्ट स्टेंट को महाधमनी के फटे हिस्से पर लगाया गया। इस तकनीक ने महाधमनी की दीवार को रिपेयर कर दिया और मरीज को केवल दो दिनों के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वर्तमान में वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

डॉ. सिद्धनाथ सिंह, ने बताया कि एओर्टिक डिसेक्शन एक गंभीर और जानलेवा स्थिति है, जो आमतौर पर 60-70 वर्ष के मरीजों में पाई जाती है। समय पर पहचान और सही इलाज से मरीज लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकता है।इस संबंध में फैसिलिटी डायरेक्टर अनिल कुमार ने कार्डियो टीम को बधाई दिया और बताया कि पटना के पारस एचएमआरआई में आधुनिक तकनीक से मरीज की जान बचाई जा रही है डॉक्टरों की टीम ने इस बार आधुनिक एंडोवास्कुलर तकनीक का उपयोग करते हुए 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला की जान बचा ली।

जीबीएम कॉलेज में एनएसएस इकाई द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह एवं झंडा दिवस का हुआ आयोजन

गया। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, गृह मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निदेर्शानुसार कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा दिनांक 19 नवंबर, 2024 से 25 नवंबर, 2024 तक सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के तहत 25 नवंबर को झंडा दिवस का आयोजन किया गया। इसके तहत छात्राओं ने सांप्रदायिक, जातिगत, जातीय और किसी भी अन्य प्रकार की हिंसा या सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुँचाने वाले संघर्षों से प्रभावित परिवारों के बच्चों को सहायतार्थ अपनी ओर से इच्छानुसार धनराशि एकत्रित की है। कॉलेज के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. सहदेव बाउरी, एनएसएस पदाधिकारी डॉ. प्रियंका कुमारी, नैक समन्वयक डॉ. शगुफ्ता अंसारी एवं उपस्थित प्रोफेसरों ने इस अभियान के पीछे निहित उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया है। कॉलेज की छात्रा कोमल कुमारी, प्रियंका कुमारी, हर्षिता मिश्रा के साथ अन्या, रिशु, गीतांजलि, श्रेया कुमारी, प्रियांशु कुमारी, लवली कुमारी, रानी, सीमा, सोनल, अनीषा, शैली, श्रुति, खुशी, जाह्नवी ने इस अभियान में बढ़चढ़कर कर भाग लिया। कॉलेज की पीआरओ डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि अनाथ बच्चों की मदद करने के उद्देश्य से एकत्रित की गयी ।

यह धनराशि कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान के सचिव के नाम से उनके नई दिल्ली अवस्थित कार्यालय में रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा भेज दी जायेगी।इष कार्यक्रम में डॉ. शुचि सिन्हा, डॉ. सीता आदि भी उपस्थित थीं।

हिंदुओं को एकजुट करने के उद्देश्य से हनुमान सेना का किया गया गठन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। हिंदुओ को एकजुट करने में उद्देश्य से हनुमान सेना दिल्ली का गठन किया गया है। इसके साथ ही गठन के मौके पर मौजूद सदस्यों द्वारा हिंदुओं को एकजुट करने का भी संकल्प लिया गया। जगत गुरु स्वामी देवादित्यानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में संगठन संचालित होगी। संगठन का गठन व इसकी घोषणा के मौके पर ही सर्वसम्मति से सेना का अध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव को चुना गया है।

विपिन श्रीवास्तव ने संगठन के विषय मे बताया कि सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ उनको एकजुट के उद्देश्य से इस सेना का गठन किया गया है।

आगे कहा कि इस संगठन के पीछे का मुख्य उद्देश्य हिंदुओ को हिंदू सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोग अपनी संस्कृति व धर्म को समझ सके। संगठन के कार्यकताओं द्वारा समय समय समाजकल्याण हेतु कई तरह के जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के लिए वैदिक शिक्षा कार्यक्र,महिलाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम व युवाओं के लिए भी कई कार्यक्रमो के आयोजन करने की योजना हैं। वहीं सर्वसम्मति से हनुमान सेना का उपाध्यक्ष काजल राजपाल,सचिव विष्णु दत्त शर्मा व कोषाध्यक्ष राहुल मिश्र को नियुक्त किया गया। मौके पर रितेश एडवोकेट,पूजा शाम्बनी व कई अन्य विशिष्ट लोग उपस्थित रहें।

प्रमंडलीय आयुक्त ने की विधि-व्यवस्था संधारण की समीक्षा

सभी थानों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित करने का दिया गया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना मयंक वरवड़े ने कहा है कि विधि-व्यवस्था संधारण से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। सभी पदाधिकारी इसके प्रति सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। वे आज आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में इस विषय पर वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित प्रमंडल-स्तरीय एक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इसमें पुलिस महानिरीक्षक, केन्द्रीय प्रक्षेत्र, पटना; पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद क्षेत्र, डिहरी ऑन-सोन; प्रमंडल अंतर्गत सभी जिलों-पटना, नालन्दा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर- के नगर निकायों / जिला परिषद् के अध्यक्ष, सभी जिलों के जिला पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त एवं अन्य भी उपस्थित थे।

आयुक्त ने सभी जिला पदाधिकारियों तथा वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों के पुलिस थानों एवं आउटपोस्ट में सीसीटीवी कैमरों से गुणवत्तापूर्ण निगरानी सुनिश्चित करने का निदेश दिया। पदाधिकारियों को जिला-स्तरीय निगरानी समिति (डिस्ट्रिक्ट लेवल ओवरसाईट कमिटि, डीएलओसी) की प्रावधानों के अनुरूप नियमित बैठक आयोजित करने का निदेश दिया गया। आयुक्त ने कहा कि पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व हमारी सरकार के सुशासन के कार्यक्रम के मुख्य घटक हैं। आधुनिक युग में सीसीटीवी पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। आम जनता के संवैधानिक तथा वैधानिक अधिकारों एवं मानवाधिकार को अक्षरशः लागू करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपराधों के अनुसंधान एवं आम जन में विश्वास को सुदृढ़ करने के लिए सीसीटीवी एक महत्वपूर्ण कारक है। आयुक्त ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रमंडल अंतर्गत जिलों के लगभग सभी अधिसूचित एवं भवन-निर्मित थानों एवं आउटपोस्ट में सीसीटीवी का अधिष्ठापन किया गया है तथा यह क्रियाशील है। बेल्ट्रॉन एवं अन्य आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा नियमित तौर पर इसका रख-रखाव एवं संधारण किया जाता है। उन्होंने इस पर भी हर्ष व्यक्त किया कि पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड एवं बिहारशरीफ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नगर निगम क्षेत्रों में भी सीसीटीवी का अधिष्ठापन किया गया है तथा इसका आईसीसीसी से अनुश्रवण किया जाता है। उन्होंने सभी पुलिस अधीक्षकों को पुलिस थानों में रक्षित सीसीटीवी फुटेज की नियमित तौर पर समीक्षा करने का निदेश दिया ताकि व्यक्तियों के अधिकारों के उल्लंघन के किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई की जा सके एवं तदनुसार भविष्य में कार्य योजना के अनुसार ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। आयुक्त ने सभी जिला पदाधिकारियों तथा वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों को निदेश दिया कि सीसीटीवी कैमरों एवं फुटेज का नियमित अनुश्रवण किया जाए। प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इसकी नियमित समीक्षा करें। एजेंसियों के माध्यम से सीसीटीवी का नियमित रख-रखाव एवं संधारण सुनिश्चित करें। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी थानाध्यक्षों से लगातार सम्पर्क बनाए रखें। आयुक्त ने जिला पदाधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों को निदेश दिया कि पुलिस थानों में अधिष्ठापित सीसीटीवी कैमरों की तकनीकी विशिष्टियों, गुणवत्ता एवं क्रियाशीलता का समय-समय पर भौतिक सत्यापन करें तथा तत्संबंधी प्रतिवेदन विहित प्रपत्र में अपर पुलिस महानिदेशक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो एवं आधुनिकीकरण-सह-नोडल पदाधिकारी, सीसीटीवी परियोजना, बिहार के साथ-साथ प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय को भी उपलब्ध कराएँ। आयुक्त ने अधिकारियों को निदेश दिया गया कि आम जनता को साईबर क्राईम के प्रति जागरूक करें। साईबर क्राईम के तहत दर्ज प्राथमिकियों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी काण्डों का उद्भेदन कर अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें। आयुक्त ने अधिकारियों को मद्य-निषेध अधिनियम का सफल क्रियान्वयन करने का निदेश दिया। पदाधिकारियों को नियमित छापामारी, गिरफ्तारी एवं जप्ती करने का निदेश दिया गया। जिलाधिकारियों एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों को अवैध शराब में संलिप्त लोगों के विरूद्ध विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। सूचना संग्रहण, शराब का विनष्टीकरण, वाहनों की नीलामी इत्यादि पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया गया। आयुक्त ने पदाधिकारियों को निदेश दिया कि विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण हेतु मिशन मोड में कार्रवाई करें। सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच सार्थक समन्वय एवं सुदृढ़ संवाद कायम रखें। अपराध अनुसंधान के लिए लंबित मामलों का अनुसंधान कर त्वरित निष्पादन करें। उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करें। स्पीडी ट्रायल के तहत लंबित मामलों के त्वरित विचारण हेतु कार्य योजना के अनुसार क्रियान्वयन करें। विभिन्न थानों में लंबित गैर जमानतीय वारंट का तामिला सुनिश्चित कराएँ। भू-माफिया, बालू माफिया, शराब माफिया, मद्य निषेध के संगठित गिरोहों एवं गैरकानूनी आर्थिक गतिविधियों तथा अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में ससमय अनुसंधान एवं पीड़ित पक्ष को मुआवजा भुगतान हेतु त्वरित कार्रवाई करें। आयुक्त ने कहा कि भूमि विवादों का प्रभावी निष्पादन एवं अनुश्रवण आवश्यक है। संबंधित पदाधिकारी-थानाध्यक्ष, अंचलाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, वरीय पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी- उच्च प्राथमिकता के आधार पर इसका समाधान करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि प्रशासन, पुलिस, राजस्व, निबंधन, खनन, मद्य-निषेध, परिवहन सहित सभी हितधारकों के बीच सम्यक समन्वय की आवश्यकता है।

प्रसव के बाद महिला की मौत निजी अस्पताल में तोड़फोड़ व हंगामा

प्रातः किरण संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित निजी नर्सिंग होम एमके मेमोरियल हॉस्पीटल में प्रसव के बाद महिला की मौत होने से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने तोड़फोड़ की। इससे नर्सिंग होम में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। बाद में सूचना पर हसनपुर थाने की पुलिस नर्सिंग होम में पहुंची और लोगों को समझा कर शांत कराया। हालांकि इस मामले में शनिवार शाम तक किसी ने थाना में आवेदन नहीं दिया था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात धवोलिया गांव की चांदनी देवी (28 वर्ष) को प्रसव के लिए परिजनों ने प्रखंड मुख्यालय स्थित नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां रात 12 बजे के बाद डॉक्टर ने आपरेशन कर महिला का प्रसव कराया। महिला ने स्वस्थ्य बच्ची को जन्म दिया। परिजनों ने बताया कि कुछ देर बाद महिला की तबीयत बिगड़ गयी। जिसके बाद डॉक्टर ने महिला को रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजन उसे बेगूसराय ले जा रहे थे। लेकिन नर्सिंग होम से कुछ दूर जाने के बाद ही महिला ने दम तोड़ दिया। उसके बाद परिजन महिला का शव लेकर शनिवार सुबह नर्सिंग होम पहुंच हंगामा करने के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी। बताया गया है कि नर्सिंग होम में हंगामा व तोड़फोड़ के बरद सभी डॉक्टर व कर्मी फरार हो गये। इधर, सूचना मिलने के बाद पुलिस पहंची और लोगों की बात सुनने के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन देकर शांत कराया। पुलिस ने मामले में आवेदन देने का सुझाव दिया। हालांकि शाम तक मृतका के किसी परिजन ने थाना में आवेदन नहीं दिया था। जिस नर्सिंग होम में प्रसव के बाद महिला की मौत हुई।

उसमें किसी डाक्टर का बोर्ड नही लगा है। सिर्फ अस्पताल का नाम एमके मेमोरियल हॉस्पीटल लिखा हुआ है। गौरतलब है कि हसनपुर प्रखंड मुख्यालय पथ में कई निजी क्लिनिक हैं जहां बिचौलियों के माध्यम से रोगियों को पहुंचाया जाता है। जबकि हसनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव की बेहतर व्यवस्था है।

सरकारी अस्पताल जाने के बदले मरीज निजी अस्पताल के चक्कर में फंस जाते हैं। इसी वर्ष दूसरे नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान एक और महिला की मौत हो गई थी।

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग जांच करती है। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई हे। इसकी वजह से अवैध रूप से नर्सिंग होम का संचालन जारी है।

गया कॉलेज गया में शोक सभा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया।गया कॉलेज गया में लंबे समय तक समाजशास्त्र के प्राध्यापक रहे समाजशास्त्र के सर्वोच्च संस्थान इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च के सम्मानित सदस्य व भारत सरकार के विभिन्न बोर्ड के सदस्यों के रूप में रहे प्रोफेसर अनिरुद्ध प्रसाद सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया प्राचार्य गया कॉलेज गया प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि प्रोफेसर अनिरुद्ध सिंह के निधन पर हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं व उनके निधन से समाज व शिक्षा जगत को अपूरणीय छती हुई है जिसकी भरपाई संभव नहीं जान पड़ती है जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर धनंजय धीरज ने कहा कि विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के बिहार में स्थापना के संदर्भ में स्वर्गीय अनिरुद्ध बाबू की अहम भूमिका रही है उनके इस योगदान को बुलाया नहीं जा सकता है। इस मौके पर विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष समेत शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे हैं।

विकसित बिहार 2047 के लिए गया जिला में नोडल अधिकारी उप विकास आयुक्त बनाए गए

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी गया डॉ त्यागराजन एसएम ने समाहरणालय सभा कक्ष में सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं विपार्ड गया के पदाधिकारी के साथ बैठक करते हुए कहा कि बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा बिहार के भविष्य को नया आकार देने के लिए विकसित बिहार 2047 संबंधित सर्वे का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार विकास की एक नई यात्रा पर निकल चुका है। 2047 तक खुद को समृद्ध एवं प्रगतिशील के प्रतीक में बदलने की यात्रा, जब हमारा महान राष्ट्र अपनी आजादी का 100वा वर्ष मना रहा होगा, इस विजन को वास्तविकता बनाने के लिए आम जनमानस की आवाज उनके सपने एवं उनके दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान आम जनो को विकसित बिहार 2047 सर्वे पर प्रतिक्रिया देकर अपनी आकांक्षाओं और धारणाओं को साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। जिसका वेबसाइट है। इस वेबसाइट पर जाकर आम जनमानस अपने विचारों से नीतिगत प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करें। जमीनी स्तर की दृष्टिकोण के साथ नीति निमार्ता को सशक्त बनाएं, विकसित बिहार के लिए प्रतिबद्ध समुदाय से जुड़े। जिला पदाधिकारी ने बताया कि विकसित बिहार 2024 के लिए सभी विभागों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग विगत 5 वर्ष 10 वर्ष 15 वर्ष पहले जितने भी कार्य किए गए हैं, वर्तमान में जो कार्य हो रहे हैं और भविष्य में 2047 वर्ष की दृष्टिकोण को देखते हुए क्या-क्या कार्य करने से आम जनमानस एवं उसे क्षेत्र में कितना विकास होगा, इसका रूपरेखा तैयार कर अगले 7 दिनों में इसकी रिपोर्ट तैयार करें ताकि इसी डेटा के आधार पर नीति आयोग द्वारा जिला एक्नॉलेजमेंट प्लान 3 माह के अंदर बनाया जाना है।

जिला पदाधिकारी ने उदाहरण के तौर पर बताया कि परिवहन विभाग द्वारा पिछले 5 सालों में या 10 सालों में वाहन पॉल्यूशन कम करने लीय कैसे काम किया है, वाहनों को पेट्रोल डीजल के मुकाबले सीएनजी में कैसे कन्वर्ट किया है उसे क्या फायदे हैं। सभी विभाग अपने अपने 5 साल 10 साल 20 साल आपके विभाग का क्या विजन है उसे पर कार्य योजना बनाएं। आप किस प्रकार देखते हैं कि अगले 5 सालों में कितने वाहनों को सीएनजी में बदल सकते हैं। एक्सीडेंट दर में कितनी बदलाव हुए हैं। कितने वाहन रजिस्टर थे। अब कितने वाहन रजिस्टर्ड हैं। कृषि विभाग का एक उदाहरण देते हुए कहा कि कितने प्रतिशत जमीन जो बंजर पड़ा हुआ है वहां अल्टरनेटिव खेती करवा रहे हैं। कितने खेत जो धान एवं गेहूं पर निर्भर थे उन्हें अन्य खेती पर डाइवर्ट किए हैं। एग्रीकल्चर रोड मैप पर गया को कितने फायदे हुए हैं और भविष्य में कितने फायदे होंगे, इसके अलावा किन खेती को और आगे बढ़ना चाहते हैं लेमनग्रास तिल की खेती इत्यादि को। इसके अलावा मार्केट वैल्यू को कैसे चेंज किया जा सकता है, जैसे तिलकुट के बढ़ावा देते हैं पैकेजिंग बेहतर करवाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 10 साल पहले धान के उत्पादन की क्या स्थिति रही है, वर्तमान में क्या धान की खेती ज्यादा हो रही है, भविष्य में धान की खेती कैसी होगी। इसी प्रकार सभी विभाग द्वारा अपने चल रही योजनाओं को लिस्ट आउट करना होगा जिससे भविष्य में आगे और कैसे अच्छे से बढ़ाया जा सके। विकसित बिहार 2047 के लिए गया जिला में नोडल पदाधिकारी उप विकास आयुक्त को बनाया गया है। आपके विभाग द्वारा दिए जाने वाले आंकड़ों के आधार पर जेनेक्स लैब एडवांस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधारित पर डाटा को फीड एवं सकुर्लेट किया जाएगा।

उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में कितनी बारिश हुई है और कितनी उत्पादन हुई है ताकि भविष्य में आने वाले अगले 10 सालों में बारिश का आकलन एवं उत्पादन का अनुमान लगाया जा सकते हैं। उसी अनुरूप और बेहतर तैयारी किया जा सके। उदाहरण के लिए स्वास्थ्य विभाग को लेकर कहा कि वर्ष 2010 में कितनी संख्या में ओपीडी होता था अब कितना ओपीडी हो रहा है इसी प्रकार आगे वर्षों में ओपीडी में क्या बढ़ोतरी होगी, इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी में पहले के तुलना में अब कितना सुधार हुआ है, टीवी के मरीज पहले कितने आते थे अब क्या आ रहे हैं इत्यादि। सभी विभाग अपने सभी योजनाओं को देखते हुए पहले की तुलना में क्या-क्या बढ़ोतरी हुई है और भविष्य में क्या-क्या होगा इत्यादि पर प्लान तैयार करें। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को कहा कि अगले एक सप्ताह के अंदर अपने प्रखंड के सभी स्टेकहोल्डर के साथ बैठक कर ले और अपने प्रखंड को अपने क्षेत्र को अपने टोले को कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं इस पर चर्चा करें। जानकारी ले कि पहले पेयजल की क्या स्थिति थी अब क्या स्थिति है और भविष्य में क्या स्थिति रहेगी, सिंचाई के साधन पहले क्या थे अभी क्या है और भविष्य में जनसंख्या जब बढ़ते रहेगी तो सिंचाई के साधन को और कैसे बढ़ाएंगे, अपने टोला को कैसे और विकास करेंगे इत्यादि पर चर्चा करें। उन्होंने कहा कि आगे का विजन क्या रहेगा, विकास की तीव्रता को बढ़ाने के लिए इस विषय पर हर हाल में अच्छे से काम करें।

रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित किये जाने वाली परीक्षा के मद्देनजर 02 जोड़ी और परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा के मद्देनजर रांची और पटना के मध्य और 02 जोड़ी परीक्षा स्पेशल का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1.गाड़ी सं. 08602/08601 रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल - गाड़ी सं. 08602 रांची-पटना परीक्षा स्पेशल 26 एवं 28 नवंबर, 2024 को रांची से 23.10 बजे खुलकर अगले दिन 14.45 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 08601 पटना-रांची परीक्षा स्पेशल 27 एवं 29 नवंबर, 2024 को पटना से 15.15 बजे खुलकर अगले दिन 06.30 बजे रांची पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह परीक्षा स्पेशल मुरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, गया, जहानाबाद स्टेशनों पर रूकेगी। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 11 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे। 2.गाड़ी सं. 08604/08603 रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल - गाड़ी सं. 08604 रांची-पटना परीक्षा स्पेशल 27 नवंबर, 2024 को रांची से 23.10 बजे खुलकर अगले दिन 14.45 बजे पटना पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी सं. 08603 पटना-रांची परीक्षा स्पेशल 28 नवंबर, 2024 को पटना से 15.15 बजे खुलकर अगले दिन 06.30 बजे रांची पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह परीक्षा स्पेशल मुरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, गया, जहानाबाद स्टेशनों पर रूकेगी। इस स्पेशल में तृतीय वातानुकुलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06 एवं साधारण श्रेणी के 06 कोच होंगे।

मंगध प्रमंडल आयुक्त के द्वारा 9 अभ्यर्थियों के बीच मोटर चालित ट्राईसाईकिल का किया गया वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना अंतर्गत 09 लाभार्थियों के बीच मोटर चालित ट्राईसाईकिल का वितरण आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया प्रेम सिंह मीणा एवं जिला पदाधिकारी कुमार गौरव, द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला बन्दोवस्त पदाधिकारी प्रभात कुमार झा, उप विकास आयुक्त विनोद कुमार एवं सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग दिलीप कुमार उपस्थित रहें। लाभार्थी समाज कल्याण विभाग के पोर्टल पर बैट्री चालित ट्राईसाईकिल हेतु आवेदन कर सकते है। बैट्री चालित ट्राईसाईकिल शिक्षा एवं रोजगार हेतु दिया जाता है एवं चलन्त (लोकोमोटर) दिव्यांगता 60 प्रतिशत या उससे अधिक होना चाहिए। वैसे छात्र/छात्राओं, जिनका आवासन बिहार राज्य स्थित महाविद्यालय परिसर से 03 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हों. अथवा वैसे चलन्त दिव्यांगजन (लोकोमोटर) जो स्वाबलंबन के उद्देश्य से बिहार राज्य में अपना रोजगार करते हों और कमाउ सदस्य हो तथा उनके आवास से उनका रोजगार स्थल 03 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हो। बिहार राज्य के स्थायी निवासी एवं बिहार में आवासन अनिवार्य होना चाहिए। आय अधिकतम दो लाख प्रतिवर्ष एवं आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो को लाभ दिया जाता है।

आयुक्त ने सुगम यातायात व्यवस्था एवं अतिक्रमण उन्मूलन अभियान पर किया बैठक

सीसीटीवी-आधारित निगरानी तंत्र सुदृढ़ करने का दिया निर्देश

■ **जाम के कारणों एवं निदान पर विस्तृत अध्ययन तथा अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन कार्य योजना उपलब्ध कराने के लिए आयुक्त ने त्रि-सदस्यीय समिति का किया गठन**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना मयंक वरवड़े ने कहा है कि सुव्यवस्थित यातायात-प्रबंधन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी सम्बद्ध पदाधिकारी सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। वे आज आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में पटना के शहरी क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन तथा अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान विषय पर समीक्षात्मक बैठक कर रहे थे। आयुक्त ने कहा कि सुगम एवं सुचारू यातायात की व्यवस्था जनहित में अत्यावश्यक है। यह हमारे कार्यशैली एवं जीवन-शैली पर भी काफी प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवधान, अतिक्रमण एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के विरूद्ध प्रशासन शून्य सहिष्णुता के सिद्धांत पर काम करता है। नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, प्रशासन, पुलिस, विधि-व्यवस्था, विद्युत सहित सभी सम्बद्ध पदाधिकारी अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित कर नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें। सीसीटीवी-आधारित निगरानी (सवेर्लेन्स) तंत्र सुदृढ़ करने का निदेश दिया गया।

जिला पदाधिकारी, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना राजीव मिश्रा द्वारा आयुक्त के संज्ञान में लाया गया कि यातायात प्रबंधन हेतु प्रशासन द्वारा नियमित तौर पर कार्रवाई की जा रही है। डेडिकेटेड टीम का गठन कर समय-समय पर अतिक्रमण हटाया जाता है। नगर आयुक्त, पटना नगर निगम श्री अनिमेष कुमार पराशर द्वारा प्रमंडलीय आयुक्त के संज्ञान में लाया गया कि इस वर्ष अभी तक नगर निगम के छः अंचलों में अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में 6,433 व्यक्तियों से 72,89,608/- रुपये का जुमार्ना वसूला गया है। चार अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आयुक्त मयंक वरवड़े ने जिला पदाधिकारी, पटना; वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना तथा नगर आयुक्त, पटना नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के लिए समय-समय पर स्पेशल ड्राईव चलाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान चलाने से पहले क्षेत्र में अनुमंडल पदाधिकारी माईकिंग कराएंगे, अतिक्रमण हटाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाएगी। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान का संचालन विधिवत करने का आयुक्त द्वारा निदेशित किया गया।

आज की इस बैठक में यातायात प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। नेहरू पथ, सगुना मोड़, गाँधी मैदान, राजा बाजार, दीघा, बोरिंग रोड, अशोक राजपथ, मुख्य सड़क से सटे सम्पर्क पथ, वाहन पार्किंग (पार्किंग/नो पार्किंग जोन), वेंडिंग जोन, साईनेजेज, सीसीटीवी कैमरे से निगरानी एवं नियंत्रण कक्ष, पुलिस गश्ती एवं प्रतिनियुक्ति, सड़कों की खुदाई पर नियंत्रण, पटना मेट्रो मार्ग तथा अन्य बिन्दुओं पर एक-एक कर विमर्श किया गया एवं आवश्यक निदेश दिया गया।

आयुक्त ने कहा कि वाहनों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण अक्सर यातायात पर दबाव देखा जा रहा है। कंजेशन की समस्या दूर करने तथा सुचारू परिवहन के लिए यातायात-प्रबंधन आवश्यक है। इससे सड़क दुर्घटना को रोका जा सकता है। उन्होंने विभिन्न स्थलों पर साईनेज लगाने का निदेश दिया। पुलिस अधीक्षक यातायात तथा जिला परिवहन पदाधिकारी को माईनर व्यक्ति द्वारा ड्राईविंग, बिना परमिट के परिचालन, गाड़ी के शीशा पर ब्लैक फिल्म लगाने वालों एवं यातायात सुरक्षा के मानकों के उल्लंघन के अन्य मामलों के विरूद्ध लगातार जाँच करने एवं उल्लंघनकताओं के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। आयुक्त ने कहा कि इससे समाज में उदाहरण प्रस्तुत होगा ताकि लोग सुरक्षा से खिलवाड़ करने से बाज आएँ। प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा यातायात प्रबंधन एवं अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के सभी पहलुओं पर नजर रखने के लिए पुलिस अधीक्षक, यातायात की अध्यक्षता में एक त्रि-सदस्यीय समिति का गठन किया गया। इसमें अपर जिला दंडाधिकारी, विधि-व्यवस्था तथा अपर नगर आयुक्त, पटना नगर निगम सदस्य के तौर पर नामित किए गए हैं। आयुक्त ने निदेश दिया कि समिति ट्रैफिक जाम के दृष्टिकोण से प्रेशर प्वाईंट्स पर लगातार नजर रखेगी तथा जाम की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई करेगी। अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन योजनाओं का निर्माण कर 15 दिसंबर तक प्रस्ताव उपलब्ध कराएगी। पार्किंग, वेंडिंग जोन, वन-वे का निर्धारण, फुट ओवरब्रिज का निर्माण इत्यादि बिन्दुओं पर विस्तृत अध्ययन कर प्रतिवेदन देने का निदेश दिया गया। इस बीच अतिक्रमण के विरूद्ध समय-समय पर स्पेशल ड्राईव चलाने सहित अन्य कारवाई भी जारी रहेगी। आयुक्त ने कहा कि पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा यातायात प्रबंधन एवं निगरानी में काफी अच्छी भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निदेश दिया कि पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) को प्रभावी ढंग से अनुश्रवण करें। सीसीटीवी कैमरों, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ईसीबी, आरएलवीडी, वीएमडी, एएनपीआर आदि का अधिष्ठापन/क्रियाशीलता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आयुक्त ने कहा कि उच्च तकनीकों पर आधारित यातायात-प्रबंधन पटना जैसे महत्वूर्ण शहर के लिए अत्यावश्यक है। पटना पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी भारत के लिए द्वार (गेटवे) की भूमिका निभाता है। यहाँ उत्कृष्ट यातायात जीवन-सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि, विकास एवं लोगों के जीवन-स्तर में सुधार लाने में उत्प्रेरक का काम करेगा। आयुक्त ने कहा कि लोक-सुरक्षा सुनिश्चित करना हमसब का महत्वपूर्ण दायित्व है। सीसीटीवी-आधारित निगरानी (सवेर्लेन्स) तंत्र विकसित करने से इसमें काफी सहायता मिल सकती है। यातायात नियंत्रण में साईन बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वाहन गति उल्लंघन संसूचन, स्वचालित नम्बर प्लेट पहचान तंत्र काफी सहायक होता है। आयुक्त ने निदेश दिया कि शहर में प्रमुख स्थानों पर एडेप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (एटीसीएस), वैरिएबल मैसेज साईन बोर्ड (वीएमडी), पब्लिक एड्रेस सिस्टम एवं इमर्जेन्सी कॉल बॉक्सेज (ईसीबी), स्पीड व्यालेशन डिटेक्शन (एसवीडी), ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रिकॉग्निशन आदि शामिल हैं।

आदि (एएनपीआर) तथा इन्व्यारनमेंटल सेन्सर लोकेशन (ईएसएल) प्रणाली को क्रियाशील रखा जाए।

विदित हो कि आयुक्त के निदेश पर पूर्व में कई बार अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान चलाया गया था। आने वाले दिनों में जनहित में इसे पुनः संचालित किया जाएगा।

आयुक्त ने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष, अनुमंडल पदाधिकारी, पटना सदर/पटना सिटी तथा दानापुर शहरी क्षेत्रों में सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करें। अवैध संरचना/अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारियों के नेतृत्व में लगातार अभियान चलाएँ। पब्लिक न्यूसेंस हटाने के लिए पुलिस से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में नोटिस देकर कार्रवाई करें। पुनः अतिक्रमण की घटना को रोकें। फॉलोअप टीम सक्रिय रखें। आयुक्त ने अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में व्यवधान डालने वालों से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। उन्होंने ऐसे तत्वों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने को कहा है।

आयुक्त ने कहा कि इस सभी कार्य का मूल उद्देश्य सीसीटीवी-आधारित निगरानी (सवेर्लेन्स) तंत्र द्वारा पटना के निवासियों के लिए एक सुरक्षित पर्यावरण विकसित करना है। इन्टेलिजेन्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लोगों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए विशेष तौर पर बनाया गया है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन

पृथ्वी शॉ को नहीं मिला खरीदार, मार्को जेनसन 7 करोड़ में बिके

विलियम्सन-रहाणे समेत 6 बड़े चेहरों पर नहीं लगी बोली; ऑलराउंडर सुंदर-सैम करन सस्ते में बिके

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा हो रही है जिसका आज दूसरा दिन है। 10 आईपीएल फ्रैंचाइजियों ने आईपीएल 2025 सीजन के लिए कुल 577 खिलाड़ियों (367 भारतीय, 210 विदेशी) के लिए बोली प्रक्रिया शुरू कर दी है। पिछले साल 24.75 करोड़ में बिकने वाले मिशेल स्टार्क को इस बार आधे से भी कम कीमत पर खरीदा गया है। केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपए में खरीदा है और अब ऋषभ पंत भी उनके पास नहीं है तो ऐसे में उन्हें कप्तानी मिलने की भी संभावना है। इससे पहले पिछले सीजन में वह लखनऊ सुपर जाइंट्स की कप्तानी कर चुके हैं। वहीं विलियम्सन-रहाणे समेत 6 बड़े चेहरों पर नहीं लगी बोली; ऑलराउंडर सुंदर-सैम करन सस्ते में बिके।

आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के नियम

नीलामी से पहले प्रत्येक टीम ने अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। छह से कम कोई भी संख्या मेगा नीलामी में टीमों के लिए उपलब्ध ऋक्षरू कार्ड की संख्या के बराबर होगी। अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकता है जबकि अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकता है। लेकिन कुल 6 से अधिक नहीं होने चाहिए। प्रत्येक आईपीएल टीम 120 करोड़ रुपए के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश करेगी, जिसमें से पहले से किए गए रिटेंशन के कारण एक महत्वपूर्ण राशि काट ली जाएगी। नीलामी के बाद प्रत्येक टीम के पास कम से कम 18 खिलाड़ी होने चाहिए, लेकिन 25 से अधिक नहीं। इसमें से अधिकतम 8 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं।

पहला दिन

अर्शदीप सिंह - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 18 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
कगिसो रबाडा - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 10.75 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
श्रेयस अय्यर - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 26.75 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
जोस बटलर - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 15.50 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
मिशेल स्टार्क - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 11.75 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
ऋषभ पंत - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 27 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
मोहम्मद शमी - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 10 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
डेविड मिलर, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 7.5 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
युजवेंद्र चहल, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 18 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
मोहम्मद सिराज, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 12.25 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
लियाम लिविंगस्टोन, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 8.75 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
केएल राहुल, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 14 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
हैरी ब्रुक, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 6.25 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
देवदत पड्डिकल, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
एडन मार्करम, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
डेवोन कॉन्वे, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 6.25 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
राहुल त्रिपाठी, बेस प्राइज - 75 लाख रुपए, सोल्ड - 3.40 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
जेक फ्रेजर मैकगर्क, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 9 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स ऋक्षरू
डेविड वार्नर, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
हर्षल पटेल, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 8 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
रचिन रविंद्र, बेस प्राइज - 1.5 करोड़ रुपए, सोल्ड - 4 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
रविचंद्रन अश्विन, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 9.75 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
वेंकटेश अय्यर, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 23.75 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
मार्कस स्टोइनिस, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 11 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
मिशेल मार्श, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 3.40 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
ग्लेन मैक्सवेल, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 4.20 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
क्विंटन डी कॉक, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 3.6 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
जॉनी बेयरस्टो, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
फिल सॉल्ट, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 11.50 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
रहमानुल्लाह गुरबाज, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
ईशान किशन, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 11.25 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
जितेश शर्मा, बेस प्राइज - 1 करोड़ रुपए, सोल्ड - 11 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
जोश हेजलवुड, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 12.50 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
प्रसिद्ध कृष्णा, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 9.50 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
आवेश खान, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 9.75 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
एनरिक नॉर्टजे, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 6.50 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
जोफ्रा आर्चर, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 12.50 करोड़ रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
खलील अहमद, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 4.80 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
टी नटराजन, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 10.75 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
ट्रेंट बोल्ट, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 12.50 करोड़ रुपए, टीम - मुंबई इंडियंस
महीश तीक्षणा, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 4.40 करोड़ रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
राहुल चाहर, बेस प्राइज - 1 करोड़ रुपए, सोल्ड - 3.20 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
एडम जम्पा, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2.40 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाज
वानिदु हसरंगा, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 5.25 करोड़ रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
वकार सलामखिल, बेस प्राइज - 75 लाख रुपए, अनसोल्ड
नूर अहमद, बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 10 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
श्रेयस गोपाल - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, अनसोल्ड
मानव सुथार - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
कुमार कार्तिकेय - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
पीयूष चावला - बेस प्राइज - 50 लाख रुपए, अनसोल्ड
मयंक मार्कंडे - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
कर्ण शर्मा - बेस प्राइज - 50 लाख रुपए, सोल्ड - 50 लाख रुपए, टीम - मुंबई इंडियंस
सुयश शर्मा - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 2.60 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
सिमरजीत सिंह - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.50 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
केन विलियमसन - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
ग्लेन फिलिप्स - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
रोवमैन पॉवेल - बेस प्राइज - 1.5 करोड़ रुपए, सोल्ड - 1.5 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
फॉफ डुप्लेसिस - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
अजिंक्य रहाणे - बेस प्राइज - 1.5 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
मयंक यादव - बेस प्राइज - 1 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
पृथ्वी शॉ- बेस प्राइज - 75 लाख रुपए, अनसोल्ड
शार्दुल ठाकुर - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
वाशिंगटन सुंदर - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 3.20 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
सैम करन - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2.40 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
मार्को जेनसन - बेस प्राइज - 1.25 करोड़ रुपए, सोल्ड - 7 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
क्रुणाल पांड्या - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 5.75 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
नीतिश राणा - बेस प्राइज - 1.50 करोड़ रुपए, सोल्ड - 4.20 करोड़ रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
शाई होप - बेस प्राइज - 1.25 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
रयान रिकेल्टन - बेस प्राइज - 1 करोड़ रुपए, सोल्ड - 1 करोड़ रुपए, टीम - मुंबई इंडियंस
केएस भरत - बेस प्राइज - 75 लाख रुपए, अनसोल्ड
जोश इंग्लिस - बेस प्राइज - 2 करोड़ रुपए, सोल्ड - 2.60 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
एलेक्स कैरी - बेस प्राइज - 1 करोड़ रुपए, अनसोल्ड
डोनोवन फरेरा - बेस प्राइज - 75 लाख रुपए, अनसोल्ड
कार्तिक त्यागी - बेस प्राइज - 40 रुपए, अनसोल्ड
यश ठाकुर - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.60 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
वेभव अरोड़ा - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.80 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
विजयकुमार वैशाक - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड -1.80 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
मोहित शर्मा - बेस प्राइज - 50 लाख रुपए, सोल्ड - 2.20 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
आर्यन जुयाल - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
आकाश माधवाल - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.20 करोड़ रुपए, टीम - राजस्थान रॉयल्स
रसिख दर सलाम - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 6 करोड़ रुपए, टीम - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
विष्णु विनोद - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 95 लाख रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
लवनीत सिसोदिया - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, अनसोल्ड
उपेंद्र यादव - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, अनसोल्ड
अनजू रावत - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
रोबिन मिंज - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - मुंबई इंडियंस
कुमार कुशाग्र - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 65 लाख रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
उत्कर्ष सिंह- बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, अनसोल्ड
आशुतोष शर्मा - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 3.80 करोड़ रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
महिपाल लोमरोर - बेस प्राइज - 50 लाख रुपए, सोल्ड - 1.70 करोड़ रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
विजय शंकर - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.20 करोड़ रुपए, टीम - चेन्नई सुपर किंग्स
हरप्रीत बरार - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 1.50 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स
अब्दुल समद - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 4.20 करोड़ रुपए, टीम - लखनऊ सुपर जाइंट्स
नमन दार - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 5.25 करोड़ रुपए, टीम - मुंबई इंडियंस ऋक्षरू
समर रिजवी - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 95 लाख रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
निशांत सिद्धु - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 30 लाख रुपए, टीम - गुजरात टाइटंस
अभिनव मनोहर - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 3.20 करोड़ रुपए, टीम - सनराइजर्स हैदराबाद
यश धुल - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, अनसोल्ड
करून नायर - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 50 लाख रुपए, टीम - दिल्ली कैपिटल्स
अंगकृष रघुवंशी - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 3 करोड़ रुपए, टीम - कोलकाता नाइट राइडर्स
नाहल वढेरा - बेस प्राइज - 30 लाख रुपए, सोल्ड - 4.20 करोड़ रुपए, टीम - पंजाब किंग्स

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के बाद बोले बुमराह, पहली पारी में हम दबाव में थे

पर्थ (एजेंसी)। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज की शुरूआत जीत के साथ करते हुए पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया। कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह को शानदार प्रदर्शन (8 विकेट) के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। उन्होंने मैच के बाद कहा कि पहली पारी में हम दबाव में थे, लेकिन उसके बाद जिस तरह से हमने जवाब दिया - उस पर गर्व है।

बुमराह ने कहा, शुरुआत से बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम दबाव में थे, लेकिन उसके बाद जिस तरह से हमने जवाब दिया - उस पर गर्व है। 2018 में यहां खेला था। मुझे याद है कि जब आप यहां से शुरुआत करते हैं, तो विकेट थोड़ा नरम होता है और फिर यह तेज और तेज होता जाता है। उस अनुभव पर भरोसा कर रहा था। यह विकेट पिछले वाले से थोड़ा कम मसालेदार थी। हम वास्तव में अच्छी तरह से तैयार थे, इसलिए मैं सभी को अपनी प्रक्रिया और क्षमता पर विश्वास रखने के लिए कह रहा था।

उन्होंने कहा, अनुभव मायने रखता है, लेकिन अगर आपको विश्वास है तो आप कुछ खास कर

सकते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं मांगा जा सकता। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है। यह शायद उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी थी। उनका स्वभाव आक्रामक है, लेकिन उन्होंने गेंद को अच्छी तरह से छोड़ा और लंबे समय तक खेला। विराट के बारे में बुमराह ने कहा, मैंने उन्हें बिल्कुल भी आउट ऑफ फॉर्म नहीं देखा। चुनौतीपूर्ण विकेटों पर यह तय करना मुश्किल होता है कि कोई बल्लेबाज फॉर्म में है या नहीं। वह नेट्स में अच्छा दिख रहा था। हमेशा (भीड़ से) समर्थन का आनंद लेता हूं।

गौर हो कि कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली इनिंग में ऋषभ पंत (37) और नितीश रेड्डी (41) की बदौलत 150 रन बनाए। पहली इनिंग में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी दमदार रही और जोश हेजलवुड ने 4 जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

इस समय पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत लग रहा था लेकिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 104 पर ढेर कर पहली पारी में 46 रन की बढ़त बनाई जिसमें बुमराह के 5 विकेट शामिल थे। दूसरी इनिंग में यशस्वी यशस्वी जायसवाल (161) और विराट कोहली (100) के शतकों के अलावा केएल राहुल की 77 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया को विकेट लेने में कठिनाई हुई। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर दमखम दिखाया और बुमराह और मोहम्मद सिराज के 3-3 विकेटों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को 238 रन पर ढेर कर पहला टेस्ट मैच चौथे दिन ही अपने नाम कर लिया।

आईपीएल 2025

वेंकटेश अय्यर बने तीसरे सबसे महंगे प्लेयर, लगी 23.75 करोड़ की बोली

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में वेंकटेश अय्यर रविवार को श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत के बाद तीसरे सबसे महंगे प्लेयर बन गए हैं। उन्हें गत चैंपियन कोलकाता

नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 23.75 करोड़ रुपए में अपने साथ रखा। 2 करोड़ के बेस प्राइस के साथ शुरुआत करने वाले केकेआर ने श्रेयस के लिए शुरुआत से ही बोली लगाई। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) ?6 करोड़ से बोली में अंदर आई और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8.50 करोड़ से। केकेआर और आरसीबी के बीच अंत तक बोली लगाते रहे। आखिर केकेआर उन्हें अपने साथ रखने में कामयाब रहा। इससे पहले पंजाब किंग्स ने श्रेयस को 26.75 करोड़ तो एलएसजी ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा था।

2020 में केकेआर में शामिल होने के बाद वेंकटेश कोलकाता-फ्रैंचाइजी का एक अभिन्न अंग रहे हैं। उन्होंने दुबई में अपने पहले सीजन में सभी को प्रभावित किया। 2020 के आईपीएल में अपने 10 मैचों में वेंकटेश ने केकेआर के फाइनल तक 350 रन बनाए। कुल मिलाकर वेंकटेश ने केकेआर के लिए अब तक 51 मैचों में 1326 रन बनाए हैं। वेंकटेश 15 साल बाद आईपीएल में शतक लगाने वाले केकेआर के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज ही हैं। उन्होंने आईपीएल 2024 के फाइनल में भी अर्धशतक बनाया था, जिसमें उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की थी।

वेंकटेश के अलावा केकेआर ने दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (3.6 करोड़) और रहमानुल्लाह गुरबाज की 2 करोड़ में सेवाएं भी लीं। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज गुरबाज के लिए यह घर वापसी थी क्योंकि वह पिछले कुछ सीजन से केकेआर टीम का हिस्सा थे। बता दें कि कोलकाता नाइट राइडर्स तीन बार आईपीएल खिताब जीत चुकी है। इससे पहले गौतम गंभीर की कप्तानी में ही कोलकाता ने दो बार खिताब जीता था। गंभीर इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच थे। केकेआर ने उन्हें अपने साथ बतौर कोच रखा। गंभीर ने फिर जादू दिलाया और श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही।

मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार को दिल का दौरा पड़ा, एंजियोप्लास्टी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार को सीने में तकलीफ के कारण यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। उनके परिवार के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अशोक कुमार (74 वर्ष) की सोमवार को एंजियोप्लास्टी होगी।

परिवार के सूत्रों ने बताया, 'उन्हें (अशोक कुमार को) कल (रविवार) शाम सीने में तकलीफ महसूस हुई। इसके बाद उन्हें एस्कॉर्ट्स अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी एंजियोग्राफी की गई। एंजियोग्राफी के नतीजों से पता चला कि कुछ ब्लॉकेज हैं। डॉक्टर आज स्टेंट लगाएंगे। वह खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत स्थिर है। गेंद पर अपने नियंत्रण के लिए पहचाने जाने वाले इनसाइड-राइट खेलने वाले पूर्व खिलाड़ी अशोक अजीत पाल सिंह के नेतृत्व में 1975 का विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। वह 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य थे। उन्हें 1974 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 1975 में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ विजयी गोल करके भारत को विश्व कप में एकमात्र खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

अशोक को इस साल की शुरुआत में हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी अन्य उपलब्धियों में दो और विश्व कप पदक (1971 बार्सीलोना में कांस्य और 1973 एम्सटर्डम में रजत) के अलावा एशिया खेलों में तीन रजत पदक (1970 बैंकॉक, 1974 तेहरान और 1978 बैंकॉक) शामिल हैं।

नटराजन की भरपाई कोई नहीं कर सकता, एसआरएच के मुख्य कोच का बड़ा बयान

जेद्दा (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी आईपीएल की बड़ी नीलामी के पहले दिन इशान किशन को अपने साथ जोड़कर सबसे ज्यादा उत्साहित थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि टी नटराजन का दिल्ली कैपिटल्स के पास जाना उनके लिए नुकसान था। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले किशन को रविवार को सनराइजर्स ने 11 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए यह साल उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने के बोर्ड के आदेश की अवहेलना करने के कारण भारतीय टीम में अपनी जगह के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का केंद्रीय अनुबंध भी खो दिया। हालांकि उनकी रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। सनराइजर्स ने नीलामी के पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (10 करोड़ रुपए) और हर्षल पटेल (आठ करोड़ रुपए) सहित आठ खिलाड़ियों को खरीदा। हालांकि वे टी नटराजन को वापस नहीं खरीद पाए और विटोरी ने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज

के नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता।

नीलामी से पहले सनराइजर्स ने कप्तान पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और नितीश रेड्डी सहित पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था। विटोरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'नट्टू (नटराजन) के जाने की भरपाई कोई नहीं कर सकता (मुस्कुराते हुए)। हर टीम इससे गुजरती है, चाहे आप खिलाड़ियों को जल्दी से जल्दी खोजने की कोशिश करें और मौकों पर झपटें या फिर आप आखिरी मौके का इंतजार करें।

नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। विटोरी ने कहा, 'हमने आज मौका मिलने पर उसे अपने पक्ष में करने का फैसला किया और मोहम्मद शमी उनमें से एक थे और फिर हर्षल पटेल, वे दो ऐसे खिलाड़ी थे जिनके बारे में हमने सोचा भी नहीं था कि वे इन कीमतों (कम कीमत) पर बिकेंगे। और फिर इशान किशन हमारे लिए बहुत बड़ी डील थी। हम उसे अपने साथ जोड़ना चाहते थे और हमें लगा कि वह अधिक कीमत पर बिकेगा। इसलिए इन तीन खिलाड़ियों और बाकी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की खुशी है।

विटोरी भारत के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए कोचिंग की अपनी जिम्मेदारी से समय निकालकर नीलामी के लिए आए हैं। विटोरी ने कहा कि चुने गए खिलाड़ियों से कप्तान कमिंस सहमत हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर ने कहा, 'हां, हां (कमिंस से सुझाव) मिले थे। आज रात कप्तान दुखी था (पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के पीछे रहने का जिक्र करते हुए), उसके लिए एक कठिन दिन था। मैंने आज (रविवार) सुबह उससे बात की और उसने उन खिलाड़ियों के तर्क को समझा जिन्हें हमने चुना था और फिर उसके पास बाकी टीम को तैयार करने के लिए कुछ विचार थे।

आईपीएल ऑक्शन से परे पाकिस्तान 60-6, जिम्बाब्वे से गंवाया पहले वनडे

बुलावायो (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। एक तरफ आईपीएल ऑक्शन में भारतीय क्रिकेटर बड़े नोट कमाने में बिजी थे तो वहीं, दूसरी तरफ बुलावायो के मैदान पर पाकिस्तान के बल्लेबाज जिमबाब्वे के गेंदबाजों का सामना ही नहीं कर पाए। आल राउंडर सिकंदर रजा के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे ने रविवार को यहां बारिश से प्रभावित पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में नए लुक वाली पाकिस्तानी टीम को डकवर्थ लुईस पद्धति से 80 रन से शिकस्त देकर उलटफेर किया। रजा ने 39 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर जिम्बाब्वे को 7 विकेट पर 125 रन के स्कोर से 205 रन तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने 9वें नंबर के बल्लेबाज रिचर्ड नगारावा के साथ मिलकर 8वें विकेट के

लिए 62 रन की भागीदारी निभाई। रिचर्ड ने सर्वाधिक 48 रन बनाए।

रजा (सात रन देकर दो विकेट) ने फिर एक ओवर में दो विकेट झटक लिए जिससे पाकिस्तान की टीम 21 ओवर में 6 विकेट पर 60 रन बनाकर मुश्किल में थी। इसके बाद बारिश आ गई और मैच नहीं हो सका जिससे जिम्बाब्वे ने तीन मैच की वनडे श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। पाकिस्तान ने प्रयोग करते हुए 2019 के बाद पहली बार अपने शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम को वनडे में आराम दिया ताकि अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले 'बेंच स्ट्रेंथ% को आजमाया जा सके। वनडे श्रृंखला के बाद तीन टी20 मैच भी बुलावायो में खेले जाएंगे।

मैच गंवाने के बाद पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने कहा कि यह हमारे लिए अच्छा नहीं था। उन्होंने अनुभव के साथ खेला। सिकंदर रजा इसे अंत तक ले गए, यहीं से खेल हमसे दूर चला गया। हमने टॉस जीता और फिर सूरज निकल आया और इसे आसान बना दिया। उन्होंने हमें दबाव में डाल दिया और एक बल्लेबाजी समूह के रूप में हम उसे संभाल नहीं सके। उन्होंने तेज गेंदबाजों पर आक्रमण किया और फिर हमें स्पिनरों को लाना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा के फ्लैट में महिला को बंधक बनाकर रेप, धर्म परिवर्तन की कोशिश का भी आरोप

नोएडा एजेंसी। नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र की एक सोसाइटी के फ्लैट में दो दिन तक बंधक बनाकर दिल्ली की विशेष समुदाय की युवती से युवक ने दुष्कर्म किया। युवती ने धर्म परिवर्तन करने के लिए दवाब बनाने का भी आरोप लगाया। पीड़ति ने कोर्ट के आदेश पर तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ति ने पुलिस को बताया कि नवंबर 2023 में उसकी मुलाकात सेक्टर-74 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले रोहित जखमोला से हुई। बातचीत होने पर युवक ने उसे अपने जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने को बुलाया। उसने अजनबी होने का हवाला देकर मना कर दिया था। इसके बाद आरोपी उसे एक कैफे में ले गया, इसके बाद वह अपने फ्लैट पर जबरन ले गया। वहां आरोपी ने अश्लील हरकत की और जबरन गांजा पिलाया। पीड़ति ने मना किया तो आरोपी और उसके दो साथी बाइक पर बैठाकर एनएच-नौ पर ले गए, जहां बाइक से गिरने पर पीड़ति को चोट आई।

उपमन्यु चटर्जी की पुस्तक लोरेंजो सर्चेज फॉर द मीनिंग ऑफ लाइफ ने साहित्य के लिए 7वां जेसीबी पुरस्कार जीता

चंडीगढ़, एजेंसी। स्पीकिंग टाइगर बुक्स द्वारा प्रकाशित उपमन्यु चटर्जी द्वारा लिखित लोरेंजो सर्चेस फॉर द मीनिंग ऑफ लाइफ को साहित्य के लिए 2024 जेसीबी पुरस्कार के विजेता के रूप में घोषित किया गया है, और 25 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह कार्यक्रम जेसीबी इंडिया मुख्यालय, बल्लभगढ़ में आयोजित किया गया था। प्रतिष्ठित ट्रॉफी, जो दिल्ली के कलाकार जोड़ी, ठुकराल और टैगरा द्वारा बनाई गई एक मूर्ति है, जिसका शीर्षक मिरर मेल्टिंग है, उपमन्यु चटर्जी को प्रदान की गई।यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जेसीबी के चेयरमैन लॉर्ड बैमफोर्ड की ओर से जेसीबी इंडिया के सीईओ और एमडी श्री दीपक शेट्टी द्वारा प्रदान किया गया।कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री दीपक शेट्टी ने कहा, साहित्य के लिए जेसीबी पुरस्कार की परिकल्पना लॉर्ड बैमफोर्ड द्वारा भारतीय साहित्य की भारतीयता का जश्न मनाने के लिए की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में इस पुरस्कार ने कुछ सबसे विविध कार्यों को आकर्षित किया है और यह वर्ष भी कुछ अलग नहीं है। उन्होंने इस मौके पर पूरे जेसीबी परिवार की ओर से उपमन्यु चटर्जी की लोरेंजो सर्चेस फॉर द मीनिंग ऑफ लाइफ को बधाई दी।श्री शेट्टी ने कहा कीक्षेत्रीय भाषाओं में समकालीन भारतीय साहित्य में पाठकों को देने के लिए बहुत कुछ है। प्रकाशक उच्च-गुणवत्ता वाले अनुवादों का समर्थन करने और उन्हें बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ताकि ये कार्य पुराने और युवा दोनों पाठकों के लिए उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप प्लेटफार्मों के माध्यम से पहुंच योग्य हों।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में शराब परोसने पर लगी रोक, पुणे वाले शो से पहले बड़ा फैसला

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र आबकारी विभाग ने पुणे के कोथरुड इलाके में अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ के म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने इस कार्यक्रम में शराब परोसने का परमिट रविवार को रद्द कर दिया। कोथरुड के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक चंद्रकांत पाटिल सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने रविवार शाम होने वाले कंसर्ट में शराब परोसने की योजना पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद विभाग ने परमिट रद्द करने का फैसला लिया। महाराष्ट्र के आबकारी आयुक्त सी राजपूत ने कहा, राज्य आबकारी विभाग ने कॉन्सर्ट के दौरान शराब परोसने की अनुमति रद्द कर दी है। भाजपा विधायक पाटिल ने कोथरुड के काकाडे फार्म में होने वाले संगीत कॉन्सर्ट पर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक बयान में कहा है, 'ऐसे शो शहर की संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। इससे क्षेत्र के निवासियों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी होगी। आयोजन से यातायात जाम भी होगा। इसलिए, मैंने शहर के पुलिस आयुक्त से कार्यक्रम रद्द करने का आग्रह किया है।

अगले महीने से 13 लाख महिलाओं को मिलेगा तोहफा, खाते में आने लगेंगे 1500 रुपये

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की जबरदस्त जीत के पीछे लड़की बहिन योजना को भी बताया जा रहा है। एनसीपी नेता शरद पवार ने भी कहा कि इस योजना से महायुति को बड़ा लाभ हुआ है। महिलाओं ने जमकर महायुति के लिए वोट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले महीने से ही 13 लाख और महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगेगा। इसके तहत हर महीने महिलाओं के खाते में 1500 रुपये जमा किए जाएंगे। 2.34 करोड़ महिलाओं को इसका फायदा मिल रहा है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो दिसंबर के महीने में उन महिलाओं को भी योजना में शामिल कर लिया जाएगा जिनकी अब तक बैंक अकाउंट से आधार सीडिंग नहीं हो पाई थी। वहीं महायुति ने यह भी वादा किया था कि इस राशि को बढ़ाकर 2100 कर दिया जाएगा। बजट में इस योजना के लिए 3500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। अगर राशि बढ़ानी है तो इसपर लागत भी बढ़ जाएगी। ऐसे में आवंटन भी बढ़ाना

पड़ेगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को झटका लगा था। इसके बाद इस योजना की शुरुआत की गई थी। इसका असर भी विधानसभा चुनाव में दिखाई दिया। महायुति ने 234 सीटों पर कब्जा कर लिया। इस योजना के सबसे ज्यादा लाभार्थी पुणे. नासिक, ठाणे और मुंबई में हैं। इन इलाकों में महायुति को भी बड़ा फायदा हुआ है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा कि जिन महिलाओं के आवेदन अभी लंबित हैं उन्हें भी क्लियर किया जाएगा और दिसंबर महीने से उन्हें लाभ मिलेगा। सरकारी सूत्र के मुताबिक, नवंबर तक 2.34 करोड़ महिलाओं को योजना में शामिल कर लिया गया था। वहीं 13 लाख आवेदन अभी लंबित थे। उन्हें दिसंबर में शामिल कर लिया जाएगा। महिला और बाल विकास विभाग इस काम को तेजी से निपटाने में लगा है। संभावना इस बात की है कि महिला और बाल विकास मंत्री रहीं अदिति ततकरे फिर से अपना विभाग संभालें। उन्होंने श्रीवर्धन विधानसभा सीट पर अपने प्रतिद्वंद्वी एनसीपी एसपी के अनिल नावगने को एक लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया है।

गाजियाबाद पुलिस ने 400 फार्म हाउस और बैंक्वेट हॉल संचालकों को भेजे नोटिस

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद की कमिश्नरेट पुलिस ने 400 फार्म हाउस और बैंक्वेट हॉल संचालकों को नोटिस भेजे हैं। शादियों के दौरान चोरी और छिनैती समेत अन्य आपराधिक वारदात पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस यह कदम उठाया है। नोटिस में गेट के बाहर और अंदर नाइट विजन कैमरे लगाने के साथ पार्किंग की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। चढ़त के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहेगा। इसकी सूचना भी समय से देने होगी।

जनपद में 400 बैंक्वेट हॉल और फार्म हाउस हैं। इनमें आयोजन के दौरान चोरी के मामले सामने आते रहते हैं। गेट के बाहर रोड पर चढ़त के दौरान चेन और मोबाइल झपटमारी की वारदात होती रहती हैं। अक्सर जांच के दौरान आयोजन स्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खराब मिलते हैं या उनकी फुटेज साफ नहीं होती। इससे अपराधी को पकड़ने में दिक्कत होती है। ऐसे में पुलिस ने यह पहल की है। नोटिस भेजने के साथ संचालकों से संपर्क भी किया जा रहा। सभी को बताया जा रहा है कि वह बेहतर क्वालिटी के कैमरे लगाएं, जिससे रात में होने वाली आपराधिक घटनाएं कैद होते समय पूरी तरह से क्लियर हों। इसके अलावा मेहमानों को गेट से ज्यादा दूर न उतारा जाए। जनपद में गई फार्म हाउस और बैंक्वेट हॉल इतने बड़े हैं कि वहां एक ही दिन में कई आयोजन होते हैं। ऐसे में वहां आने वाले लोगों की तादाद भी बड़ी मात्रा में होती है। बड़े आयोजन और मेहमानों की भीड़ बदमाशों के टारगेट पर होती है। भीड़ का फायदा उठाकर वह अपने मंसूबों को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। नकदी और जेवरात से भरे बैग चोरी करने की अधिकांश घटनाओं में छोटे बच्चों के शामिल होने की बात सामने आई है। कई गैंग पूर्व में प्रकाश में आ चुके हैं। ज्यादातर बच्चे मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। पुलिस की चीता बाइक सवारों को भी लगातार भ्रमण करते हुए हूटर बजाने के निर्देश दिए गए हैं। निमिष पाटील, डीसीपी, ट्रांस हिंडन जोन ने कहा, सभी एसीपी को निर्देश दिए गए हैं कि वह क्षेत्र के बैंक्वेट हॉल संचालकों से संपर्क बनाए रखें और उन्हें सतर्क करते रहें।

ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर घटेगी वाहनों की स्पीड लिमिट

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर अगले महीने दिसंबर से वाहनों की स्पीड लिमिट कम कर दी जाएगी। एक्सप्रेसवे के साथ एमपी टू स्थित एलिवेटेड रोड पर भी यह व्यवस्था फरवरी महीने के मध्य तक बनी रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने कोहरे में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे करीब 24 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से 20 किलोमीटर का हिस्सा नोएडा के क्षेत्र में आता है। पिछले कुछ वर्षों में यहां काफी हादसे हो चुके हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अगले महीने के पहले-दूसरे सप्ताह से कोहरा पड़ने का अनुमान है। ऐसे में सड़क हादसों की आशंका अधिक बढ़ जाती है। इसको देखते हुए तैयारी शुरू कर दी गई है।

ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि कोहरे को देखते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, एमपी टू एलिवेटेड रोड समेत शहर की छह सड़कों पर गति सीमा घटाई जाएगी। एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहन (चार पहिया) के लिए गति सीमा 100 से घटाकर 75 किलोमीटर कर दी जाएगी। भारी वाहनों के लिए रफ्तार 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की जाएगी। एमपी टू स्थित एलिवेटेड रोड पर हल्के वाहनों के

लिए 50 और भारी वाहनों के लिए 40 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार तय की जाएगी।

मास्टर प्लान रोड नंबर-1 (डीएनडी टोल प्लाजा से सेक्टर-57 चौराहा), मास्टर प्लान रोड नंबर-2 (सेक्टर-18 से सेक्टर-60 अंडरपास), मास्टर प्लान रोड नंबर-3 (कालिंदी कुंज से सेक्टर-122) और रोड नंबर-6 (सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से सेक्टर-71 अंडरपास) के अलावा डीएससी (दादरी-सूरजपुर-छल्लेरा) रोड पर भी वाहनों की गति कम की जाएगी। इन जगह 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार तय होगी। इसके अलावा जो भी 75 मीटर चौड़ी रोड हैं, वहां पर भी यही व्यवस्था रहेगी। गति सीमा घटाने से संबंधित जानकारी देने के लिए नोएडा प्राधिकरण एक्सप्रेसवे और उससे पहले के रास्तों पर संबंधित जानकारी देने के लिए बोर्ड लगवाएगा।

ये हिंदुत्व की जीत है, महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा चलेगा, फतवा नहीं- नितेश राणे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की शानदार जीत के बाद भाजपा नेता नितेश राणे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि ये हिंदुत्व की जीत है। हमारे महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने जवाब दे दिया है कि हमारे महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा ही चलेगा फतवा नहीं चलेगा। राणे ने कहा, ये जनादेश लव जिहाद, लैंड जिहाद और इस्लामीकरण के खिलाफ मिला है। महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने सीधा संदेश दिया है कि मस्जिदों में 5 बार बजने वाले लाउड स्पीकर बंद हो जाने चाहिए। सब जगहों पर जो हरी चादर डालने का कार्यक्रम शुरू हुआ था उसके खिलाफ हमें जनादेश मिला है। नितेश राणे ने कहा कि अभी महाराष्ट्र में केवल भगवाधारियों का ही राज्य चलेगा। इसी तरह का जनादेश मिलने की वजह से आने वाले दिनों में उसी तरह की सरकार दिखेगी। मालूम हो कि भाजपा के प्रमुख विजयी

उम्मीदवारों में मौजूदा विधायक नितेश राणे शामिल हैं, जिन्होंने सिंधुदुर्ग जिले की कंकावली विधानसभा सीट पर 58,007 मतों के अंतर से जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार नितेश नारायण राणे ने शिवसेना (यूटीबी) के कैंडिडेट संदेश भाष्कर पारकर को हराया है। महायुति ने महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर भारी बहुमत से सत्ता बरकरार रखी। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के नामों वाले राजपत्र की प्रतियां भेंट कीं। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप निर्वाचन आयुक्त ह्रदेश कुमार और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें राजपत्र और आयोग की अधिसूचना की प्रतियां सौंपी। राज्य चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए। निर्वाचित विधानसभा सदस्यों के नाम भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के तहत महाराष्ट्र सरकार के राज्य राजपत्र में प्रकाशित किए गए।

राष्ट्रपति बनते ही पहले आदेश में एलजीबीटीक्यू समुदाय को झटका दे सकते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में रहने वाले एलजीबीटीक्यूएआई+ समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ट्रंप एक ऐसा कार्यकारी आदेश लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे अमेरिका की सेना में सेवा दे रहे सभी ट्रांसजेंडर्स को हटाया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अगर यह आदेश आता है तो सभी ट्रांसजेंडर्स को मेडिकली डिस्चार्ज कर दिया जाएगा यानी वे सेना में सेवा देने के लिए अनफिट करार हो जाएंगे। द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 78 वर्षीय ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ऐसा ही आदेस जारी किया था। तब उनके आदेश के तहत सेना में ट्रांसजेंडर्स की भर्ती को रोक दिया गया था। हालांकि, पहले से ही सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को अपना काम जारी रखने की इजाजत थी। हालांकि, इस बार वह सेना में मौजूदा समय में सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को भी हटाने

की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि ट्रंप की तरफ से यह कार्यकारी आदेश, उनके 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के दिन ही आ सकता है। मौजूदा समय में अमेरिकी सेना में 15,000 ट्रांसजेंडर्स सेवा दे रहे हैं। बताया गया है कि ट्रंप के पिछले कार्यकाल के बाद जब जो बाइडन ने नियम पलटे थे, तब पाया गया था कि 2200 सैन्य कर्मियों को यह लगता है कि उन्हें पैदा होने के दौरान जो लिंग मिला था, वह उससे अलग लैंगिक पहचान रखते हैं। डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ट्रांसजेंडर समुदाय के सेना में शामिल किए जाने का विरोध करते रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह इस बारे में बच्चों के सामने नस्लीय सिद्धांत या किसी तरह के लैंगिक-राजनीतिक सामग्री को आगे बढ़ाने वाले स्कूलों की आर्थिक मदद रोक देंगे। इतना ही नहीं ट्रंप खेलों से भी ट्रांसजेंडर्स एथलीट्स को बाहर रखने पर मुखर रहे हैं।

इराकी सुरक्षा बलों ने कुर्दिस्तान में नष्ट किया आईएस सेल, छह आतंकी गिरफ्तार

बगदाद, एजेंसी। इराक की नेशनल सिक्योरिटी सर्विस (आईएनएसएस) ने घोषणा की कि उसने देश के उत्तरी प्रांत किरकुक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक सेल को नष्ट कर दिया । इस दौरान छह आईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र का ग्रुप लीडर भी शामिल हैं। आईएनएसएस ने एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों के आधार पर और क्षेत्रीय कुर्द सुरक्षा बलों के साथ मिलकर इराकी सुरक्षा कर्मियों ने शनिवार को एक घर पर छापा मारा। सात आईएस आतंकवादी बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में स्थित प्रांतीय राजधानी किरकुक में इकट्ठे हुए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक कथित तौर पर कुर्दिस्तान क्षेत्र में आईएस ग्रुप का नेता है। वे किरकुक प्रांत में सरकारी जगहों और वरिष्ठ अधिकारियों पर हमले की योजना बना रहे थे। इससे पहले उत्तरी इराकी प्रांत किरकुक में एयर स्ट्राइक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पांच आतंकवादी मारे गए थे। शनिवार को ईराक की सेना ने इस बात की पुष्टि

की थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इराक की संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट, सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान में इस बात की पुष्टि की गई थी। बयान के अनुसार इराक की फोर्स ने शुक्रवार को बगदाद से करीब 250 किलोमीटर उत्तर में, प्रांतीय राजधानी किरकुक के पश्चिम में एक बीहड़ इलाके में आईएस के ठिकाने पर हवाई हमले किए। शनिवार की सुबह, इराकी सेना और खुफिया विभाग के एक संयुक्त बल ने बमबारी वाली जगह की तलाशी ली। इस दौरान पांच आतंकवादियों के शव बरामद किए।

यूक्रेन का नामो निशान मिटाने की तैयारी में रूस !

पुतिन ने बढ़ाया मिसाइल उत्पादन, बढ़ गई पश्चिम की टेंशन

मास्को, एजेंसी। तीसरे विश्व युद्ध की आहट के बीच लगता है रूस ने यूक्रेन का नामो निशान मिटाने की तैयारी तेज कर दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी नई हाइपरसोनिक मिसाइल ओरेश्निक के सफल प्रदर्शन के बाद मिसाइल उत्पादन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने का आदेश दिया है। उन्होंने इस मिसाइल की सराहना करते हुए कहा कि यह दुनिया में सबसे उन्नत तकनीक है, जिसे कोई भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम पकड़ने में असमर्थ है। इसकी गति 10 मैक से अधिक है, जो इसे और भी घातक बनाती है। पुतिन ने कहा कि रूस की संप्रभुता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए हथियारों के जखीरे को बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान में दुनिया में किसी भी देश के पास इस स्तर की तकनीक नहीं है। हालांकि उन्होंने माना कि अन्य देश भी इसे विकसित करने की कोशिश करेंगे, लेकिन फिलहाल यह रूस की ताकत का परिचायक है। पश्चिमी देशों की लंबी दूरी की मिसाइलों के हमलों के जवाब में रूस ने डेनिप्रो शहर पर अपनी नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने दावा किया कि रूस ने अंतरमहाद्वीपीय हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया है। हालांकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने इस दावे को खारिज कर दिया था। बाद में पुतिन ने स्वयं इस मिसाइल का प्रदर्शन और उसके परिणामों की पुष्टि की। पुतिन ने अपने सैन्य प्रमुखों के साथ बैठक में कहा कि रूस पर लगातार खतरा बना हुआ है, इसलिए हथियारों का उत्पादन 10 गुना बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध की किसी भी परिस्थिति के लिए हमें तैयार रहना होगा। इस संदर्भ में रूस अपनी हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण जारी रखेगा। पुतिन ने अपने संबोधन में पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी जमीन पर पश्चिमी हथियारों से हमले किए जा रहे हैं। ऐसे में रूस भी पश्चिमी देशों पर हमला करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यूक्रेन-रूस संघर्ष के शुरुआती दौर में पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को रूसी जमीन पर हमले की अनुमति नहीं दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ग्लोबल पीस अवार्ड से सम्मानित

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ग्लोबल पीस अवार्ड से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय अमेरिकी अल्पसंख्यक समुदायों ने वाशिंगटन डी.सी. में आल इंडिया अल्पसंख्यक एसोसिएशन (एआईएएम) की शुरुआत की। यह पहल भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों की भलाई को बढ़ावा देने और उन्हें एकजुट करने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस आयोजन में प्रमुख भारतीय नेताओं और समाज के विभिन्न समुदायों के सदस्य उपस्थित थे। आल इंडिया अल्पसंख्यक एसोसिएशन (एआईएएम) का प्रमुख उद्देश्य भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए काम करना है। इस संगठन के अध्यक्ष जसदीप सिंह, जो एक प्रसिद्ध सिख परोपकारी हैं, ने इस पहल को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के

2047 तक के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एआईएएम के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में जसदीप सिंह के नेतृत्व में यह संगठन काम करेगा, जिसमें सात सदस्यीय बोर्ड भी शामिल है, जो विभिन्न भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करेगा, जैसे सिख, ईसाई, हिंदू, मुस्लिम और यहूदी समुदाय।

एआईएएम के अध्यक्ष जसदीप सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली को भी सराहा, जिन्होंने भारतीय समाज के सभी समुदायों के लिए समान अवसर और विकास के रास्ते खोले हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण को समर्थन देते हुए कहा कि इस संगठन का उद्देश्य भारत के हर एक नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो, बराबरी के अवसर प्रदान करना है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत का दृष्टिकोण 2047 तक भारत को एक अग्रणी और समृद्ध राष्ट्र बना देगा, और एआइएएम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारतीय अल्पसंख्यक महासंघ के सदस्य और संगठन के संयोजक, सतनाम सिंह संधू ने प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने इस दृष्टिकोण के प्रभाव को भारत में सामुदायिक सौहार्द और समान अवसरों की दिशा में बेहद सकारात्मक बताया। उनका कहना था कि यह दृष्टिकोण भारतीय समाज को एकजुट करता है और विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।

एआईएएम का उद्देश्य भारतीय अमेरिकी अल्पसंख्यकों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, जहां वे एकजुट होकर भारतीय समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर सकें। इस संगठन का कार्यभार न केवल भारतीय समुदायों के बीच सामुदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है, बल्कि यह भारत और भारतीय समुदायों के बीच एक मजबूत और सहयोगात्मक संबंध बनाने में भी मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो हाल ही में गुयाना की यात्रा पर गए थे, 56 वर्षों में गुयाना जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129